@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 25 मार्च 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 133 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपियों के घरों को गिराने पर रोक लगाई

मुंबई, 24 मार्च। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने नागपुर हिंसा मामले में दो आरोपियों के घरों को गिराने की प्रशासनिक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। अदालत ने इस मामले में प्रशासन के रवैये को मनमाना और दमनकारी बताते हुए कड़ी फटकार भी लगाई। बता दें कि, नागपुर में हुई हिंसा के बाद स्थानीय प्रशासन ने आरोपियों के घरों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की थी, जिसे

लेकर अदालत में चुनौती दी गई थी। इस मामले की अगली सुनवाई जल्द होने की संभावना है। हालांकि, कोर्ट का आदेश आने से पहले ही फहीम खान के दो मंजिला घर को तोड़ा जा चुका था। वहीं, कोर्ट के आदेश के बाद यूसुफ शेख के घर के अवैध हिस्से को तोड़ने की कार्रवाई रोक दी गई। वहीं फहीम खान और यूसुफ शेख ने अपने घरों की तोड़फोड़ के खिलाफ हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। इस पर जस्टिस नितिन साम्बरे और वृषाली जोशी की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने सवाल किया कि बिना सुनवाई के घरों को कैसे तोड़ा गया? फहीम खान के वकील अश्विन इंगोले ने बताया कि कोर्ट ने सरकार और नगर निगम से जवाब मांगा है और अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी। अगर तोड़फोड़ अवैध पाई गई, तो नुकसान की भरपाई प्रशासन को करनी होगी। सोमवार सुबह पुलिस सुरक्षा में नगर निगम ने फहीम खान का घर गिराना शुरू किया। उनके घर को बिना इजाजत बनी अवैध इमारत बताया गया। वहीं दूसरे आरोपी यूसुफ शेख के घर का भी एक अवैध हिस्सा तोड़ा जा रहा था, लेकिन कोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई रोक दी गई। बता दें कि, फहीम खान माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के नेता हैं। उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है और वे 17 मार्च की हिंसा में शामिल 100 से ज्यादा गिरफ्तार लोगों में शामिल हैं। नगर निगम के मुताबिक, फहीम खान के घर की लीज 2020 में खत्म हो गई थी और उनके घर के लिए कोई आधिकारिक नक्शा पास नहीं हुआ था। उन्हें 24 घंटे पहले नोटिस दिया गया था। निगम ने यह कार्रवाई महाराष्ट्र क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम (एमआरटीपी एक्ट) के तहत की।

सभी यूनिवर्सिटी में आरआरएस के वाइस चांसलर: राहुल गांधी

सिम्मी कौर बब्बर

दिल्ली, 24 मार्च। नई शिक्षा नीति के खिलाफ जंतर-मंतर पर हजारों की संख्या में इंडिया गठबंधन छात्र संगठन पहुंच है। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर लेकर पहुंचे जहां उन्होंने केन्द्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने नई शिक्षा नीति को वापस लेने सहित कई चीजों की मांग की है। प्रदर्शन में एनएसयूआई, एआईएसए, एसएफआई और समाजवादी छात्रसभा समेत लेफ्ट छात्र संगठन भी शामिल हुए। वहीं इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सभी यूनिवर्सिटी में आरआरएस के वाइस चांसलर हैं। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के नेतृत्व में इंडिया अलायंस छात्र संगठन एनईपी 2020, जंतर मंतर पर यूजीसी ड्राफ्ट नियमों और पेपर लीक के खिलाफ संसद मार्च का आयोजन कर रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी मार्च में शामिल हुए व छात्र संगठनों को को संबोधित किया। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर एनईपी 2020, यूजीसी ड्राफ्ट नियमों और पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को बड़ा बयान दिया। राहुल ने आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर आरएसएस शिक्षा व्यवस्था पर पूरा नियंत्रण कर ले तो देश बर्बाद हो जाएगा। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के घटकों की विचारधाराओं और नीतियों में कुछ मामूली मतभेद हो सकते हैं, लेकिन वे देश की शिक्षा व्यवस्था पर कभी समझौता नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने आगे

कहा कि एक संगठन देश के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करना चाहता है। उस संगठन का नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। अगर शिक्षा व्यवस्था उनके हाथों में चली गई, जो वास्तव में धीरे-धीरे हो रहा है, तो यह देश बर्बाद हो जाएगा। किसी को नौकरी नहीं मिलेगी और देश खत्म हो जाएगा। राहुल गांधी ने शिक्षा नीति के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि छात्र संगठनों को छात्रों को बताना चाहिए कि भारतीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों पर आरएसएस का दबदबा है। आने वाले समय में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति आरएसएस की सिफारिश पर होगी। हमें इसे रोकना होगा। विपक्ष के नेता ने यहां लोगों को याद दिलाया कि पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में महाकुंभ पर टिप्पणी की थी और कहा था कि प्रधानमंत्री को बेरोजगारी और महंगाई के बारे में भी बोलना चाहिए था। जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा व्यवस्था के बारे में एक शब्द भी नहीं बोलते हैं। उनका मॉडल सभी संसाधनों को अडानी और अंबानी को सौंपना और संस्थानों को आरएसएस को सौंपना है। आप भारतीय ब्लॉक के छात्र हैं, हमारी विचारधाराओं और नीतियों में कुछ मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हम देश की शिक्षा व्यवस्था से कभी समझौता नहीं कर सकते। हम इस लड़ाई को मिलकर लड़ेंगे और आरएसएस को पीछे धकेलेंगे।

जस्टिस यशवंत वर्मा के ट्रांसफर का नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली, 24 मार्च। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को उनके मूल न्यायालय, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस स्थानांतरित करने की सिफारिश करते हुए प्रस्ताव जारी किया है। 21 मार्च को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को उनके स्थानांतरण की सिफारिशें की थी। वहीं इससे पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने के सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के फैसले पर आपत्ति भी जताई थी। जज यशवंत वर्मा के दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर किए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही कहा था कि उनका ट्रांसफर एक नियमित प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है। इस ट्रांसफर का जज वर्मा के घर से मिले अधजले नोटों के विवाद से कोई लेना देना नही हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा इन दिनों सुर्खियों में बने हुए है, जब से उनके दिल्ली स्थित आवास में आग लगी और आग बुझाने के दौरान दमकल और पुलिस को बड़े पैमाने पर अधजले नोट बरामद किए गए। ये घटना 14 मार्च की है, जब लुटियंस दिल्ली के पॉश इलाके में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास के स्टोररूम में आग लगने की घटना के बाद कथित तौर पर अग्निशमन कर्मियों और पुलिस कर्मियों ने नकदी बरामद की थी। इस घटना पर संज्ञान लेते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने भारतीय मुद्रा नोटों से भरी चार से पांच अधजली बोरियां मिलने की जांच के लिए तीन सदस्यीय पैनल का गठन किया है।

शिवकुमार को बर्खास्त करें या तो संविधान बदलने का प्लान बताएं: रिजिजू

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 24 मार्च। कर्नाटक में सार्वजनिक ठेकों में मुस्लिमों को चार प्रतिशत आरक्षण देने को लेकर उठे विवाद में अब सुई डीके शिवकुमार की ओर घूम गई है। आरक्षण के सवाल पर शिवकुमार के संविधान को लेकर की गई टिप्पणी पर भाजपा नेताओं खासकर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। सोमवार को इस मामले में कांग्रेस की आलोचना करते हुए साफ कहा है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी या तो उन्हें पद से हटाए या फिर अल्पसंख्यक समुदाय को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव का अपनी योजना बताए। रिजिजू ने संवाददाताओं से कहा कि एनडीए दलों ने एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्वारा दिए गए बयान को बहुत गंभीरता से लिया है। वे एक संवैधानिक पद पर हैं और उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि मुसलमानों को ठेकों में आरक्षण देना समुदाय को आरक्षण और अन्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि इसके लिए भारत के संविधान को बदला जाएगा। रिजिजू ने कहा कि यह बहुत गंभीर मुद्दा है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि संविधान में संशोधन और बदलाव करके मुसलमानों को आरक्षण देने की बात करके उन्होंने संविधान के साथ धोखाधड़ी की है। ऐसे में कांग्रेस

या तो वरिष्ठ नेता को तुरंत उनके पद से बर्खास्त करे और उन्हें पार्टी से निकालें या घोषणा करे कि वह मुस्लिम लीग के रास्ते पर चल रही है और मुसलमानों को संविधान के तहत आरक्षण दिया जाएगा। इससे पहले, राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने वहां भी इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा था कि एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता जो सांविधानिक पद पर हैं, ने कहा है कि पार्टी मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान बदल देगी। हम इस बयान को हल्के में नहीं ले सकते। यह बयान किसी आम पार्टी नेता की ओर से नहीं बल्कि सांविधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति की ओर से आया है। यह बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि धर्म आधारित आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। कांग्रेस नेता संविधान की किताब जेब में रखते हैं, लेकिन इसे कमजोर करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष को पार्टी की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और सदन और देश को बताना चाहिए कि कांग्रेस मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव क्यों करना चाहती है? वहीं, एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक और केंद्र दोनों में भाजपा के नेता और मंत्री कांग्रेस और उन्हें बदनाम करने के लिए बेशर्मी और सरासर झूठ का सहारा ले रहे हैं।

राणा सांगा पर विवादित बयान में फंस गए अखिलेश और रामजी लाल सुमन

कौमी संवाददाता

आगरा, 24 मार्च। राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान मामले में आगरा सिविल कोर्ट सीनियर डिवीजन में अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने सिविल केस दायर किया है। अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही चर्चा कि सपा के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दिया है। इसका समर्थन सपा मुखिया अखिलेश यादव भी कर रहे हैं। अधिवक्ता की ओर से सपा मुखिया अखिलेश यादव और राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ सिविल केस दायर किया गया है। केस की सुनवाई सिविल जज सीनियर डिवीजन में हुई व फाइल को अग्रिम आदेश के लिए रख लिया गया। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता नरेश सिकरवार, एसपी सिंह सिकवार, शिव आधार सिंह तोमर, संतोष धाकरे न्यायालय में उपस्थित

रहे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद रामजी लाल सुमन के राणा सांगा को लेकर दिए बयान पर बवाल मचा हुआ है। अखिल भारत हिंदू महासभा ने भी सपा सांसद के बयान के विरोध में प्रदर्शन किया। सांसद के खिलाफ तहरीर दी। वहीं, सपा सांसद ने भी मामले में सफाई दी थी। सपा सांसद रामजी लाल सुमन का कहना है कि मैं अपने बयान पर कायम हूं। अगर राज्यसभा सभापति को लगता है मैंने कुछ आपत्तिजनक कहा तो सदन की कार्यवाही से मेरे बयान को हटा सकते हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद रामजी लाल सुमन के शुक्रवार को राज्यसभा में राणा सांगा को गद्दार कहने पर हंगामा हो गया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों का तकिया कलाम हो गया है कि मुसलमानों में बाबर का डीएनए है।

सदन को बाधित करने के लिए लेकर आए फर्जी मुद्दा

नई दिल्ली, 24 मार्च। कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण के मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में सोमवार को हुए हंगामे को लेकर कांग्रेस ने भाजपा को घेरा। कांग्रेस ने भाजपा पर संसद बाधित करने के लिए फर्जी मुद्दा उठाने का आरोप लगाया। सोमवार को जब संसद में इस मुद्दे पर हंगामा हुआ तो दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा संसद को स्थगित करने के लिए पूरी तरह से फर्जी मुद्दा लेकर आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आचरण जैसे गंभीर मुद्दे पर चर्चा न हो। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि सरकार ने मन बना लिया है। वह नहीं चाहती कि सदन चले और हंगामा करने के लिए कोई न कोई बहाना ढूंढ लेती है। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि निराश भाजपा, उसका राज्य और केंद्रीय नेतृत्व और उसके केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू मेरे बयानों को गलत तरीके से पेश करके कांग्रेस पार्टी और मुझे बदनाम करने के लिए बेशर्मी और सरासर झूठ का सहारा ले रहे हैं।

कुणाल कामरा के बयान पर बवाल जारी, आदित्य ठाकरे ने किया बचाव

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 24 मार्च। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को लेकर महाराष्ट्र में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में पक्ष-विपक्ष आपने सामने है। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन दलों के नेता कामरा के बयान से नाराजगी जताते हुए उनका विरोध कर रहे है। तो दूसरी ओर यूबीटी शिवसेना कुणाल कामरा के समर्थन में आ गई है। जहां यूबीटी शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के बाद अब उनके बेटे आदित्य ठाकरे भी कामरा के बचाव में आ गए हैं। शिवसेना-यूबीटी विधायक आदित्य ठाकरे ने कुणाल कामरा के बयान पर उनका बचाव किया। उन्होंने कहा कि कुणाल कामरा ने किसी का नाम नहीं लिया था, फिर भी एकनाथ शिंदे के समर्थकों ने उसे देशद्रोही और चोर क्यों कहा? साथ ही उन्होंने सवाल किया कि यह निर्णय कब लिया गया कि कुणाल कामरा देशद्रोही और चोर हैं? आदित्य ने यह भी कहा कि जब कुणाल कामरा ने मोदी जी और उनकी पार्टी के बारे में भी टिप्पणियां की थीं, तब किसी ने भी ऐसी प्रतिक्रिया नहीं दी। लेकिन अब जब उसने कुछ कहा, तो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके समर्थकों ने उसे इस तरह की गाली-गलौच दी। इसके साथ ही आदित्य ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री ने नागपुर में तोड़फोड़ करने वालों से

नुकसान की भरपाई करने की बात कही थी, तो क्या कल होने वाली तोड़फोड़ की भरपाई भी की जाएगी? आदित्य ठाकरे ने मुख्यमंत्री से यह अपील की कि उन्हें यह समझने की जरूरत है कि असल में उन्हें कौन कम आंक रहा है... क्या यह विपक्ष है या उनके अपने दोस्त? साथ ही कामरा के माफी मांगने की बात पर आदित्य ठाकरे ने कहा कि कुणाल कामरा को क्यों माफी मांगनी चाहिए?, उन्होंने एकनाथ शिंदे की ओर इशारा करते हुए कहा कि अगर एकनाथ शिंदे देशद्रोही और चोर हैं तो कुणाल कामरा को माफी मांगनी चाहिए। हालांकि आदित्य ने ये भी कहा कि इसके लिए पहले एकनाथ शिंदे को पहले जवाब देना चाहिए कि वह देशद्रोही और चोर हैं या नहीं। इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने सोमवार को कहा कि विवादित बयान देकर फंसे स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने दक्षिण मुंबई में विधान भवन में संवाददाताओं से कहा, कामरा ने केवल अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने तथ्य बताए और जनता की राय को आवाज दी। दरअसल, स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने अपने शो में शिंदे पर उनका नाम लिए बिना विवादित टिप्पणी की थी। इस पर भड़के शिवसैनिकों ने जहां शो का आयोजन किया गया था, वहां धावा बोल दिया था। दरअसल, शिवसेना कार्यकर्ताओं ने रविवार को मुंबई के खार इलाके में होटल यूनिकॉन्टिनेंटल में तोड़फोड़ की थी।

बजट से पहले हलवा नहीं बनाई खीर: सीएम रेखा

नई दिल्ली, 24 मार्च। दिल्ली विधानसभा में आज से बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू हो गया है। बजट सत्र शुरू होने से पहले हर बार हलवा सेरेमनी मनाई जाती थी। लेकिन इस बार सेरेमनी तो मनाई गई लेकिन हलवा की जगह खीर बनाई गई। दिल्ली बजट पेश करने से पहले सोमवार को खीर सेरेमनी मनाई गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भगवान राम को खीर का भोग लगाया। इस तरह की सेरेमनी पहली बार मनाई गई है। जिसमें हलवा की जगह खीर तैयार की गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अन्य नेताओं को खीर खिलाकर इस बजट सत्र की शुरुआत की। 25 मार्च को सीएम दिल्ली विधानसभा में बजट पेश करेंगी। बजट सत्र 28 मार्च तक चलेगा। दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के शुरू होने से पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खीर तैयार की। इसके बाद सीएम रेखा और अन्य कैबिनेट मंत्रियों ने एक दूसरे को खीर खिलाई। दिल्ली में बजट सत्र की शुरुआत खीर सेरेमनी के साथ हुई है। इस मौके पर दिल्ली कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को खीर खिलाई। बजट सत्र 24 से 28 मार्च तक चलेगा। अगर आवश्यकता पड़ी तो बढ़ाया भी जा सकता है।

छत ठीक नहीं कर सकी, लेकिन छाता लाई हूं: थरूर

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 24 मार्च। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को वित्त विधेयक की आलोचना करते हुए सरकार पर निशाना साधा। वित्त विधेयक को देखकर लगता है कि वित्त मंत्री करदाताओं से कह रहीं हो कि मैं छत ठीक नहीं कर सकी, लेकिन मैं आपके लिए छाता लेकर आई हूं। थरूर ने वित्त विधेयक को पैचवर्क का क्लासिक मामला बताते हुए कहा कि भारत का जीएसटी दुनिया का सबसे जटिल कर है। दूसरी ओर, भाजपा के निशिकांत दुबे ने सरकार का बचाव करते हुए कहा कि कांग्रेस का एजेंडा सकारात्मक पहलुओं को देखे बिना हर चीज का विरोध करना है। लोकसभा में वित्त विधेयक पर बहस की शुरुआत करते हुए थरूर ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का आर्थिक प्रबंधन संरचनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहा है। थरूर ने कहा, इस सदन में वित्त मंत्री के बजट भाषण ने मुझे उस गैराज मैकेनिक की याद दिला दी, जो कहती हैं कि मैं आपके ब्रेक ठीक नहीं कर सकती, इसलिए मैंने हॉर्न तेज बजा दिया। वहीं, वित्त विधेयक को देखकर लगता है, वह अब करदाताओं से कह रही है कि मैं छत ठीक नहीं कर सकी, लेकिन मैं आपके लिए छाता लेकर आई हूं। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा, यह वित्त विधेयक पैचवर्क (जोड़-तोड़ के उपायों) एक उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐसे समय में जब देश को स्पष्टता, दृढ़ विश्वास और निर्णायक नेतृत्व की जरूरत है, सरकार का आर्थिक प्रबंधन संरचनात्मक चुनौतियों की गिरफ्त में है। थरूर ने कहा कि भारत में दुनिया का सबसे भ्रामक और जटिल जीएसटी ढांचा है। उन्होंने कहा, हम सभी जिस अच्छे और सरल कर की मांग कर रहे थे। उसके बजाय भारत में कई और भ्रामक

जीएसटी दरें हैं। इनमें दुनिया में सबसे ऊंची 28 प्रतिशत की जीएसटी दर भी शामिल है। इसके बावजूद कर राजस्व अब भी सकल घरेलू उत्पाद का 18 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि चीन में 13 प्रतिशत जीएसटी सीमा है, लेकिन वे सकल घरेलू उत्पाद का 20 प्रतिशत कर संग्रह करते हैं। उन्होंने कहा, वियतनाम में कर की सीमा और भी कम 8 प्रतिशत है और वह सकल घरेलू उत्पाद का 19 प्रतिशत कर संग्रह करता है। थाईलैंड में जीएसटी केवल 7 प्रतिशत है और उन्हें सकल घरेलू उत्पाद का 17 प्रतिशत प्राप्त होता है। अब, अत्यधिक दरों के अलावा, हमारी प्रणाली एक संदिग्ध कर वहन करती है, जो दुनिया में सबसे जटिल है। 77 देशों में जीएसटी है, और वे केवल एक या दो कर लगाते हैं। हमारे देश में इस बहु-दर संरचना ने व्यवसायों के लिए अनुपालन बोझ को और बढ़ा दिया है। चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के निशिकांत दुबे ने कहा कि यह सर्वविदित तथ्य है कि देश की अर्थव्यवस्था जो 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की थी, पिछले दस वर्षों में बढ़कर 4.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है। उन्होंने कहा कि बजट सभी समस्याओं का जादुई समाधान नहीं है। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि श्रमिकों की मदद करने के उद्देश्य से की गई कड़ी मेहनत का परिणाम है...कांग्रेस का एजेंडा है कि वह सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान दिए बिना हर चीज का विरोध करती है। आपको जवाब देना होगा कि आपने (कांग्रेस ने) गरीबों और वेतनभोगी वर्ग के लिए क्या किया। चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने 18 लाख करोड़ रुपये का कॉरपोरेट ऋण राइट ऑफ कर दिया है। इस पर जवाब देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बट्टे खाते में डाले गए कर्ज का मतलब यह नहीं है कि उसे वसूलना छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार मामलों पर नजर रख रही है।

80% सामाजिक कार्य, 20% राजनीति के सिद्धांत पर चलता रहा हूं: उपमुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई, 24 मार्च। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को अपने करियर में अपने करियर में शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने करियर में शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के सिद्धांत 80 प्रतिशत सामाजिक कार्य और 20 प्रतिशत राजनीति का पालन किया है और वे हमेशा से ही आम आदमी के लिए काम करते रहेंगे। बता दें कि यह बयान तब आया जब राज्य विधानसभा ने शिंदे को इस महीने की शुरुआत में वारकरी समुदाय से मिलने वाले प्रतिष्ठित आद्य जगतगुरु श्री संत तुकाराम महाराज पुरस्कार के लिए बधाई दी। संत तुकाराम पुरस्कार पर प्रतिक्रिया देते हुए शिंदे ने कहा कि यह पुरस्कार राज्य के लोगों का है और वे इसे उन्हीं को समर्पित करते हैं। साथ ही उन्होंने अपने 40 साल के राजनीतिक करियर का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों का पालन किया और आम आदमी के लिए काम करने

का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने भाजपा, शिवसेना और एनसीपी से मिलकर बनी महायुति को भारी जीत दिलाई है और अब उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई है। इसके साथ ही शिंदे ने अपने राजनीतिक करियर के लक्ष्य का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य राज्य के आम आदमी की जिंदगी को बेहतर बनाना है और इसके लिए उन्हें सुपरमैन बनाने का प्रयास करना है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार और विपक्ष को मिलकर लोगों के भले के लिए काम करना चाहिए। हालांकि इस मामले में महाराष्ट्र के संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने शिंदे की राजनीतिक यात्रा और कार्यों की सराहना की और विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया। वहीं डिप्टी सीएम ने कॉमेडियन कुणाल कामरा के विवादित बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। कामरा के विवादित बयान पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कामरा से माफी की मांग की, हालांकि उन्होंने इस पर और कोई टिप्पणी नहीं की।

अमेरिका ने तालिबान लड़ाके हक्कानी से खत्म किया 86 करोड़ का इनाम

वाशिंगटन। अमेरिका ने अफगान तालिबान को लेकर एक सकारात्मक कदम उठाया है। तालिबान के प्रमुख लड़ाकों में शुमार सिराजुद्दीन हक्कानी के सिर पर घोषित भारी भरकम दस मिलियन डालर के इनाम के आदेश को वापस ले लिया है। यह इनाम भारत की करेंसी में करीब 86 करोड़ है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने जानकारी दी कि उनके देश के जार्ज ग्लीजमैन को ढाई साल से अफगानिस्तान में गलत तरीके से गिरफ्तार करके रखा गया था। अब उन्हें रिहा कर दिया गया है। गौरतलब है कि 65 साल के ग्लीजमैन को ढाई साल पहले उस समय तालिबान ने गिरफ्तार कर लिया था, जब वह अफगानिस्तान यात्रा पर गए थे। न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प के विशेष दूत एडम बोहलर और कतर के अधिकारियों की बातचीत के बाद ग्लीजमैन को रिहा किया गया। उधर अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों के मंत्रालय के मुताबिक ढाई साल से अमेरिकी नागरिक जार्ज ग्लीजमैन अफगान तालिबन के कब्जे में थे। इसे तालिबान ने पिछले दिनों रिहा कर दिया। इसके बाद अमेरिका ने भी अच्छा कदम उठाया है।तालिबानी लड़ाके हक्कानी के सिर पर रखे इनाम को हटा लिया है।

भारतीय मूल की महिला ने की अमेरिका में बेटे की हत्या

कैलीफोर्निया। भारतीय मूल की महिला ने बेटे के खून से ही अपने हाथों को रंग लिया।मां ने अमेरिका में बेटे की गला काटकर हत्या कर दी। महिला का पति से तलाक हो गया था। कैलीफोर्निया में आरेंज काउंटी के जिला अटार्नी आफिस की ओर से बताया गया कि यदि महिला बेटे की हत्या में दोषी पाई जाती है तो उसे अधिकतम 26 साल की सजा हो सकती है। कैलीफोर्निया में रहने वाली भारतीय मूल की महिला सरिता रामराजू (48) का उसके पति प्रकाश राजू से वर्ष 2018 में तलाक हो गया। कानूनी लड़ाई के दौरान 11 साल के बेटे का संरक्षण पिता को सौंप दिया गया, लेकिन मां सरिता को बेटे से मिलने की अनुमति थी। बीते दिनों सरिता बेटे के लेकर डिजनीलैंड गई। एनबीसी लास एंजिलिस चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक सरिता ने 19 मार्च को बेटे की गला काटकर हत्या कर दी। साथ ही खुद भी नींद की गोली खालीं। घटना का पता चला तो पुलिस मौके पर पहुंची। महिला को अस्पताल में दाखिल कराया। स्वस्थ होने पर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरेंज काउंटी के जिला अटार्नी टाड स्पिटजर ने कहा कि किसी बच्चे के लिए सबसे सुरक्षित जगह मां-पिता की गोद होती है। लेकिन महिला ने उसे गले लगाने के बजाय गला काट कर हत्या कर दी।

श्रीलंका पुलिस ने न्यायालयों द्वारा दोषी ठहराए गए 10 लाख लोगों के फिंगरप्रिंट डिजिटल किए

कोलंबो। श्रीलंकाई पुलिस ने कहा कि उन्होंने न्यायालयों द्वारा दोषी ठहराए गए 10 लाख व्यक्तियों के फिंगरप्रिंट डिजिटल किए हैं। क्राइम रिकॉर्ड डिवीजन के निदेशक रुवन कुमारा ने मीडिया को बताया कि कोलंबो विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विभाग और पुलिस फिंगरप्रिंट इकाई के सहयोग से शुरू की गई इस पहल से आपराधिक जांच में महत्वपूर्ण सहायता मिलने की उम्मीद है। डिजिटाइजेशन परियोजना, जो 2013 में शुरू हुई थी, पुलिस अधिकारियों को जांच उद्देश्यों के लिए फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड तक तुरंत पहुंच प्रदान करती है। श्री कुमारा ने कहा कि यह प्रणाली विदेशों में रह रहे वांछित भगोड़ों का पता लगाने और उन्हें वापस भेजने की कानून प्रवर्तन की क्षमता को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ डिजिटल फिंगरप्रिंट डेटा साझा करके, श्रीलंकाई पुलिस अपराधियों को तलाश करने में सीमा पार सहयोग में सुधार कर सकती है।

ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ 150 से अधिक मुकदमे दायर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले दो महीनों के दौरान, डोनाल्ड ट्रम्प को अपने प्रशासन के कार्यों की वैधता को चुनौती देने वाले 150 से अधिक मुकदमों का सामना करना पड़ा है। 'ब्लूमबर्ग' की एक समीक्षा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।एजेंसी ने कहा कि अमेरिकी न्यायाधीशों ने अक्सर व्हाइट हाउस की स्थिति के खिलाफ फैसला

सुनाया है, और कुछ मामलों में सुझाव दिया है कि राष्ट्रपति ने कांग्रेस की मंजूरी के बिना काम करके अपने अधिकार का अतिक्रमण किया हो सकता है। अधिकांश मुकदमे आव्रजन नीतियों को सख्त करने से संबंधित हैं, जिसमें जन्मसिद्ध नागरिकता पर प्रतिबंध भी शामिल है। प्रकाशन ने याद दिलाया कि सरकारी कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर बर्खास्तगी को भी चुनौती दी जा रही है।

नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री के बीच बंधकों की रिहाई और गाजा पर हमलों को लेकर हुई बातः इजरायल

एजेंसी
यरूशलम । इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हमास की कैद में मौजूद बंधकों को रिहा करने के प्रयासों और गाजा पर इजरायल के हमलों को लेकर फोन पर चर्चा की। नेतन्याहू के कार्यालय से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया, दोनों ने इजरायली बंधकों की रिहाई और गाजा में लड़ाई फिर से शुरू करने सहित क्षेत्रीय विकास पर चर्चा की। साथ ही कहा कि रुबियो ने अमेरिका के इजरायल और उसकी नीतियों के लिए अटूट समर्थन को व्यक्त किया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने मंगलवार से गाजा में हवाई और जमीनी हमले शुरू किए हैं, जिससे दो महीने का युद्ध विराम प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, बमबारी में करीब 673 लोग मारे गए हैं और 1,233 अन्य घायल हुए हैं।

इस बीच, हमास ने इजरायल पर जनवरी में दोनों के बीच हुए युद्ध विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया। हमास के प्रवक्ता ताहिर अल-नुनू ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि समूह युद्ध विराम को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से आए मध्यस्थों के नए प्रस्तावों का मूल्यांकन कर रहा है, जिसमें अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ का ब्रिजिंग प्रस्ताव भी शामिल है।इससे पहले 16 फरवरी को इजरायल के प्रधानमंत्री ने कसम खाई थी कि अगर हमास उनके सभी बंधकों को वापस नहीं करता है तो वे नरक के द्वार खोल देंगे। साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के ÷गाजा के भविष्य के लिए साहसिक दृष्टिकोण÷ की प्रशंसा भी की। अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो के साथ एक संयुक्त बयान में बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गाजा के मामले में अमेरिका और इजरायल की साझा रणनीति है। बयान में कहा गया है, हम हमेशा इस रणनीति का विवरण जनता के साथ साझा नहीं कर सकते हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि 'नरक के द्वार कब खोले जाएंगे', क्योंकि अगर हमारे सभी बंधकों को अंतिम बंधक तक रिहा नहीं किया जाता है तो वे निश्चित रूप से खुलेंगे। उन्होंने कहा, हम गाजा में हमास की सैन्य क्षमता और उसके राजनीतिक शासन को खत्म कर देंगे। हम अपने सभी बंधकों को वापस लाएंगे और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि गाजा फिर कभी इजरायल के लिए खतरा न बने।

इजराइल ने गाजा के अस्पताल में छुपे दो हमास कमांडर मारे

एजेंसी
गाजा पट्टी। इजराइल के सुरक्षा बलों ने गाजा के नासिर अस्पताल परिसर में हमला कर वहां मौजूद आतंकी समूह हमास के प्रभावशाली दो कमांडरों को मार गिराया। सुरक्षा बलों ने पुख्ता जानकारी जुटाने के बाद हमास आतंकवादियों को निशाना बनाया। इनमें से एक हमास के गाजा ब्रिगेड का डिप्टी कमांडर अहमद सलमान अवज शिमाली और दूसरा शेजैया बटालियन का कमांडर जमील उमर उर्फ जमील वाडिया शामिल है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने एक्स पर यह सूचना साझा की है। आईडीएफ ने दावा किया है कि अहमद सलमान 7 अक्टूबर के नरसंहार की योजना तैयार करने में शामिल था। कमांडर जमील उमर ने 16 वर्षीय डैनियल विप्लिक की हत्या की थी। इसके अलावा दक्षिणी गाजा में हमास के प्रमुख रणनीतिकार सलाह अल-बरदाविल को मार गिराया गया। इस बीच गाजा पट्टी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक गाजा में 50,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। मंत्रालय ने पिछले 24 घंटों में 41 और मौतों की सूचना दी है।

इज़रायली सेना गाजा में और अंदर घुसी, राफाह इलाके को घेरा

एजेंसी
यरूशलम। इजरायली सेना ने रविवार को गाजा पट्टी में और घुसने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने राफाह के दक्षिण में तेल अल-सुल्तान इलाके को घेर लिया है। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, सैनिकों ने रातभर इस इलाके को घेरने के बाद कई आतंकवादियों को मार गिराया और हमास के कमांड और नियंत्रण केंद्र पर हमला किया।सेना ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य दक्षिणी गाजा में सुरक्षा क्षेत्र का विस्तार करना और आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना है। सेना द्वारा जारी किए गए वीडियो में सैनिकों को कुत्तों और बख्तरबंद वाहनों के साथ इलाके में आगे बढ़ते हुए और क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश करते हुए दिखाया गया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें राफाह से महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को भागते हुए देखा गया है। आईडीएफ के प्रवक्ता ने कहा कि सेना ने सप्ताहांत में उत्तरी गाजा के बेत हनौन इलाके में भी

अभियान चलाया, जहां लड़ाकू विमानों ने हमास के ठिकानों और आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमला किया। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 41 शव और 61 घायल व्यक्तियों को अस्पतालों में लाया गया, जिससे कुल मृतकों की संख्या 50,021 हो गई है। इजरायली हमलों ने दो महीने के युद्धविराम को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि सैन्य अभियान का मुख्य उद्देश्य हमास को नष्ट करना और बाकी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करना है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, 18 मार्च को इजरायली हवाई हमलों की नई लहर शुरू होने के बाद से 673 लोग मारे गए हैं और 1,233 घायल हुए हैं। अक्टूबर 2023 में संघर्ष की शुरुआत के बाद से गाजा में कुल 113,274 लोग घायल हो चुके हैं।

पोप फ्रांसिस गाजा पट्टी के हालात से दुखी, अस्पताल से मिली छुट्टी

एजेंसी
वेटिकन सिटी। रोम के गेमेली अस्पताल से ठीक होकर लौटे पोप फ्रांसिस गाजा पट्टी के हालात से बेहद दुखी हैं। उन्होंने रक्तपात रोकने का आह्वान किया है। डबल निमोनिया के इलाज के लिए 14 फरवरी से भर्ती 88 वर्षीय पोप को कल अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वेटिकन न्यूज के अनुसार, अस्पताल से बाहर निकलने से पहले पोप ने समस्त स्टाफ का आभार जताया। इसके बाद अस्पताल की बालकनी में पहुंचे और उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। उन्होंने करीब तीन हजार लोगों को अंगूठा दिखाते हुए संकेत दिया कि वह स्वस्थ हैं। उन्होंने बेहद धीमी आवाज में कहा सभी का धन्यवाद! इसके बाद पोप अस्पताल से बाहर आए। यहां से वह अपनी पसंदीदा सफेद फिएट 500 एल कार से रवाना हुए। वह अगली सीट पर बैठे थे और उन्होंने नाक में ऑक्सीजन की ट्यूब लगाई हुई थी। वह सबसे पहले सेंट मैरी मेजर के बेसिलिका पहुंचे। यहां उन्होंने कार्डिनल रोलांडस मकरिकस से मुलाकात की। पोप ने यहां उनसे

फूल लेकर मैरी सालस पॉपुली रोमानी के आइकन के सामने चढ़ाए। पोप हमेशा विदेश यात्रा पूरी करने के बाद सबसे पहले यहीं जाते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि पोप फ्रांसिस को वेटिकन में दो महीने आराम और स्वास्थ्य लाभ की जरूरत है। इस दौरान उन्हें बड़े समूहों से नहीं मिलना चाहिए। होली सी प्रेस कार्यालय ने पोप फ्रांसिस की वापसी पर उनका बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि वो गाजा पट्टी पर इजराइली बमबारी दुखी हैं। उन्होंने हथियारों पर तत्काल रोक लगाने और दोबारा बातचीत शुरू करने का आह्वान किया है। पोप ने आर्मेनिया और अजरबैजान के शांति समझौते पर राजी होने पर खुशी जताई है।

नेपाल में सर्वदलीय सरकार की कवायद तेज, प्रधानमंत्री ओली करेंगे प्रमुख विपक्षी नेता प्रचण्ड से चर्चा

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के पक्ष में उभरी जनलहर का सामना करने के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच सर्वदलीय सरकार बनाने की कवायद शुरू की गई है। इसकी पहल स्वयं प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने की है। ओली ने आज प्रमुख विपक्षी नेता और माओवादी के अध्यक्ष पुष्पकमल दहाल प्रचण्ड को चर्चा करने के लिए अपने निवास पर आमंत्रित किया है। ओली ने इस बैठक में सत्तारूढ़ गठबंधन दल के प्रमुख नेता और नेपाली कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा को भी आने का निमंत्रण दिया है। प्रधानमंत्री के प्रमुख राजनीतिक सलाहकार विष्णु रिमाल ने कहा कि शाम चार बजे प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर तीनों दल के

शीर्ष नेताओं की बैठक होगी। बैठक में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा होगी।उन्होंने बताया कि पूर्व राजा की गतिविधियां बढ़ने से नेपाल में लोकतंत्र और गणतंत्र खतरे में आ गया है। उल्लेखनीय है कि प्रचण्ड पिछले दस दिनों से ओली सरकार और वर्तमान गठबंधन के खिलाफ देशव्यापी अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के आग्रह पर वो काठमांडू लौटे। माओवादी पार्टी के प्रवक्ता अग्नि सापकोटा ने बताया कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति के बीच सभी दलों का एक होना आवश्यक है। सर्वदलीय सरकार बना कर इस परिस्थिति का सामना करना सभी का कर्तव्य है। नेपाली कांग्रेस के उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का ने कहा कि राजतंत्र के समर्थन में बढ़ते जनाधार को रोकने के लिए इस समय सभी दलों का एक होना आवश्यक है। इसके लिए सबसे अच्छा विकल्प सर्वदलीय सरकार का है। आज की बैठक में इस संबंध में कोई न कोई सहमति अवश्य बनेगी।

कनाडा में चुनाव की घोषणा, 28 अप्रैल को होगी वोटिंग

एजेंसी
ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए संघीय चुनाव की घोषणा कर दी। उन्होंने गवर्नर-जनरल मैरी साइमन से मुलाकात कर संसद को भंग करने का अनुरोध किया। साइमन ने कार्नी के अनुरोध स्वीकार कर लिया। कनाडा में चुनाव 28 अप्रैल को होंगे। कार्नी का मुकाबला उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलीवर से होगा।सीएनएन की खबर के अनुसार, कार्नी ने चुनाव की घोषणा करते हुए देश के लोगों से कहा कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निपटने और देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जनादेश मांग रहे हैं। जनवरी में अपने पूर्ववर्ती जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे की घोषणा के बाद लिबरल नेता कार्नी प्रधानमंत्री बने हैं। सर्वेक्षणों से संकेत मिला है कि अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध और कनाडा की संप्रभुता के लिए ट्रंप की धमकी के बाद लिबरल पार्टी की लोकप्रियता में उछाल आया है। कार्नी

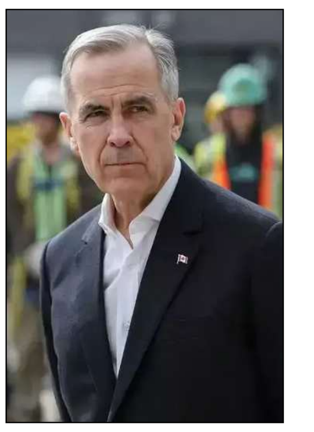

ने कहा कि ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका कनाडा पर कब्जा कर ले। हम ऐसा नहीं होने देंगे।

नाटो में शामिल नहीं हो पाएगा यूक्रेन, जेलेंस्की ने माना : मध्य पूर्व में अमेरिकी दूत

एजेंसी
कीव । अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य पूर्व में दूत स्टीवन विटकॉफ ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेनी राष्टपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मोटे तौर पर स्वीकार कर लिया है कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं हो पाएगा। अमेरिकी पत्रकार टकर कार्लसन के साथ एक इंटरव्यू में विटकॉफ ने कहा कि जेलेंस्की और यूक्रेनी राष्टपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने 'काफी हद तक स्वीकार कर लिया है कि वे नाटो के सदस्य नहीं बनने जा रहे हैं।' विटकॉफ ने कहा, 'यदि कोई शांति समझौता होने जा रहा है, तो यूक्रेन नाटो का सदस्य नहीं हो सकता। मुझे लगता है कि यह बात काफी हद तक स्वीकार्य है।' दूत ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी नेतृत्व ने चुनाव कराने पर सहमति जताई है, लेकिन उन्होंने कोई ब्यौरा नहीं दिया। कार्लसन के यह पूछने पर कि क्या यूक्रेन में चुनाव होंगे विटकॉफ ने

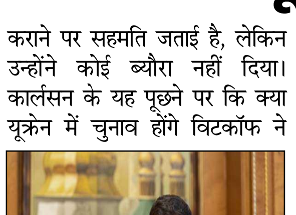

कहा, ÷हां। होंगे। वे इसके लिए सहमत हो गए हैं। यूक्रेन में चुनाव होंगे। राष्टपति चुनाव 2024 में होने की उम्मीद थी, लेकिन देश के मार्शल लॉ के कारण इसे स्थगित कर दिया गया, जो रूस के साथ चल रहे संघर्ष की शुरुआत से ही लागू है। एक महीने पहले, ट्रंप ने जेलेंस्की को ÷बिना चुनाव वाला तानाशाह÷ करार दिया था।इससे पहले बुधवार को अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ एक घंटे तक फोन पर %बहुत अच्छी% बातचीत की। रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन से बात करने के एक दिन बाद उनकी जेलेंस्की के साथ ये फोन वार्ता हुई। जेलेंस्की ने बाद में कहा कि उनका मानना है कि ट्रंप के नेतृत्व में 'इस साल स्थायी शांति हासिल की जा सकती है।' मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने कहा कि यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर संभावित अमेरिकी स्वामित्व पर भी चर्चा की गई। हालांकि बाद में जेलेंस्की ने कहा कि यह केवल रूस के कब्जे वाले जापोरिज्जिया प्लांट के बारे में था। कॉल का लहजा पिछले महीने अलग लगता है, जब यूक्रेनी राष्टपति की व्हाइट हाउस में प्रेसिडेंट ट्रंप और उपराष्टपति जेडी वेंस के साथ तीखी बहस हुई थी। पहली बार दोनों नेताओं ने ओवल ऑफिस में हुई बैठक के बाद बात की। हालांकि तब से, दोनों देशों की टीमें सऊदी अरब में मिल चुकी हैं और प्रस्तावित 30-दिवसीय युद्ध विराम पर बातचीत कर चुकी हैं। युद्ध विराम प्रस्ताव को यूक्रेन और अमेरिका का समर्थन प्राप्त है लेकिन ट्रंप के साथ बातचीत के बाद व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में तत्काल और पूर्ण युद्धविराम को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने केवल ऊर्जा ढांचे पर हमलों को रोकने पर सहमति व्यक्त की।

दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री हान के खिलाफ संसद में लाया गया महाभियोग संवैधानिक न्यायालय ने खारिज किया

एजेंसी
सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले साल से मची राजनीतिक उथल के बीच आज विपक्ष को करारा झटका लगा। दिसंबर में प्रधानमंत्री हान डक-सू के खिलाफ संसद में लाया गया महाभियोग प्रस्ताव संवैधानिक न्यायालय में टिक नहीं पाया। दक्षिण कोरिया के संवैधानिक न्यायालय ने सोमवार को प्रधानमंत्री हान के महाभियोग को खारिज कर दिया। दक्षिण कोरिया के दोनों प्रमुख समाचार पत्र द कोरिया हेराल्ड और द कोरिया टाइम्स ने कुछ देर पहले अपनी खबरों में संवैधानिक न्यायालय के फैसले का संक्षिप्त विवरण जारी किया। खबरों में कहा गया कि इसी के साथ हान को तत्काल प्रभाव से उनके पदों पर बहाल कर दिया गया। वह प्रधानमंत्री और कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में अपनी भूमिका फिर से शुरू करेंगे। हान देश के वित्तमंत्री चोई सांग-मोक की जगह लेंगे। मोक पिछले साल के अंत में हान के निलंबन के बाद से देश का नेतृत्व कर रहे थे। संवैधानिक

न्यायालय के आठ जजों में से पांच ने महाभियोग को खारिज करने के लिए मतदान किया। इनका मत था कि महाभियोग चलाने के लिए तर्क अपर्याप्त हैं। एक जज ने इसे बरकरार रखने के लिए मतदान किया। राष्ट्रीय सभा यानी दक्षिण कोरिया की संसद ने 27 दिसंबर को महाभियोग प्रस्ताव पारित किया था। महाभियोग प्रस्ताव में तर्क दिया गया था कि हान राष्ट्रपति यून सुक योल की तीन दिसंबर की मार्शल लॉ घोषणा में शामिल थे। बाकी दो जजों ने कोई राय नहीं व्यक्त की।

सेना ने अभियान चलाकर 4 गुरिल्लाओं को मार गिराया

बोगोटा। कोलंबिया के उत्तरी विभाग नोर्टे डी ॅसैंटेंडर में एक अभियान में गुरिल्ला समूह नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) के चार सदस्य मारे गए। कोलंबियाई राष्ट्रीय सेना ने यह जानकारी दी।

।भारतीय सेना भूटान की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही : वांगचुक

एजेंसी
थिंफू। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने कहा कि भूटान सदैव भारत का घनिष्ठ मित्र एवं रणनीतिक साझेदार रहा है, और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से अटूट रक्षा सहयोग रहा है। वर्तमान में भारतीय सेना भूटान में सुरक्षा संबंधी सहयोग प्रदान कर रही है, जिससे भूटान की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है।श्री वांगचुक ने समत्से जिले के जामत्शोलिंग में आयोजित ग्यालसंग प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024 बैच के दूसरे दल के पासिंग आउट परेड समारोह की गरिमामयी शोभा बढ़ाते हुए यह बात कही। इस ऐतिहासिक अवसर पर, राजा वांगचुक ने चारों ग्यालसंग अकादमियों–जामत्शोलिंग, खोतोखा, पेमाथांग और ग्यालपोजिंग–में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे ग्यालसुप्स को संबोधित किया और भूटान की शांति, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के लिए उनके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भूटान सदैव भारत का घनिष्ठ मित्र एवं रणनीतिक साझेदार रहा है, और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से अटूट रक्षा सहयोग रहा है। वर्तमान में भारतीय सेना भूटान में सुरक्षा संबंधी सहयोग प्रदान कर रही है, जिससे भूटान की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। राजा ने कहा कि हालांकि, बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए भूटान अब अपनी स्वयं की सेना तैयार करने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है। इस पहल के तहत ग्यालसंग (राष्ट्रीय सेवा) कार्यक्रम को सुदृढ़ किया गया है, ताकि देश का हर युवा अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रीय रक्षा कौशल में प्रशिक्षित होकर भविष्य में भूटान की आत्मनिर्भर सुरक्षा व्यवस्था में योगदान दे सके।श्री वांगचुक ने अपने संबोधन में कहा कि भूटान की स्थायी शांति, समृद्धि और संप्रभुता अब केवल स्वप्न नहीं रह गई है, बल्कि साकार हो रही है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा को आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ते हुए तीन महत्वपूर्ण स्तंभों को आर्थिक विकास का आधार बताया जिसमें प्रथम ब्रांड अर्थव्यवस्था की चर्चा करते हुए कहा कि भूटान की वैश्विक प्रतिष्ठा इसकी सबसे बड़ी पूंजी है, जिसे और मजबूत किया जाना चाहिए। दूसरा ट्रस्ट अर्थव्यवस्था जो आपसी विश्वास, ईमानदारी और साझेदारियों पर आधारित होगी, जिससे भूटानी नागरिकों और वैश्विक समुदाय के बीच संबंध मजबूत होंगे। साथ ही तीसरे स्ट्रेंथ अर्थव्यवस्था जो भूटान की वित्तीय, भू-राजनीतिक और रणनीतिक क्षमताओं का बुद्धिमानी से उपयोग करके राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को मजबूत करने पर केंद्रित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि भूटान की ग्यालसंग योजना सिर्फ एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन है। इसे महामहिम ने 112वें राष्ट्रीय दिवस (17 दिसंबर 2019) को राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय सुरक्षा, शांति, एकता और संप्रभुता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुरू किया था। राजा ने कहा कि ग्यालसंग कार्यक्रम की खासियत यह है कि इसे किसी संकट या सुरक्षा खतरे के जवाब में नहीं, बल्कि भूटान को दीर्घकालिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दृष्टि से लागू किया गया है। इससे युवाओं को आधुनिक सैन्य प्रशिक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2024 बैच के दूसरे दल में कुल 1,690 युवा पुरुषों और महिलाओं ने प्रशिक्षण पूरा किया, जिससे वे कैडेट से पूर्ण ग्यालसुप्स बन गए।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दो साल पूरे होने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शीर्ष नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का आभार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने अध्यक्ष के रूप में दो साल पूरे होने पर शीर्ष नेतृत्व और पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और संतोष व्यक्त किया कि उनके कार्यकाल में पार्टी का प्रदेश में चुनावों के दौरान प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। दो साल का कार्यकाल पूरा होने पर आज सचदेवा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इसमें वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पार्टी की ओर से हम सभी कार्यकर्ताओं को कोई न कोई दायित्व मिलता है। आज से ठीक दो साल पहले शहीदी दिवस के दिन ही प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व उन्हें मिला था। उन्हें संतोष है कि दो साल के कार्यकाल के दौरान पार्टी ने प्रदेश में चुनावों में बेहतर प्रदर्शन किया। यह सब कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उनकी मेहनत से पहले लोकसभा चुनाव में भाजपा को दिल्ली की सातों सीट पर जीत मिली और बाद में राज्य में सरकार बनाने में सफलता मिली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के बताए हुए निर्देशों पर अमल कर भाजपा ने दिल्ली में एक ऐसी सरकार को उखाड़ने में कामयाबी हासिल की जिसने दिल्ली में लूट और भ्रष्टाचार करने का कोई मौका नहीं छोड़ा था।

पेड़ से लटक युवक-युवती ने की खुदकुशी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के हौज खास स्थित डियर पार्क में रात एक प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों के शव पेड़ की एक ही डाली पर लटके हुए पाए गए। रविवार सुबह करीब 6.30 बजे पार्क में तैनात सुरक्षाकर्मी ने सबसे पहले शव को लटके हुए देखा और पुलिस को सूचना दी। सफदरजंग एंक्लेव थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। प्राथमिक जांच में पुलिस ने दोनों की पहचान कर परिजनों से पूछताछ की है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों शादी करना चाहते थे और उनके परिजनों ने शादी से मना कर दिया था। इसके चलते पिछले पांच दिनों से दोनों परेशान थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 21 वर्षीय दीपक अपने परिवार के साथ झुग्गी नंबर 5, पिलांजी गांव में रहता था। दीपक लोधी कॉलोनी स्थित एक पिज्जा शॉप में काम करता था। वहीं 18 वर्षीय सृजना अपनी शादीशुदा बहन के घर छतरपुर एंक्लेव इलाके में रहती थी। सृजना कई घरों में घरेलू सहायिका का काम करती थी। दोनों के परिवार मूलतः नेपाल के रहने वाले हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर इलाके में परिवार के साथ हरिद्वार जाने के लिए निकले एक शख्स की सड़क हादसे में मौत हो गई। सड़क पार करने के दौरान एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान वेद कुमार वर्मा के रूप में हुई है। वह परिवार के साथ टिकरी खुर्द इलाके में रहते थे। उनकी पत्नी गिरजा ने पुलिस को बताया कि 19 मार्च को वह अपने पति और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हरिद्वार जाने के लिए निकले थे। करनाल रोड हाईवे पर बस स्टैंड दूसरी तरफ होने की वजह से सभी सड़क पार कर रहे थे। तभी सोनीपत की तरफ से एक बुलेट बाइक तेज रफ्तार से आई और वेद कुमार वर्मा को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बाइक सवार भी दूर जा गिरा। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने वेद कुमार वर्मा को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल बाइक सवार का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी पहचान सोनीपत निवासी साहिल के रूप में हुई है।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने पंजाब के राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट।

चंडीगढ़, संजय अरोड़ा चंडीगढ़ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया

से पंजाब राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। दोनों नेताओं ने सौहार्दपूर्ण माहौल में हाई टी के दौरान बातचीत की इस बैठक के दौरान उन्होंने शासन, जनकल्याणकारी योजनाओं और 'रंगला पंजाब' के सपने को साकार करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर व्यापक और सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने पंजाब की जनता की सेवा और राज्य तथा केंद्र सरकार के बीच संबंधों को मजबूत करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरा है: लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला

एजेंसी

आगरा/नयी दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत उद्योग और सेवाओं से लेकर प्रौद्योगिकी और पर्यटन तक अनेक क्षेत्रों में वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी आर्थिक शक्ति बन गया है। उन्होंने इस बात की सराहना किया कि भारत अब केवल प्रमुख उपभोक्ता बाजार नहीं रहा बल्कि नवाचार, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए विश्व मंच पर अग्रणी देश बन गया है। श्री बिरला ने इस बात पर बल दिया कि आगरा विशेष रूप से राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि आगरा के हस्तशिल्प, चमड़ा और वस्त्र उद्योग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना स्थान बना रहे हैं।उत्तर प्रदेश में आगरा की यात्रा के दौरान, श्री

बिरला ने नेशनल चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स, यूपी द्वारा आयोजित 'स्वर्गीय धर्मपाल विद्यार्थी व्याख्यान माला' में ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने फार्मास्यूटिकल्स और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश के फार्मास्यूटिकल उद्योग अंतराष्ट्रीय स्तर पर केवल किफायती होने के लिए नहीं बल्कि अनुसंधान और नवाचार के लिए भी सुविख्यात है। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की बढ़ती शक्ति के बारे में बात करते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारतीय इनोवेटर्स की युवा पीढ़ी इस परिवर्तन में अग्रणी भूमिका निभा रही है। उन्होंने इस तकनीकी प्रगति में आगरा की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि विनिर्माण और नवाचार क्षेत्रों में हुई प्रगति के साथ आगरा में और अधिक विकास की क्षमता है। श्री बिरला ने भारत की स्वतंत्रता के बाद स्वच्छ पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की कमी सहित अन्य चुनौतियों पर काबू पाने की उल्लेखनीय यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि सदियों तक विदेशी शासन और कठिनाईयों को झेलने के बाद, भारत मजबूत होकर उभरा है और अब देश पूरी तरह से विकसित राष्ट्र बनने के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विदेशी रक्षा और प्रौद्योगिकी पर निर्भरता के स्थान पर इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नेतृत्व की स्थिति में आने की देश की सफल यात्रा का उल्लेख किया और इस बदलाव को देश की प्रगति का एक शानदार उदाहरण बताया। श्री बिरला ने गर्व के साथ बताया कि भारत अब 80 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है, जिसमें आगरा की भूमिका महत्वपूर्ण है।

पंजीकरण अभियान में 100 से अधिक नए जीएसटी पंजीकरण आवेदन मिले

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) दिल्ली पूर्व आयुक्तालय द्वारा जीएसटी व्यवस्था के अंतर्गत अधिक पंजीकरण और अनुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय पंजीकरण अभियान में 100 से अधिक नए जीएसटी पंजीयन के आवेदन मिले हैं। वित्त मंत्रालय ने यहां यह जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान समाप्त हुआ था। इसका उद्देश्य, सीजीएसटी पूर्वी दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अपंजीकृत निर्माताओं और व्यापारियों को शामिल करना था, ताकि उन्हें जीएसटी विभाग के साथ पंजीकरण करने और कानून के प्रावधानों का अनुपालन करने के महत्व को समझने में मदद मिल सके। इस अभियान का क्रियान्वयन असंगठित क्षेत्रों में जीएसटी पंजीकरण को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे अनुपालन में सुधार होगा और भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र विकास और स्थिरता में योगदान मिलेगा।

देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए सभी एकजुट होकर कार्य करें : मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने क्षयरोग यानी टी बी को राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौती करार देते हुए देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए सभी हितधारकों से एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह किया है।

श्रीमती मुर्मु ने विश्व क्षयरोग दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा,"मैं, विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर जनभागीदारी के माध्यम से जन जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय अभियान की प्रशंसा करती हूं। इस वर्ष का विषय 'हाँ, हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं'- प्रतिबद्धता, निवेश, और वितरण' हमें इस महामारी के खिलाफ एकजुट होकर काम करने के लिए प्रेरित करता है।'

उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन एक राष्ट्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती है। इस संक्रामक रोग ने विश्व में लाखों लोगों को सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रभावित किया है। टीबी की रोकथाम के लिए हमारे सामूहिक प्रयास और राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत चलाए गए जागरूकता अभियान से देश में पिछले एक दशक में टीबी के मामलों में बहुत कमी

आई है। उन्होंने कहा,'मैं टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के इस असाधारण योगदान की प्रशंसा करती हूं। मैं भारत को टीबी मुक्त बनाने के लिए सभी हितधारकों और भागीदारों को एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह करती हूं।'

दिल्ली में धूमधाम से मनाया गया 'बिहार दिवस', दिल्ली हाट में लगा भव्य मेला

एजेंसी

नई दिल्ली। 'बिहार दिवस' के अवसर पर राजधानी दिल्ली के आईएनए स्थित दिल्ली हाट में बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हस्तशिल्प के रंगारंग कार्यक्रमों के साथ भव्य आयोजन किया गया।

गौरतलब है कि 22 मार्च 1912 को बिहार को बंगाल प्रांत से अलग कर नया प्रांत बनाए जाने की स्मृति में हर वर्ष 'बिहार दिवस' मनाया जाता है।बिहार उत्सव के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार के कला, शिल्प और सांस्कृतिक परंपरा की भव्य झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में बिहार सरकार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में श्री मिश्रा ने कहा,मैं इतिहास का विद्यार्थी रहा हूं और एक समय था जब विश्व का इतिहास बिहार के आस पास ही घूमता था। अगर आप बिहार के हैं तो अपने दोस्तों से जरूर कहे कि एक बार बिहार जरूर आए, बिहार जरूर घूमे, बिहार में बहुत कुछ हैं जो देश भर के लोगो को देखना चाहिए।

उद्योग के क्षेत्र में अब बिहार अपनी जिम्मेदारी को समझ रहा हैं। जो बिहार से बाहर रह रहे वो भी देख रहे की बिहार लगातार आगे बढ़ रहा हैं। नए नीति के मार्ग पर हमलोग चल कर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। आज बिहार में सब कुछ हैं इंफ्रास्ट्रक्चर, गुड गवर्नेंस। बिहार एक ऊंची उड़ान लेने के लिए तैयार है। उद्योग विभाग की सचिव बन्दना प्रेयशी ने कहा,113 वर्ष पहले बिहार राज्य की स्थापना की गई थीं। तब से हम ये उत्सव मना रहे हैं। हम सब मिल कर बिहार की एक नई तस्वीर पेश करना चाह रहे हैं। बिहार बस मधुबनी पेंटिंग नहीं है, भागलपुर का सिल्क नहीं है, लीची नहीं है, बल्कि बिहार अब निवेश का भी केंद्र बनता जा रहा है। बिहार सरकार के रेजिडेंट कमिश्नर कुंदन कुमार ने प्रवासी बिहारवासियों से आह्वान किया कि वे बिहार से जुड़ें और राज्य के विकास में भागीदार बनें। उन्होंने कहा,बिहार फाउंडेशन 'बॉन्डिंग, ब्रांडिंग व बिजिनेस' के मूल मंत्र के साथ सभी प्रवासी बिहारवासियों से जुड़ने का आह्वान करता है।

वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित

एजेंसी

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है। वकील विक्रम सिंह पंवार ने सचिव और महिला वकील कनिका सिंह ने कोषाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव परिणाम रविवार शाम घोषित हो गए।दिल्ली हाई कोर्ट समेत सभी निचली अदालतों में 21 मार्च को मतदान हुआ था। घोषित परिणामों के अनुसार अध्यक्ष पद के उम्मीदवार एन हरिहरन को 2967 वोट मिले, जबकि वकील कीर्ति 2880 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। अध्यक्ष पद के तीसरे उम्मीदवार अभिजात ने 1429 वोट हासिल किए। वरिष्ठ वकील सचिन पुरी ने 4515 वोटों के साथ जीत दर्ज की है। दूसरे नंबर पर रहे वकील श्याम

शर्मा ने 1895 वोट हासिल किये, जबकि वकील इंदरबीर सिंह अलग को 1080 वोट मिले। सेक्रेटरी के पद पर वकील विक्रम सिंह पंवार ने 4389 मतों के साथ जीत दर्ज की है। सेक्रेटरी के पद पर वकील मोहित गुप्ता ने 2958, जबकि अनिल कथूरिया ने 152 वोट हासिल किए। दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष के पद पर युवा महिला वकील कनिका सिंह ने जीत दर्ज की है। कनिका सिंह ने 4493 मतों हासिल किए, जबकि वकील जेबा खैर को 2040 वोट मिले। वकील कुसुम ढल्ला ने 895 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। कोषाध्यक्ष का पद महिला वकील के लिए आरक्षित था। संयुक्त सचिव के पद पर वकील कुणाल मेहरोत्रा ने बाजी मारी। मेहरोत्रा को 23381 वोट मिले। इसी पद के उम्मीदवार अनुराग रावल को 2222, प्रदीप गहलोत को 1199 और अमित ग्रोवर को 402 वोट मिले। दिल्ली हाई कोर्ट समेत दिल्ली की निचली अदालतों में अब तक पांच बार एसोसिएशंस के चुनाव परिणाम घोषित हो चुके हैं। तीसहजारी कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में डीके शर्मा ने अध्यक्ष और सचिव पद पर विकास गोयल ने बाजी मारी। तीसहजारी कोर्ट में कोषाध्यक्ष पद पर रेणु मलिक ने जीत दर्ज की है। पटियाला हाउस कोर्ट में नई दिल्ली बार एसोसिएशन के चुनाव परिणाम के मुताबिक अध्यक्ष पद पर नागेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष पद पर नवनीत पंवार, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट पर विमल वर्मा, सेक्रेटरी पद पर तरुण राणा, एडिशनल सेक्रेटरी पद पर नवीन कपिला, ज्वायंट सेक्रेटरी पद पर अंकुर त्यागी और कोषाध्यक्ष पद पर आस्था गुप्ता ने जीत दर्ज की है।

NAME CHANGE
I Sharda Mother of No: 15727652F Rank: SIGMN Name: Shinde Rameshwar Krishna residing at Vill-Chaklamba, PO-Chaklamba, Teh-Georai, Dist-Beed, Maharashtra-431130, have changed my name from Sharda to Sharda Krushna Shinde for all future purposes. That both name Sharda and Sharda Krushna Shinde pertain to one and same person. Vide Affidavit No. DL56247194487365X dated 24 Mar 2025

NAME CHANGE
It is for general information that I, DEEPAK KUMAR S/o MANOHAR LAL R/o C-Block, 47/9, Anand Vihar, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059, declare that name of mine has been wrongly written as DEVA NAND in my 10th class Educational Documents. The actual name of mine is DEEPAK KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as HARISH KUMAR Son of BRIJ BHOLA residing at H NO-8/10, SUBHASH NAGAR, DELHI-110027 have changed my name and shall hereafter be known as HARISH BHOLA.

NAME CHANGE
I, JAGLAL son of Shri Ganesh resident of P-11, J J Colony, Pocket-3, Dwarka Sector-16A, Kakrola, South West Delhi-110078 have changed my name from ROSHAN to JAGLAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as FAISAL S/O SHAHJAD QURESHI R/O 271, Kosikalan (Rural) Kosi kalan, Mathura Uttar Pradesh - 281403 have changed my name and shall hereafter be known as FAISAL QURESHI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Ashutosh Kumar Singh S/O Ghanshyam Singh R/O Flat-No-22 B Block B Gangotri Enclave Alaknanda Kalkaji, Kalkaji, South Delhi, Delhi-110019,declare that name of mine has been wrongly written as Ashutosh Kumar in my minor son namely Naman Kumar Singh aged 16 years in his 10th class educational document. The actual name of mine is Ashutosh Kumar Singh, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RADHARANI alias RAM BETI W/o BABURAM R/o 79A, Naugai, Chibramau, Kannauj, Uttar Pradesh-209721, have changed my name and shall hereafter be known as RAM BETI.

NAME CHANGE
I, NEELAM KUMARI YADAV W/O ANIL YADAV R/O HOUSE NO-340/3, NEAR BUS STAND, PREM NAGAR, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO NEELAM YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Edwin Masih S/o Ramesh Masih R/o 2340, EE Block, Jahangir Puri, Shanjar Pur, North West Delhi, Delhi-110033 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly as Advin Meisee, Ramesh Meisee and Paramjeet in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine, my Father and my mother are Edwin Masih, Ramesh Masih and Paramjit Masih.

NAME CHANGE
I, hitherto known as VEERPAL S/o KUMARPAL R/o House No-25, Ground Floor, Back Portion M.G Road, Village Ghitorni, Mehrauli, PO: Mehrauli, DIST: South Delhi, Delhi-110030, have changed my name and shall hereafter be known as DINESH.

NAME CHANGE
I, hitherto known as VIKRANT S/O MANOJ KUMAR, R/O HOUSE NO-820/41, RAMPURI, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH-251002 have changed my name and shall hereafter be known as VIKRANT ROSHWAL.

NAME CHANGE
I, hitherto known as DANTANI RATILAL SURESHBHAI alias SURESH S/O DHARAM SINGH R/O H.No- B-1/85 Block, JJ Colony, Raghubir Nagar, Tagore Garden, Dist- West Delhi, Delhi-110087, have changed my name and shall hereafter be known as SURESH.

NAME CHANGE
I, PARVEEN GUPTA S/O OM PRAKASH GUPTA R/O FLAT NO-101, RZF-756/48/A1/A2, GALI NO-1, RAJ NAGAR-2, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077, HAVE CHANGED MY NAME TO PARVEEN KUMAR GUPTA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, PRASHANT SINGH S/o GIRDHAR SINGH, R/o A.D.A Colony, EB-64, Naini, District-Prayagraj, Uttar Pradesh-211008 has changed the name of my minor son AKSHAJ SINGH aged 4 Years and he shall hereafter be known as DARSHIT SINGH.

सार्वजनिक सूचना
मैं शिल्पी कुमारी पुत्री श्री रंजन वर्मा, एफ-2/165, मदनगीर,डॉ. अंबेडकर नगर, दक्षिण दिल्ली, दिल्ली-110062 में रहती हूं। एतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करती हूं कि मैंने 25/02/2025 से इस्लाम धर्म अपना लिया है और हिंदू धर्म त्याग दिया है और साथ ही मैंने भविष्य के सभी प्रयोजनों के लिए अपना नाम शिल्पी कुमारी से बदलकर आइशा बशीर रख लिया है।

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Seema Gupta W/o Ravi Kant Ranjan R/o B-31, dmrc staff quarters, near yamuna bank Metro station, Shakarpur, East Delhi, Delhi-110092 have changed my name and shall hereafter be known as Sima Kumari.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD TAUFIQ SIDDIQI, S/o MOHAMMAD SIDDIQ, R/o 3636, KATRA DINA BEG, LAL KUAN, DELHI-110006 have changed my name from MOHAMMAD TOFIQ SIDDIQI to MOHAMMAD TAUFIQ SIDDIQI for all future purpose.

NAME CHANGE
I,hitherto known as Anita alias Laxmi D/O: Salik Ram,W/O Rajesh Kumar R/O Jhuggi NO. 266, W-139, Raghubir Nagar, PO: Ashak Vihar, DIST: North West Delhi,Delhi-110052, have changed my name and shall hereafter be known as ANITA.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हरीश पाल बब्बर पुत्र यशपाल बब्बर पताः सी–1418, गौड़ कैस्केड़ राज नगर विस्तार गाजियाबाद यूपी और आर–6–199, राज नगर गाजियाबाद, यूपी ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 478/2023 धारा 406 भा.द.स. के तहत** थानाः पंजाबी बाग, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हरीश पाल बब्बर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **हरीश पाल बब्बर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 478/2023 धारा 406 भा.द.स. के तहत थानाः पंजाबी बाग, दिल्ली के उक्त हरीश पाल बब्बर** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
देव सरोहा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–01
पश्चिम जिला कमरा नं.341, तृतीय तल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3691/WD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **किशन कुमार** पुत्र संजय ठाकुर, निवासी- ए-194, गली नंबर 1, राजीव कॉलोनी, भोपुरा, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट नंबर 02/21 धारा 411 भा.द.स थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **किशन कुमार** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **किशन कुमार** फ़रार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **किशन कुमार, प्रथम सूचना रिपोर्ट नंबर 02/21 धारा 411 भा.द.स थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 04.07.2025 को या उससे पहले हाजिर हो। आदेश से

सुश्री संघमित्रा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01
कमरा नं. 54, द्वितीय तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/3412/SHD/2025

NAME CHANGE
I, LAKSHMI SANDEEP Wife of JC-806521L Rank-NB/SUB Name–SANDEEP SINGH P S residing at PUTHENVELI HOUSE, KUTTAMASSERY, PO-THOTTUMUGHAM, TEHSIL-ALUVA, ERNAKULAM, KERALA-683105, have changed my name from LAKSHMI SANDEEP to LAKSHMI R for all future purposes vide Affidavit dated 24/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I FAIZ S/O MOHD SHEHZAD R/O 1602 GALI TAJRAN SUIWALAN DARYA GANJ CENTRAL DELHI 110002 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD FAIZ

NAME CHANGE
I SHAHBAZ S/O MD SUHEB R/O A-442 GALI NO 6 RAJEEV NAGAR SHRI RAM COLONY NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD SHAHBAZ

NAME CHANGE
I MAHESH KUMAR GUPTA S/O VISHAMBER DAYAL R/O HOUSE NO 18/44 TRILOKPURI EAST DELHI 110091 HAVE CHANGED MY NAME TO MAHESH GARG

NAME CHANGE
I, SHRI KRISHAN S/O PURAN CHAND SHARMA R/O 1617, MARUTI KUNJ, DPS, BHONDSI, GURGAON, HARYANA-122102, HAVE CHANGED MY NAME TO SHRI KRISHAN BHARDWAJ FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, AADIL HUSSIAN S/O JAN MOHD R/O HOUSE NO-132K,GOLPURI(143),PO-NUH,MEWAT,HARYANA-122107,HAVE CHANGED MY NAME TO AADIL HUSSAIN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, IRA GAMBHIR/IRA MAHAJAN D/O NEHA MAHAJAN R/O A-405, PRESIDENT APPARTMENT, SECTOR-10, DWARKA, DELHI-110075 ,HAVE CHANGED MY NAME TO IRA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, SESAMMA CM Mother of No-2605305N Rank-CHM Name-ANTHONI REDDY NAGI REDDY Presently residing at VILL-NEHRUNAGAR, PO-S NAGULAVARAM, TEH-GOSPADU, DIST-KURNOOL, ANDHRA PRADESH-518503, have changed my name from SESAMMA CM to NAGI REDDY SHESHAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 21/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BIRMATI DEVI Mother of No. 15230206H Rank-HAV Name-SATYBIR Presently residing at VILL-KHURAMPUR, PO-JHABWA, TEH-BAWAL, DIST-REWARI, HARYANA-123501, have changed my name from BIRMATI DEVI to BIRMATI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of my correct date of birth as 15/06/1958 vide Affidavit dated 24/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PARTAB Father of No. 15230206H Rank-HAV Name-SATYBIR Presently residing at VILL-KHURAMPUR, PO-JHABWA, TEH-BAWAL, DIST-REWARI, HARYANA-123501, have changed my name from PARTAB to PARTAP for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of my correct date of birth as 10/05/1953 vide Affidavit dated 24/03/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
मै, मदन लाल सुपुत्र श्री रूग्गा निवासी मकान न 97/ 15 ब्लॉक दक्षिण पूरी, पुष्पा भवन नई दिल्ली 62। मेरा नाम आधार कार्ड नंबर 766865801628, मे मेरा नाम त्रुटि पूर्ण मदन कुमार लिख गया है, मेरा नाम मदन लाल सुपुत्र रूग्गा है. मदन लाल और मदन कुमार एक ही व्यक्ति है इसी नाम से जाना जाय।

NAME CHANGE
I, TUAHAR S/o RAM PYARE R/o RZF-760/20, GALI NO-3, RAJ NAGAR, PART-2, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077, have changed my name from TUAHAR to TUSHAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I ,SUPRIYABEN Wife of No:-15727362k Rank:- L/Nk Name:- Patel sandip kumar pravin Bhai, Pramaent Address vill/po - kansarakui Teh- visnagar Distt - Mahesana Gujarat -384001 have changed my Name from SUPRIYABEN TO PATEL SUPRIYABEN SANDIPKUMAR for all future purposes. That both Names SUPRIYABEN and PATEL SUPRIYABEN SANDIPKUMAR are pertain to one and same person.In my Husband's service record my name SUPRIYABEN has wrongly mentioned. my correct name is PATEL SUPRIYABEN SANDIPKUMAR Vide Affidavit No : IN-DL56242848570331X Dated 24 Mar 2025.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJ KISHOR KUMAR S/o BHOLA SINGH R/o H- 959, Mangolpuri, North West Delhi, Delhi - 110083, declare that name of my wife has been wrongly written as ANJANI DEVI in my minor Daughter namely ARUSHI KUMARI aged 17 years in her School Records. The actual name of my wife is ANJANI SINGH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Krishna Father of No: 15727652F Rank: SIGMN Name: Shinde Rameshwar Krishna residing at Vill-Chaklamba, PO-Chaklamba, Teh-Georai, Dist-Beed, Maharashtra-431130, have changed my name from Krishna to Krushna Narhari Shinde for all future purposes. That both name Krishna and Krushna Narhari Shinde pertain to one and same person. Vide Affidavit No. DL56241755441617X dated 24 Mar 2025

NAME CHANGE
I Athrav Rameshwar Shinde Son of No: 15727652F Rank: SIGMN Name: Shinde Rameshwar Krishna residing at Vill-Chaklamba, PO-Chaklamba, Teh-Georai, Dist-Beed, Maharashtra-431130, have changed my name from Athrav Rameshwar Shinde to Atharv Rameshwar Shinde for all future purposes. That both name Athrav Rameshwar Shinde and Atharv Rameshwar Shinde pertain to one and same person. Vide Affidavit No. DL56231237563491X dated 24 Mar 2025

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुविक्कला श्रीमती मलकीत कौर पत्नी स्व0 बलजीत सिंह सिधु निवासी–आरजेड–49बी, गली नं 7. तुगलकाबाद एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110019 ने अपने पुत्र मनमोहन सिंह को इसके दुर्वव्यवहार व गलत आचरण व गलत संगत के कारण, मेरी मुवक्किला के नियन्त्रण से पूरी तरह से बाहर हो गया हैं, जिसके कारण मेरी मुवक्किला ने अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्तियों से अपने पुत्र को बेदखल कर दिया है तथा अपने तमाम रिश्ते–नाते विच्छेद कर लिये हैं। यदि कोई व्यक्ति मेरी मुवक्किला के पुत्र के साथ भविष्य में किसी प्रकार का कोई लेन देन या किसी प्रकार का कोई करार करता हैं या मेरी मुवक्किला का पुत्र किसी प्रकार का कोई आपराधिक कार्य करता हैं तो उसके लिये वह स्वंय जिम्मेदार होगा और उसके लिए मेरी मुवक्किला व उसके परिवार के सदस्यों की किसी तरह की कोई भी जिम्मेदारी नही होगी।
स्वर्ण सिंह अधिवक्ता चैम्बर नं–610, साकेत कोर्टस, नई दिल्ली–1110017

किसानों की आमदनी बढ़े इसके लिए निरंतर प्रयासरत है सरकार : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

घरौंडा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि हरियाणा सरकार किसानों की आय बढ़ाने के प्रति गंभीर है। किसानों के हित में अनेक योजनायें शुरू की गई हैं। इस साल कृषि बजट में 19.2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में काम करने वाले युवाओं को इजरायल भेजा जायेगा ताकि वे कृषि संबंधी नई तकनीकों से अवगत हो सकें। उन्होंने घरौंडा के इंडो-इजरायल सब्जी उत्कृष्टता केंद्र में होस्टल और सेमिनार हॉल बनवाने की घोषणा की और 74 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने शहीदी दिवस पर क्रांतिकारी वीर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू की शहादत पर उन्हें नमन किया। साथ ही 'हरियाणा बागवानी' पत्रिका का विमोचन किया व किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री आज घरौंडा के इंडो-इजरायल सब्जी उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय 11वें मेगा सब्जी एक्सपो 2025 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि किसान हरियाणा की शान हैं। किसानों ने परम्परागत फसल चक्र से निकलकर फलों व सब्जियों की खेती तथा मधुमक्खी पालन में नवाचार व आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाकर एक मिसाल कायम की है। मेगा सब्जी एक्सपो-2025 हमारे किसानों के लिए कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने का महत्वपूर्ण

मंच है। इस तीन दिवसीय एक्सपो में किसानों को बागवानी, सब्जी उत्पादन और मधुमक्खी पालन से जुड़ी नई तकनीकों, उन्नत किस्मों और आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी मिलने के साथ-साथ कई समस्याओं का समाधान मिला है और नई संभावनाओं के बारे में भी पता चला है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 2025-26 के बजट में देसी गाय की खरीद के लिए दी जाने वाली अनुदान राशि को 25 हजार रुपये से बढ़ाकर 30 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के क्क्ह्ह ष्ठह्मश्च-स्र्श्चह्द्ध ष्ठह्मश्च की अवधारणा पर चलते हुए किसान बहुमूल्य पानी की बचत करने के लिए ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई व मल्चिंग का भी प्रयोग कर रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि किसानों को खेती प्रक्रिया में हर कदम पर मदद मिले, यानि बुवाई से पहले और बुवाई के बाद भी और फसल कटाई के बाद भी। इसी सोच पर चलते हुए सरकार कई तरह की रियायतें व सुविधाएं दे रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बागवानी क्षेत्र को बढ़ाने के लिए बागवानी फसल क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत 510 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत से 140 फल एवं सब्जी संग्रह एवं पैक हाऊस स्थापित किए जा रहे हैं। प्रत्येक क्लस्टर में 300 किसान सदस्यों के साथ एक एफ.पी.ओ का गठन व एकीकृत पैक हाउस स्थापित किया जा रहा है। फलों के बाग लगाने पर प्रति एकड़ लागत का 50 प्रतिशत से लेकर 85 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। सब्जियों की खेती के एकीकृत माडल पर 50 प्रतिशत से लेकर 85 तक तथा मशरूम की खेती के लिए भी 40 प्रतिशत से लेकर 85 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है।

नारनौल में राधा-कृष्ण प्रभात फेरी का भव्य आयोजन, भक्ति मय हुआ माहौल

नारनौल। राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन ने 114वीं प्रभात फेरी का आयोजन मोहल्ला कास्यथवाड़ा छत्ते के पास से रविवार प्रातः 6:30 बजे बड़ी धूमधाम से किया गया। इस आयोजन में भक्ति की अनुपम छटा बिखरी, जब सैकड़ों श्रद्धालु राधा-कृष्ण के संकीर्तन में मग्न होकर नगर की गलियों में भजन गाते हुए निकले। इस शुभ अवसर पर यजमान श्याम भगत सुभाष चंद्र भगत ने परिवार सहित प्रभात फेरी में आए सभी भक्तों को चंदन तिलक लगाकर एवं ठाकुर जी की आरती करके यात्रा का शुभारंभ किया। भक्तों ने शंखनाद और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच प्रभात फेरी में भाग लिया। यह दिव्य प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर कास्यथवाड़ा, फ्रांसखाना, सूर्य नारायण मंदिर, धोलिया की सिल्ली और छत्ते के पास से होते हुए यजमान के निवास स्थान पर समाप्त हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने राधे-राधे का संकीर्तन करते हुए नगर के वातावरण को भक्तिमय कर दिया।

शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहादत दिवस के अवसर पर भाजपाइयों ने उन्हें याद कर उनके दिखाए मार्ग पर चलने का किया आह्वान

तावडू। शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहादत दिवस के अवसर पर उन्हें याद कर उनके दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान बीजेपी मंडल अध्यक्ष शिवम गर्ग ने किया। इस दौरान युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिला। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह व उनके संगठन ने शोषण विहीन समाज बनाने का जो सपना देखा था वह अभी अधूरा है। इसलिए इन क्रांतिकारियों के विचारों को जन-जन तक ले जाने की जरूरत है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान क्रांतिकारी भगत सिंह उनके साथियों राजगुरु व सुखदेव को आज ही के दिन 1931 में फांसी दी गई थी। 18 सितंबर 1907 में जन्में भगत सिंह मात्र 12 साल के थे, जब जलियांवाला बाग कांड हुआ। जिसने उनके मन में अंग्रेजी खिलाफ गुस्सा भर दिया। आजादी की लड़ाई में वह महात्मा गांधी के अहिंसात्मक तरीकों से सहमत नहीं थे। उन्होंने अपने लिए क्रांतिकारी रास्ता चुना। शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के खिलाफ लाहौर षड्यंत्र मामला चला और उन्हें इसी मामले में फ ांसी हुई। हम इन शहीदों को सत-सत नमन करते हैं। इनके आदर्शों को आगे बढ़ाएंगे। इस अवसर पर पार्षद धर्मेन्द्र भारद्वाज, महेश कुमार, मनीष शर्मा, सौरभ कुमार, ओम प्रकाश, पवन प्रजापत, कैलाश चंद, एडवोकेट अमरपाल आदि उपस्थित थे।

मंदिरों में मूर्तियां मात्र दर्शन हेतु नहीं अपितु गहन अध्ययन का विषय है - गोपाल

गुरुग्राम। पांच दिवसीय श्री राधे पुराण कथा के चौथे दिन की कथा में कथा व्यास गोपाल श्री कृष्ण भारद्वाज जी ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए बताया के मंदिरों में जो मूर्तियाँ स्थापित होती है उनके दर्शन के साथ-साथ उनमें छुपे हुये असंख्य शिक्षा रुपी संकेतों को अध्ययन के साथ समझा जाना चाहिए। पूर्व काल में मूर्तियाँ गुरुकुलों में विद्यार्थियों को सिखाने के लिए होती थी परन्तु समय परिवर्तन के साथ-साथ गुरुकुल मंदिरों में परिवर्तित हो गए एवं लोग मूर्तियों की आरती करने तक ही सिमट गए। और इन मूर्तियों में छुपी हुई सांकेतिक शिक्षा समय के साथ-साथ मिटती चली गई। व्यास जी ने बताया कि श्री कृष्ण की भक्ति भाव प्रधान है। जिसमें भक्त के भाव ही सबसे महत्वपूर्ण है। श्री कृष्ण भगवान अपने भक्तों का हाथ जब पकड़ लेते है तो उनके जीवन का एक ठेका ले लेते है। अपने भक्त के लिए वे अपनी प्रतिज्ञा तक तोड़ देते है। यहाँ तक कि द्रोपदी की एक कथा सुनाते हुए उन्होंने समझाया कि श्री कृष्ण अपने भक्तों की रक्षा हेतु उनकी चप्पले भी लेते उठा लेते हैं। आगे व्यास जी ने बताया कि निंदा भी मानव जीवन में दुखों का एक कारण है जब हम किसी की निंदा करते है तो हमें भले ही सच कह रहे हो तो भी उनके पाप का कुछ हिस्सा अपने नाम कर लेते है। इसलिए हमें निंदा चुगली नहीं करनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि यदि हम किसी के गुणों का बखान करते हैं तो हम उसके पुण्यों का कुछ हिस्सा अपने नाम कर लेते हैं।

पुलिस के सहयोग से खनन विभाग कर रहा सख्त निगरानी

नारनौल। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला महेंद्रगढ़ में अवैध खनन तथा खनिज के अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी की जा रही है। पिछले दो दिनों में पुलिस के सहयोग से खनन विभाग की टीम ने तीन ट्रक तथा चार ट्रैक्टर राजस्थान से अवैध तरीके से बजरी तथा रोड़ी के परिवहन में पकड़े गए हैं। इन पर कुल 21.30 लाख रुपए जुर्माना वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं इस संयुक्त टीम ने पिछले दो दिनों में 500 से अधिक वाहन चैक किए हैं। यह जानकारी देते हुए जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने बताया उपायुक्त डा. विवेक भारती तथा पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के मार्गदर्शन में अवैध खनन पर कड़ी निगरानी की जा रही है। जिला में कहीं भी अवैध खनन नहीं होने दिया जा रहा। उन्होंने बताया कि खनन विभाग के महानिदेशक पांडुरंग लगातार इस मामले में फीडबैक लेते हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार-शनिवार को एसएचओ नारनौल, एसएचओ निजामपुर तथा एसएचओ महेंद्रगढ़ के सहयोग से विभिन्न स्थानों से तीन ट्रक तथा चार ट्रैक्टर राजस्थान से अवैध तरीके से बजरी तथा रोड़ी के परिवहन करते पकड़े गए हैं।

शहीद-ए-आजम भगत सिंह के लिए एक भूख-हड़ताल महात्मा गांधी करते तो भगत सिंह आजाद हिंदुस्तान की रोशनी देख पाते : अनिल विज

जो कौमें शहीदों को याद नहीं करती वो फना हो जाती हैं : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि उनके जहन में एक बात हमेशा गूंजती है कि ÷आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी जी उस समय देश की रहनुमाई कर रहे थे और उन्होंने कई भूख हड़ताल की लेकिन यदि वे भगत सिंह के लिए एक भी भूख हड़ताल करते तो आजाद हिंदुस्तान की रोशनी शहीद-ए-आजम भगत सिंह भी देख पाते÷। श्री विज आज अम्बाला छावनी के सिविल एसडीएम सचिवालय में शहीद दिवस के अवसर पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के उपरांत आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने शहीद भगत सिंह पर आधारित गीत व हिन्दुस्तान जिंदाबाद व इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाकर उपस्थित लोगों में देशभक्ति की भावना का संचार किया।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि हमें उन्हें सम्मान देना चाहिए, उनके दिखाए गए रास्ते पर चलना चाहिए, अपने दिल में उनके लिए स्थान रखना चाहिए, यहीं उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धाजंलि हैं। जो जंग शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू ने शुरू की थी उसे जारी रखने की आवश्यकता है। अभी क्रांति को आगे चलाना व बढ़ाना होगा। एक दुश्मन (अंग्रेज रूपी) तो चला गया, कई दुश्मन अभी देश के अन्दर है, जिनमें भ्रष्टाचार, अक्रमन्यता, अपने दायित्वों को न निभाना, इनके खिलाफ जंग लडऩी है और ऐसे दुश्मनों को मारना है, तभी यह सच्ची श्रद्धाजंलि

मानी जाएगी। हमने इस क्रांति को और आगे बढ़ानाना हैं, जो रह गए है इस देश के फल फूल, समानता का अधिकार, जोकि किसी एक व्यक्ति की बौकती न बने, इसके लिए हमें आजाद होना है और भ्रष्टाचार की जननी से मुक्ति लेनी हैं। यदि हम ऐसा करते है तो 100 गुणा देश तरक्की करेगा। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि जब देश आजाद हो उस देश के फल व फूल सब लोगों में बराबर बांटे जा सके। देश आजाद हुआ, मगर उस बगीचे से फल और फूल जो ज्यादा ताकतवर था वो ज्यादा उठाकर ले गया। हमने सबको देश में समानता का अधिकार दिलाना है। जब तक यह नहीं होगा तब तक हम व देश आजाद नहीं होगा। भ्रष्टाचार दानव से मुक्ति पा ली तो देश सौ गुणा गति से आगे बढ़ेगा कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज सरकार द्वारा लोगों को सीधा खातों में लाभ दिया जा रहा है। पहले राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री थे तो उस समय विकास के लिए 100 रूपए ऊपर से भेजा जाता था, लेकिन खाते में 15 रुपए आते थे, 85 रूपया सिस्टम की भेंट यानि भ्रष्टाचार में चला जाता था। लेकिन हमारी सरकार यानि बीजेपी में विकास के लिए जितना पैसा आता है उतना ही खर्च होता हैं। ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि जो कौमे शहीदों को याद नहीं करती वह फना हो जाती हैं। हमें अपने शहीदों का मान सम्मान करना चाहिए। मैंने अपने शहर में इस बात को ध्यान में रखा, सुभाष पार्क में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा, लघु सचिवालय में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा तथा जीटी रोड अम्बाला छावनी में आजादी की पहली लड़ाई 1857 के शहीदों की याद में शहीदी स्मारक बनाने का काम किया जा रहा है। यह सभी प्रोजेक्ट हर वक्त देश के लिए हमें जीने के लिए प्रेरणा देगें कि हमने जीना देश के लिए है और देश को आगे ले जाना है।

सनातनी संस्कृति, संस्कार और नवाचार हमारी ताकत :ओमप्रकाश धनखड़

झज्जर गुरुकुल के 109 वें वार्षिक समारोह में पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

झज्जर। स्वामी दयानंद ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सुधार और ज्ञान से उजाला करने को समर्पित कर दिया। उनकी सुधारवादी

विचारधारा से ही स्वदेशी और स्वराज मंत्र मिला। स्वामी जी के इसी मंत्र से प्रेरित होकर देश की आजादी के लिए अनेक देशवासियों ने त्याग और बलिदान दिया। स्वामी जी विचारधारा आज भी हमें नवाचार की ओर अग्रसर करती है। भारत वर्ष की इस समृद्ध परंपरा को गुरुकुल आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने गुरुकुल झज्जर के 109वें वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि गुरुकुल ने इस क्षेत्र में सनातनी परंपरा और नैतिकता की शिक्षा को निरंतर आगे बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया है। धनखड़ ने शहीदी दिवस पर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुख्देव को नमन किया।

सनातनी शिक्षा के नवाचार से भारत हुआ मजबूत- धनखड़ ने ओमानंद सरस्वती जी ने स्वामी दयानंद जी की विचारधारा के प्रचार प्रसार में अपना जीवन समर्पित कर दिया। ओमानंद जी ने विपरित परिस्थितियों में भी सनातनी परपंरा को आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने कहा कि मैकाले शिक्षा नीति दूसरों के पीछे-पीछे चलना सिखाती है।

हकेंवि के एनसीसी कैडेट्स ने रैली के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई ने अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस के उपलक्ष्य में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए रैली का आयोजन किया। इस अभियान में एनसीसी कैडेट्स ने बढ़-चढक़र भाग लिया और जल बचाने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम के आयोजन में एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट रमेश कुमार और श्री नरेश कुमार की उपस्थिति रही। रैली के दौरान कैडेट्स ने जल संरक्षण से जुड़े नारों के माध्यम से आमजन को पानी बचाने की प्रेरणा दी। एनसीसी अधिकारियों ने इस अवसर पर जल संकट की गंभीरता पर बोलते हुए कहा कि यदि हम अभी से पानी बचाने के प्रयास नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढिय़ों को भारी संकट का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने जल संरक्षण के विभिन्न उपायों को अपनाने की अपील की और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। एनसीसी कैडेट्स ने जल बचाने की शपथ भी ली। साथ ही उन्होंने आसपास के लोगों को जन संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संकल्प भी लिया।

सैकड़ों महिलाओं पर पुरुषों ने लिया प्रभात फेरी में हिस्सा

एजेंसी

नारनौल। प्रभात फेरी संगठन नारनौल की ओर से 131वीं प्रभात फेरी मिया की सराय से बड़ी धूमधाम से किया गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान बबली सैनी धर्मपत्नी धर्मवीर सैनी ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती करके सभी को चंदन तिलक लगाया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बच्चे, बूढ़े, पुरुष, महिलाएं, नौजवान व धर्म प्रेमियों ने हिस्सा लिया। प्रभात फेरी मिया की सराय से शुरू हुई। उसके बाद पीरआगा, सलामपुरा, बावड़ीपुर में परिक्रमा करके प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। परिक्रमा मार्ग में सभी ने एक भाव से प्रातः काल की बेला में ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे नाम का स्मरण किया। वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन, बरसाना की कुंज गलियों की तरह नारनौल शहर भी ऐसे लगने लग

गया है। जैसे हम किसी अलग दुनिया में आ गए हो, जहां पर केवल राधा नाम ही चलता हो, शुद्ध मन के साथ प्रकृति के हर जीव जंतु को भगवान का स्मरण करने में एक नई ऊर्जा प्राप्त हो रही थी। प्रभात फेरी संगठन की इस फेरी में लोगों ने ढोल-मंजीरे बजाते हुए राधे-राधे के नारो के साथ ऐसा माहौल बना दिया जैसे भगवान श्री कृष्ण की नगरी वृंदावन में लोग झूम-झूम कर नाच-गाकर राधे रानी ठाकुर जी को रिझा रहे हो, राधे राधे के नारो से सराबोर हो समस्त वातावरण को ऐसा बना दिया। अंत में सनातन धर्म के जयकारे लगाए और आरती करके सभी में प्रसाद वितरित किया।

पर्यावरण संरक्षण में वनों की अहम भूमिका: प्रो. टंकेशवर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'विश्व वन दिवस' के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। कुलपति ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में वनों की भूमिका अहम है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी पौधारोपण किया। कुलपति ने कहा कि वन पृथ्वी के लिए जीवन रेखा के समान हैं। वनों के बिना हम न केवल वायु, जल और खाद्यान्न प्राप्त नहीं कर सकते, बल्कि जैव विविधता, जलवायु नियंत्रण, और प्राकृतिक आपदाओं से बचाव में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

गुरूकुल शिक्षा प्रणाली संस्कारों की है जननी और सामाजिक व्यवस्था का है आधार- मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा

युवाओं में राष्ट्रवादी विचार व अभिभावकों के प्रति सम्मान लाना है समय की मांग

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि वैदिक शिक्षा की परम्परा के तौर पर गुरूकुल हमेशा से राष्ट्र व समाज को सशक्त बनाने वाले युवाओं को तैयार करने में अहम योगदान दे रहे हैं। आज हमें इस गुरुकुल परम्परा को पूरा मान-सम्मान देते हुए युवाओं व अभिभावकों को इसमें भागीदारी करने के लिए प्रेरित करना है।मंत्री आज वैदिक ज्ञान योग महाविद्यालय गुरुकुलम, जुआं (सोनीपत) के 16वें वार्षिकोत्सव में मुख्यातिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि आर्य समाज का आजादी के आंदोलन में बड़ा योगदान रहा है। इस विचार पर चलते हुए महापुरुषों ने न केवल राष्ट्रभाव को प्राथमिकता देते हुए एकजुटता को विस्तार दिया, बल्कि वैदिक काल की गुरूकुल व्यवस्था को निरन्तर बढ़ावा देने का काम भी किया है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि भारत में गुरूकुल व्यवस्था ने निरंतर ज्ञान के सभी क्षेत्रों से विद्यार्थियों को जोड़ा है। इसी ज्ञान के बूते हमारे युवाओं ने

दुनिया मे भारतीय विद्वता का झंडा लहराया है। उन्होंने कहा कि गुरूकुल शिक्षा एक युवा के अंदर संस्कार की जननी की भूमिका निभाती है। इसमें मानव निर्माण से लेकर संस्कृति को बचाते हुए ऋषि परंपरा को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लार्ड मैकाले की शिक्षा व्यवस्था को बदलते हुए आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से युवाओं को परम्परा व विज्ञान से रचनात्मक तरीके से जुडऩे का अवसर दे रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा इस नीति को तेजी के साथ लागू कर रहा है, जिससे अन्य राज्यों के सामने हरियाणा मिसाल बना है। इस अवसर पर गुरुकुलम जुआं के संस्थापक संचालक आचार्य वेदनिष्ठ, स्वामी धर्मदेव, स्वामी सर्वानंद, मेजर सतपाल सिंधु, बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रोफेसर सुदेश और आचार्य वेदव्रत मौजूद रहे।

गुरुग्राम में हुआ रिटायर्ड पुलिस अधिकारी मिलन समारोह

एजेंसी

गुरुग्राम। वर्षों बाद जब एक-दूसरे के सामने आए तो कोई दिल खोलकर मिला तो किसी ने टकटकी भरकर अपने साथियों को पहचाना और फिर हंसी के ठहाके लगाए। पुरानी यादों के झरोखे से झांकते हुए रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों ने अपने समय के संस्मरण अपने साथियों के साथ सांझा किये। अवसर था रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों के मिलन समारोह का। सेक्टर-51 स्थित होटल ग्रैंड मनोर में हुए पुलिस अधिकारी एचपीएस (सेवानिवृत्त एसपी और डीएसपी) वेलफेयर एसोसिएशन के मिलन समारोह में मुख्य अतिथि हरियाणा के सेवानिवृत डीजीपी एस.एन. वशिष्ठ आईपीएस थे। अध्यक्षता सेवानिवृत आईपीएएस हजारी लाल ने की। सेवानिवृत आईजीपी योगेंदर सिंह नेहरा और हरियाणा पुलिस के सेवानिवृत डीआइजी कृष्ण मुरारी बतौर विशिष्ट अतिथि यहां पहुंचे। मुख्य अतिथि एस.एन. वशिष्ठ ने मिलन समारोह के लिए बधाई देते हुए कहा कि रिटायर्ड हो गए पुलिस अधिकारियों के लिए यह एक ऐसा मंच है, जहां एक-दूसरे से मिलकर आनंदित होने का अवसर मिला है। वशिष्ठ ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद अब पुलिस अधिकारियों को समाज की भलाई में अपना समय देना चाहिए। इसके साथ ही सबसे ज्यादा जरुरी है कि वे अपनी सेहत का भरपूर ख्याल रखें। उन्होंने एसोसिएशन के अध्यक्ष रिटायर्ड डीएसपी सूबे सिंह लोहान और मंच संचालन कर रहे रिटायर्ड डीएसपी हंसराज को सफल आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि किसी भी समाज को जोडऩे में इस तरह के आयोजन की महती आवश्यकता है। इससे पूर्व उन्होंने भारत मां के महान सपूत भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस पर इन वीर शहीदों की शहादत को नमन भी किया। सेवानिवृत आईपीएएस वयोवृद्ध हजारी लाल ने अपने पुराने संस्मरण याद किये और सभी रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों को आशीर्वचन दिए। सेवानिवृत आईजीपी योगेंदर सिंह नेहरा और सेवानिवृत डीआइजी कृष्ण मुरारी ने भी पीटीसी, सुनारिया से लेकर विभिन्न जिलों में अपनी ड्यूटी के दौरान के अनुभवों को सांझा किया। पुलिस

अधिकारी एचपीएस (सेवानिवृत्त एसपी और डीएसपी) एसोसिएशन के अध्यक्ष सेवानिवृत डीएसपी सूबे सिंह लोहान ने कहा कि यह मिलन समारोह सभी साथियों को एक मंच पर लाने का प्रयास था जो सबके सहयोग से सफल रहा। मंच संचालन कर रहे हंसराज एचपीएस, सेवानिवृत्त डीएसपी ने सभी का धन्यवाद किया। इस समारोह में मुख्य रूप से हरियाणा पुलिस के रिटायर्ड एसपी बनवारी लाल, फूल कुमार, रिटायर्ड डीसीपी इन्दर सिंह सैनी, रिटायर्ड डीएसपी संजय अहलावत, रिटायर्ड डीएएसपी राव दलबीर सिंह, रिटायर्ड डीएसपी जयपाल सिंह, रिटायर्ड डीएएसपी शकुंतला यादव, रिटायर्ड डीएसपी सत्यवती सांगवान, रिटायर्ड डीएसपी लक्ष्मी देवी, धनपति, रिटायर्ड डीएसपी राज सिंह मोर, महावीर सिंह गट्टू, सुनील कुमार, सत्येंदर दहिया, सतबीर सिंह सिवाच आदि अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ता ही हमारी ताकत : मोहन लाल बड़ौली

गुरुग्राम। भाजपा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने जिला अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली और कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने सर्वप्रिय त्यागी को विधिवत रूप से पदभार ग्रहण कराया। इससे पहले कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी समेत तमाम भाजपा नेताओं का जोरदार स्वागत किया। समारोह में पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली और कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने शहीदी दिवस पर पुष्प अर्पित कर महानायकों को याद किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हमारे शहीद देश का गौरव है। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत की वजह से ही आज देश आजाद है। उन्होंने कहा कि शहीदों का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ता ही हमारी ताकत है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की बदौलत ही हमने तीसरी बार सरकार बनाई है। श्री बड़ौली ने कहा कि सर्वप्रिय त्यागी को जिला अध्यक्ष का जो दायित्व मिला है वह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि संगठन की एकजुटता का परिणाम है कि नगर निकाय चुनाव में हमने जीत हासिल की और प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनी। उन्होंने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी को नए दायित्व की बधाई भी दी। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि 2014 में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। इन 10 सालों में भाजपा का संगठन लगातार मजबूत होता गया। संगठन और कार्यकर्ताओं की मेहनत का ही कमाल है कि तीसरी बार भी भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा देते हुए कहा कि गुरुग्राम का जिले का विकास कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। सड़कें, सीवर की जो समस्याएं हैं उनका दो से तीन महीनों में समाधान हो जाएगा। राव नरबीर सिंह ने कहा कि विधानसभा और नगर निकाय चुनाव में कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं से जो वादे किए हैं उन सभी वादों को इस पंचवर्षीय योजना में पूरा करा दिया जाएगा।

भाजपा हरियाणा में 23 मार्च को मनाएगी बिहार स्थापना दिवस : डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं बिहार दिवस प्रदेश संयोजक डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि बिहार शौर्य, शिक्षा और संस्कृति की पहचान है। बिहार की धरती हजारों सालों से पूरे विश्व को अपनी ओर आकर्षित करती है। हरियाणा में भी 23 मार्च को बिहार की संस्कृति, रीति-रिवाज, भाषा, बोलियों और कला परंपराओं का संगम देखने को मिलेगा। डा. गुप्ता ने कहा कि हरियाणा के सात जिलों पानीपत, यमुना नगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, सोनीपत, फरीदाबाद एवं गुरुग्राम में बिहार दिवस हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा ने बिहार के स्थापना दिवस की सभी तैयारियां पूरी कर ली है। प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि हरियाणा में बिहार स्थापना दिवस के मौके पर बिहार राज्य से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। गुरुग्राम में होने वाले कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री डा. सुनील कुमार मुख्य अतिथि होंगे और बिहार भाजपा के उपाध्यक्ष संतोष पाठक की भी गरिमामयी उपस्थित रहेगी। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में एमएलसी संजय प्रकाश मयूख मुख्य अतिथि और बिहार के राज्य सचिव सरोज झा भी मौजूद रहेंगी। पानीपत में बिहार सरकार के मंत्री विजय मंडल मुख्य अतिथि होंगे और भाजपा राज्य सचिव संजय गुप्ता मौजूद रहेंगे।

डा. अर्चना गुप्ता ने बताया कि करनाल में मुख्य अतिथि विधायक कृष्ण कुमार ऋषी होंगे व आनंद पाठक की भी गरिमामयी उपस्थित रहेगी। इसी तरह से सोनीपत में बिहार सरकार के मंत्री मोती लाल प्रसाद मुख्य अतिथि होंगे साथ ही पूर्व एमएलएसी रजनीश कुमार भी मौजूद रहेंगे।

कुरूक्षेत्र में बिहार सरकार के मंत्री कृष्णानंदन पासवान मुख्य अतिथि व बीजेपी बिहार के राज्य सचिव स्वदेश यादव भी साथ में रहेंगे। यमुनानगर में होने वाले कार्यक्रम में पूर्व मंत्री रामप्रीत पासवान मुख्य अतिथि व भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह मौजूद रहेंगे।

झारखंड केंद्रीय अनुदान घटने, योजनाओं पर इसके असर पर अध्ययन करेगा

इंदौर।

रांची। झारखंड में जेएमएम के नेतृत्व वाली सरकार ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने कई प्रायोजित योजनाओं के लिए अपने अनुदान में कटौती की है, जिससे राज्य का विकास प्रभावित हुआ है। विधानसभा में कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव के एक सवाल का जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार जल्द ही केंद्र द्वारा राज्य को दिए जाने वाले अनुदान, ऋण और विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं पर उनके प्रभाव का व्यापक अध्ययन करेगी। सरकार ने अपने लिखित जवाब में कहा कि झारखंड को केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए केंद्र से अनुदान के रूप में 2022-23 में 8,828.89 करोड़ रुपये, 2023-24 में 8,980.63 करोड़ रुपये और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में जनवरी तक 5,736.27 करोड़ रुपये मिले। कुमार ने सदन को बताया, राज्य को दिए जाने वाले केंद्रीय कर और अनुदान में कमी आई है। केंद्र के सौतेले रवैये ने झारखंड के विकास को प्रभावित किया है। झारखंड के मंत्री ने कहा कि केंद्रीय अनुदान में कमी के मद्देनजर विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं और लोगों पर इसके प्रभाव का आकलन किया जाएगा।

ओमेक्स फरीदाबाद में दो वाणिज्यिक परियोजनाओं के विकास के लिए 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी ओमेक्स हरियाणा के फरीदाबाद में दो नई वाणिज्यिक परियोजनाओं के विकास के लिए 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। दोनों नई परियोजनाएं 'वर्ल्ड स्ट्रीट बाय ओमेक्स' नामक इसके 120 एकड़ के मिश्रित उपयोग वाले विकास क्षेत्र का हिस्सा होंगी। पहली वाणिज्यिक परियोजना 'न्यू सिंगापुर' 11.6 एकड़ में फैली हुई है, जिसमें 15 लाख वर्ग फीट क्षेत्र शामिल है। दूसरी परियोजना 'क्लार्की' लगभग दो एकड़ में फैली हुई है और इसे पार्टी तथा मौजमस्ती वाले स्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। इन परियोजनाओं के 2029 तक पूरा होने की उम्मीद है। ओमेक्स ने कहा कि इन दोनों परियोजनाओं के निर्माण की कुल अनुमानित लागत 400 करोड़ रुपये से अधिक है। ओमेक्स ग्रुप के प्रबंध निदेशक मोहित गोयल ने कहा, प्रीमियम वाणिज्यिक स्थानों के लिए फरीदाबाद की बढ़ती मांग के मद्देनजर इस परियोजना को पेश करने का यह सही समय है।

हिन्दुस्तान जिंक ने 1,800 करोड़ लीटर पानी का पुनर्चक्रण किया

जयपुर। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1,800 करोड़ लीटर से अधिक पानी का पुनर्चक्रण किया है, जो राज्य में लगभग एक लाख घरों के सालाना जल उपयोग के बराबर है। कंपनी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। हिंदुस्तान जिंक के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने पानी के उपचार, पुनर्चक्रण और फिर से उपयोग करने पर जोर दिया है, ताकि पानी की निकासी को खत्म करके शुद्ध जल पर निर्भरता को काफी हद तक कम किया जा सके।कंपनी ने विश्व जल दिवस से पहले राजस्थान के विभिन्न जिलों में परिचालन और सामुदायिक स्तर पर चल रही प्रमुख जल प्रबंधन पहलों का अनावरण किया। कंपनी आने वाले सप्ताह में दुनिया के सबसे बड़े भूमिगत जिंक खनन केंद्र रामपुरा आगुचा में 4,000 किलोलीटर प्रति दिन (केएलडी) क्षमता वाले शून्य तरल निकासी संयंत्र का उद्घाटन करेगी। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा, हमारा जल प्रबंधन दृष्टिकोण परिचालन दक्षता से आगे बढ़कर समुदायों और उद्योगों, दोनों के लिए दीर्घकालिक जल सुरक्षा को सुनिश्चित करता है।उन्होंने बताया, हम स्थायी जल प्रबंधन को अपनाकर औद्योगिक वृद्धि और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को निभाते हुए एक साथ टिकाऊ विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि हिन्दुस्तान जिंक ने भीलवाड़ा जिले के आगुचा पंचायत में तालाब जीर्णोद्धार कार्य शुरू किया है। यह परियोजना गांवों के आसपास की जैव विविधता को बहाल करेगी, पानी की उपलब्धता बढ़ाएगी और लगभग 25,000 लोगों को इससे लाभ होगा।

अब तक मिलीं 11.5 लाख नौकरियां, 1.61 लाख करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। देश में विनिर्माण बढ़ाने के लिए शुरू की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत नवंबर, 2024 तक कुल 1.61 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। साथ ही, 11.5 लाख से अधिक लोगों को नौकरियां (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) मिली हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, 1.61 लाख करोड़ रुपये के निवेश से करीब 14 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन हुआ, जबकि 5.31 लाख करोड़ रुपये के निर्यात करने में मदद मिली है। सरकार ने योजना के तहत चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 15.52 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन लक्ष्य रखा है। मंत्रालय ने कहा, केंद्र सरकार ने 14 प्रमुख क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना के तहत कुल 764 आवेदनों को मंजूरी दी है। इसमें बल्क ड्रग्स, मेडिकल डिवाइस, फार्मा, दूरसंचार, व्हाइट गुड्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल्स और ड्रोन जैसे क्षेत्रों के पीएलआई लाभार्थियों में 176 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भी शामिल हैं। सरकार को विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना के दूसरे दौर में 25,000 करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धता के साथ 35 कंपनियों ने रुचि दिखाई है।

टॉप 10 में शामिल 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 3.06 लाख करोड़ का इजाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले सोमवार से गुरुवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 9 के मार्केट कैप में 3.06 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय एयरटेल को हुआ। इसके अलावा टॉप 10 में शामिल 1 कंपनी आईटीसी के मार्केट कैप में इस सप्ताह 7,570.64 करोड़ रुपये की गिरावट हो गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिन्दुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में कुल 3,06,243.74 करोड़ रुपये बढ़ोतरी हो गई। आईटीसी के मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की गई। सोमवार

से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 64,426.27 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,47,628.46 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 53,286.17 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 9,84,354.44 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 49,105.12 करोड़ रुपये बढ़ कर 13,54,275.11 करोड़ रुपये के स्तर पर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 39,311.54 करोड़ रुपये उछल कर 17,27,339.74 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 30,953.71 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,52,846.18 करोड़ रुपये के स्तर पर हो गया है। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 24,259.28 करोड़ रुपये बढ़ कर 12,95,058.25 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 22,534.67 करोड़ रुपये बढ़ कर 6,72,023.89 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 16,823.08 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,28,058.89 करोड़ रुपये के स्तर पर और इंफोसिस का मार्केट कैप 5,543.90 करोड़ रुपये उछल कर 6,61,364.38 करोड़ रुपये हो गया। दूसरी ओर आईटीसी का मार्केट कैप 7,570.64 करोड़ रुपये गिर कर 5,07,796.04 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

रिलायंस जियो त्रिपुरा में आईटी क्षेत्र में निवेश करने को उत्सुक: माणिक साहा

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि रिलायंस जियो राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश करने के लिए उत्सुक है। कंपनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और आईटी क्षेत्र में राज्य की संभावनाओं पर चर्चा की। साहा ने फेसबुक पर लिखा कि उन्होंने पहले मुंबई और असम में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी से मुलाकात की थी और उनसे विकसित त्रिपुरा के हमारे नजरिये का समर्थन करने के लिए अनुरोध किया था।

उन्होंने कहा कि रिलायंस जियो के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के व्यापार प्रमुख के नेतृत्व में एक दल ने आईटी और आईटी आधारित सेवाओं, डेटा केंद्रों के अलावा प्राकृतिक गैस की खोज तथा उर्वरक उत्पादन, पेट्रोलियम, बांस से एथनॉल बनाने, रबर की लकड़ी के फर्नीचर, कृषि-खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए राज्य का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खास तौर पर आईटी क्षेत्र के लिए उनका उत्साह बहुत ज्यादा रहा।

कैट को पीएम मोदी के 'विकसित दिल्ली' सपने के लिए प्रगतिशील बजट की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दिल?ली दिल्ली के लिए एक दूरदर्शी बजट की उम्मीद जताई है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित दिल्ली विजन को सकार करने के साथ दिल्लीवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने में एक अहम योगदान देगा। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि, दिल्ली के पास आर्थिक और आधारभूत विकास के लिए एक आदर्श शहर बनने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि एक मजबूत और समावेशी बजट राष्ट्रीय राजधानी में बुनियादी ढांचे, व्यापार और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने की नींव रख सकता है। खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार से हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले बजट में बेहतर नागरिक सुविधाओं, आधुनिक बाजारों, उन्नत लॉजिस्टिक्स और व्यापार के डिजिटलीकरण पर ध्यान दिया जाएगा, जो दिल्ली को एक वैश्विक व्यापार केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अलावा

उन्होंने उम्मीद जताई कि बजट में शहरी परिवहन, प्रदूषण नियंत्रण और स्मार्ट सिटी पहल के लिए आवश्यक प्रावधान किए जाएंगे, जिससे दिल्लीवासियों के जीवन स्तर में सुधार होगा। विकसित भारत 2047 मिशन के अनुरूप एक विकासोन्मुखी बजट आत्मनिर्भर और समृद्ध दिल्ली के निर्माण में सहायक होगा। खंडेलवाल ने यह भी कहा कि दिल्ली के व्यापारी, कैट के नेतृत्व में सरकार के साथ मिलकर विकसित दिल्ली के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वे ऐसे नीतिगत फैसलों की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जो आर्थिक विकास को गति दें और व्यापारिक समुदाय को सशक्त बनाएं।

सरकारी बैंकों से डिविडेंड में वित्त वर्ष 24 में हुई 33 प्रतिशत की वृद्धि- केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की वित्तीय स्थिति में मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। इसके कारण सरकारी बैंक की ओर से दिया जाने वाला डिविडेंड वित्त वर्ष 2023-24 में 33 प्रतिशत बढ़कर 27,830 करोड़ रुपये हो गया है। सरकारी डेटा में बताया गया कि वित्त वर्ष 2022-23 में सरकारी बैंकों ने 20,964 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया था। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकारी बैंकों की ओर से दिए गए कुल डिविडेंड में से 65 प्रतिशत यानी 18,013 करोड़ रुपये सरकार को दिए गए हैं। इसकी वजह सरकार की पीएसबी में बहुलांश हिस्सेदारी होना है। वित्त वर्ष 2022-23 में पीएसबी से सरकार को 13,804 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला था। इसमें एसबीआई का भी नाम शामिल था। पीएसबी से सरकार को अधिक डिविडेंड की वजह, सरकारी बैंकों द्वारा रिकॉर्ड मुनाफा कमाना है।

वित्त वर्ष 24 में 12 सरकारी क्षेत्र के बैंकों ने सामूहिक रूप से अब तक का सबसे अधिक 1.41 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है,

जबकि वित्त वर्ष 23 में यह आंकड़ा 1.05 लाख करोड़ रुपये था। अकेले वित्त वर्ष 25 के पहले नौ महीनों के दौरान, इन बैंकों ने 1.29 लाख करोड़ रुपये का लाभ आर्जित कर लिया है। वित्त वर्ष 24 में सरकारी बैंकों को कुल 61,077 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। इसमें 40 प्रतिशत का योगदान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने दिया था। वित्त वर्ष 23 में पीएसबी को 50,232 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 24 में पंजाब नेशनल बैंक के मुनाफे में सबसे अधिक 228 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला। इस दौरान बैंक को 8,245 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। समीक्षा अवधि में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा सालाना आधार पर 62 प्रतिशत बढ़कर 13,649 करोड़ रुपये का हुआ है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा सालाना आधार पर 61 प्रतिशत बढ़कर 2,549 करोड़ रुपये हो गया है। सरकारी बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन में यह बदलाव महत्वपूर्ण है क्योंकि इन बैंकों ने वित्त वर्ष 18 में 85,390 करोड़ रुपये का भारी घाटा दर्ज किया था।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली गिरावट, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली।घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। आज की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 89,770 रुपये से लेकर 89,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,290 रुपये से लेकर 82,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज तेजी दर्ज की गई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की

कीमत 82,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 89,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 89,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

झारखंड केंद्रीय अनुदान घटने, योजनाओं पर इसके असर पर अध्ययन करेगा

एजेंसी

रांची। झारखंड में जेएमएम के नेतृत्व वाली सरकार ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने कई प्रायोजित योजनाओं के लिए अपने अनुदान में कटौती की है, जिससे राज्य का विकास प्रभावित हुआ है। विधानसभा में कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव के एक सवाल का जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार जल्द ही केंद्र द्वारा राज्य को दिए जाने वाले अनुदान, ऋण और विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं पर उनके प्रभाव का व्यापक अध्ययन करेगी। सरकार ने अपने लिखित जवाब में कहा कि झारखंड को केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए केंद्र से अनुदान के रूप में 2022-23 में 8,828.89 करोड़ रुपये, 2023-24 में 8,980.63 करोड़ रुपये और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में जनवरी तक 5,736.27 करोड़ रुपये मिले। कुमार ने सदन को बताया, ÷राज्य को दिए जाने वाले केंद्रीय कर और अनुदान में कमी आई है। केंद्र के सौतेले रवैये ने झारखंड के विकास को प्रभावित किया है। झारखंड के मंत्री ने कहा कि केंद्रीय अनुदान में कमी के मद्देनजर विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं और लोगों पर इसके प्रभाव का आकलन किया जाएगा। यादव ने दावा किया कि पड़ोसी राज्य बिहार को 2023-24 में केंद्रीय कर और अनुदान के रूप में 1.65 लाख करोड़ रुपये मिले, जबकि झारखंड को इस दौरान मात्र 46,000 करोड़ रुपये मिले। उन्होंने झारखंड के आंकड़ों की तुलना पड़ोसी राज्यों से करते हुए केंद्रीय अनुदानों पर अध्ययन की मांग की।

इस सप्ताह 4 नए आईपीओ की होगी लॉन्चिंग, 5 कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक दबाव की वजह से स्टॉक मार्केट में आई गिरावट का प्रत्यक्ष असर अगले सप्ताह भी प्राइमरी मार्केट में नजर आने वाला है। सोमवार से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान कुल चार नए पब्लिक इश्यू लांच होने वाले हैं, जो एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह 24 और 25 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुए तीन आईपीओ में इस सप्ताह भी बोली लगाने का मौका रहेगा। इस सप्ताह स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए कारोबार शुरू करने वाली कंपनियों की बात की जाए, तो 5 कंपनियों के शेयर इस सप्ताह स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाले हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 24 मार्च को डेस्को इंफ्राटेक का 30.75 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 26 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 147 से 150 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 1 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी तरह सप्ताह के दूसरे कारोबार दिन 25 मार्च को एटीसी एनर्जीज का 63.76 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 112 से 118 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 2 अप्रैल को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसी दिन यानी 25 मार्च को ही श्री अहिंसा नेचुरल्स लिमिटेड का 73.81 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 113 से 119 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयर 2 अप्रैल को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा आईडेंटिक्सवेव लिमिटेड का 16.63 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 28 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 51 से 54 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 3 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 20 और 21 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले तीन पब्लिक इश्यू में भी इस सप्ताह 24 और 25 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी।

इनमें ग्रैंड कॉन्टिनेंट होटल्स के 74.46 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी 24 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 107 से 113 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयर अभी तक 45 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुके हैं।

आवास बाजार में उथल-पुथल: बिक्री 23 फीसदी गिरी, सप्लाई में 34 फीसदी की कमी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के आवास बाजार में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा और इसी कड़ी में वर्ष 2025 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में देश के शीर्ष नौ शहरों में आवास की बिक्री में 23 फीसदी और नई सप्लाई में 34 फीसदी की भारी कमी दर्ज की गई है। रियल एस्टेट क्षेत्र की डेटा एवं एनालिटिक्स कंपनी प्रॉपइक्विटी की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल की पहली तिमाही में कुल एक लाख पांच हजार 791 आवासें बिकीं, जो पिछले साल की समान अवधि के एक लाख 36 हजार 702 इकाइयों से काफी कम है। बैंगलुरु और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) को छोड़कर बाकी सभी सात शहरों में बिक्री में गिरावट देखी गई। दूसरी ओर, नई हाउसिंग सप्लाई भी घटकर 80 हजार 774 इकाई पर आ गई जबकि पिछले साल यह आंकड़ा एक लाख 22 हजार 365 था। खास बात यह है कि लगातार तीन तिमाहियों से नई लॉन्चिंग एक लाख इकाई से नीचे बनी हुई है। बेंगलुरु को छोड़कर शेष आठ शहरों में सप्लाई में कमी आई है। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) समीर जसूजा ने इस गिरावट के पीछे के कारणों को स्पष्ट करते हुए कहा, ÷वर्ष 2021, 2022 और 2023 में रिकॉर्ड सप्लाई के बाद आवास बाजार में सुधार का दौर चल रहा है। बढ़ती संपत्ति कीमतों, भू-राजनीतिक अस्थिरता और भारतीय अर्थव्यवस्था की कुछ कमजोरियों ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है, जिससे आवासों की बिक्री में कमी आई। फिर भी, मजबूत मांग बरकरार है, जैसा कि एब्जॉर्प्शन-टू-सप्लाई रेशियो से पता चलता है। 2025 की पहली तिमाही में यह रेशियो 131 फीसदी, 2024 की चौथी तिमाही में 132 फीसदी और तीसरी तिमाही में 127 फीसदी रहा। श्री जसूजा ने आगे बताया, हैदराबाद, पुणे और ठाणे जैसे पारंपरिक रूप से ज्यादा सप्लाई वाले शहरों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। वर्ष 2022 और 2023 में ये टियर-1 शहर सप्लाई के मामले में अव्वल थे लेकिन वर्ष 2024 में इसमें कमी आई। इस तिमाही में इन शहरों की संयुक्त सप्लाई पिछले साल की तुलना में 28 हजार 227 इकाई कम रही। कुल लॉन्च में इनका हिस्सा भी 38 प्रतिशत से घटकर 29 प्रतिशत पर आ गया। बिक्री के मोर्चे पर बेंगलुरु ने 10 फीसदी की बढ़त हासिल की, जहां 18 हजार 508 इकाइयां बिकीं और कुल बिक्री में इसका योगदान 17 फीसदी रहा, जो पिछले साल 12 प्रतिशत था।

भारत ने चीन के चार उत्पादों पर लगाई एंटी डंपिंग ड्यूटी, घरेलू उत्पादकों को होगा फायदा

नई दिल्ली। भारत ने चार चीनी उत्पादों पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने का फैसला किया है। जिन उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है, उनमें एल्युमीनियम फॉइल, वैक्यूम फ्लास्क, सॉफ्ट फेराइट कोर्स और ट्राइक्लोरो आइसोसिनोरिक एसिड शामिल हैं। घरेलू उत्पादकों की मदद और भारतीय बाजार में चीन के सस्ता सामान खपाने पर रोक लगाने के लिए यह फैसला लिया गया है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स, राजस्व विभाग ने एक नोटिफिकेशन जारी कर चीन के उत्पादों पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने की जानकारी दी। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि वैक्यूम फ्लास्क, सॉफ्ट फेराइट कोर्स और ट्राइक्लोरो आइसोसिनोरिक एसिड के आयात पर एंटी डंपिंग ड्यूटी पांच साल के लिए लागू रहेगी। वहीं एल्युमीनियम फॉइल पर फिलहाल छह महीने के लिए एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाई गई है। फॉइल पर प्रति टन 873 अमेरिकी डॉलर की एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाई गई है। ट्राइक्लोरो आइसोसिनोरिक एसिड पर प्रति टन 276 डॉलर से लेकर 986 डॉलर के बीच में शुल्क लगाया गया है। इसका इस्तेमाल वाटर ट्रीटमेंट में होता है। सॉफ्ट फेराइट कोर्स पर 35 फीसदी शुल्क लगाया गया है। इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों, चार्जर और टेलीकॉम डिवाइस में होता है।

लगातार 15वें सप्ताह बिकवाल बने रहे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। । घरेलू शेयर बाजार की स्थिति सुधरने के बावजूद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बिकवाल (सेलर) की भूमिका में ही बने रहे। इस तरह एफपीआई भारतीय बाजार में लगातार 15वें सप्ताह बिकवाली करते रहे। हालांकि इस सप्ताह ग्लोबल मार्केट में माहौल सुधरने और रूस तथा यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में कमी आने की उम्मीद की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से की जाने वाली बिकवाली के दबाव में कमी स्पष्ट रूप से दर्ज की गई। इस सप्ताह के दौरान एफपीआई ने भारतीय बाजार में शुद्ध रूप से 1,794 करोड़ रुपये यानी करीब 19.4 करोड डॉलर के शेयरों की बिकवाली की।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 17 से 21 मार्च के कारोबारी सप्ताह के दौरान 19 और 21 मार्च को शुद्ध रूप से खरीदारी करते रहे। 19 मार्च को विदेशी निवेशकों ने 710 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की, जबकि 21 मार्च को 3,181 करोड़ रुपये के

शेयर खरीदे। हालांकि सप्ताह के अन्य तीन दिनों के दौरान विदेशी निवेशक बिकवाली करते रहे, जिसकी वजह से पूरे सप्ताह के कारोबार में की गई खरीद बिक्री के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ओवरऑल 1,794 करोड़ रुपये के बिकवाल बन कर सामने आए। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली में आई कमी से भारतीय शेयर बाजार के सेंटिमेंट में सुधार हुआ है, जिसकी वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट ओवरऑल मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि अगले सप्ताह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक सतर्क रुख अपना सकते हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को फिलहाल वैश्विक स्तर पर बनी जियो-पॉलिटिकल स्थिति के साथ ही भारत के डोमेस्टिक इकोनॉमिक आउटलुक की स्पष्टता का इंतजार है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि व्यापार घाटे के मोर्चे पर भारत के अच्छे प्रदर्शन के कारण भारतीय शेयर बाजार के सेंटीमेंट में सुधार हुआ है। इसके साथ ही ग्रोथ में तेजी, डॉलर के मूल्य में आई कमजोरी और महंगाई में गिरावट जैसे सकारात्मक कारकों की वजह से भी घरेलू शेयर बाजार कि माहौल में सुधार हुआ है। इस वजह से घरेलू निवेशकों के साथ ही विदेशी निवेशकों ने भी भारतीय बाजार में एक बार फिर पैसा डालना शुरू कर दिया है, जिसकी वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा की जाने वाली बिकवाली में पिछले सप्ताह कमी आई है।

मिलावटी मसाले तो नहीं खा रहे आप, इन आसान तरीकों से करें पहचान

आजकल बाजार में मिलने वाले मसालों में मिलावट आम हो गई है, जिससे हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है. अगर आप भी अपने घर के मसालों की शुद्धता चेक करना चाहते हैं, तो इन सिंपल टिप्स को अपनाकर पहचान कर सकते हैं कि आपके मसाले असली हैं या मिलावटी

आजकल मार्केट में मिलने वाले मसालों में मिलावट बहुत आम हो गई है. हल्दी, मिर्च, धनिया, गरम मसाला, जीरा और दूसरे मसालों में कई बार पॉलिशिंग केमिकल्स, आर्टिफिशियल कलर्स और नकली चीजें मिलाकर बेचा जाता है. ये सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो सकते हैं. ऐसे में इनका सेवन करके लोगों को फूड पॉइजनिंग जैसी गंभीर बीमारियां भी हो जाती हैं. इसलिए ये पहचानना बहुत जरूरी है कि आप जो मसाले यूज कर रहे हैं तो मिलावटी तो नहीं हैं.

अगर आप भी यह जानना चाहते हैं कि आपके मसाले असली हैं या नकली, तो इस आर्टिकल में कुछ सिंपल टिप्स के बारे में बताया गया है, जिन्हें इस्तेमाल करके आप घर पर ही टेस्ट कर सकते हैं कि आपने जो मसाले खरीदें हैं वो मिलावटी हैं या नहीं. तो चलिए जानते हैं इन आसान टिप्स के बारे में.

घर पर चेक करें मसालों की शुद्धता

हल्दी: हल्दी पाउडर में अक्सर मेटानिल येलो या क्रोम पाउडर मिलाया जाता है, जिससे यह ज्यादा चमकदार दिखे. इसे चेक करने के लिए हल्दी के पाउडर में एक चुटकी हल्के गीले हाथ से लें और रगड़ें. अगर हाथ पर हल्की पॉलिशिंग की फीलिंग आए या ज्यादा चमकीला रंग लगे, तो यह मिलावटी हो सकता है. इसके अलावा, हल्दी को पानी में डालें अगर यह तुरंत रंग छोड़ने लगे, तो इसमें मिलावट हो सकती है.

मिर्च पाउडर: लाल मिर्च पाउडर में कई बार सिंथेटिक रंग, ईंट का पाउडर या नमक पाउडर मिलाया जाता है. इसे चेक करने के लिए एक गिलास पानी में मिर्च पाउडर डालें और हिलाएं. अगर पानी में रेड कलर जल्दी फैल जाता है, तो इसमें सिंथेटिक डाई मिली हो सकती है. वहीं, अगर मिर्च नीचे बैठ जाए और पानी साफ रहे, तो यह असली है.

धनिया पाउडर: धनिया पाउडर में कई बार गंदे बीजों का पाउडर, पीला रंग या अन्य नकली चीजें मिलाई जाती हैं. इसे चेक करने के लिए थोड़ी सी धनिया पाउडर हाथ में लें और रगड़ें. अगर इसमें से अजीब महक आए या रंग बदलने लगे, तो यह मिलावटी हो सकता है. असली धनिया पाउडर में नैचुरल खुशबू होती है और यह जल्दी रंग नहीं छोड़ता.

गरम मसाले: गरम मसाले में मिलावट चेक करने के लिए इसे पानी में डालें. अगर यह पानी में तैरने लगे या पानी का रंग बदल दे, तो समझ जाएं कि इसमें मिलावट है. असली गरम मसाला हमेशा पानी में नीचे बैठता है और इसका रंग नहीं बदलता.

नमक- अगर नमक बहुत ज्यादा सफेद और चमकदार दिखे, तो इसमें सफेदी बढ़ाने के लिए केमिकल्स मिलाए गए हो सकते हैं. असली नमक हल्का ऑफ-व्हाइट या पिंकिश होता है और इसमें नैचुरल टेक्सचर होता है.

जीरा: जीरा में कई बार पॉलिशिंग केमिकल्स या वजन बढ़ाने के लिए नकली बीज मिलाए जाते हैं. इसे चेक करने के लिए जीरा को हथेली पर रगड़ें, अगर हाथ में ऑयली फील हो और कोई अजीब स्मेल आए, तो यह मिलावटी हो सकता है.

चाय पत्ती: चाय पत्ती में कई बार आयरन के टुकड़े या सिंथेटिक कलर मिलाया जाता है. इसे चेक करने के लिए एक शीट पर चाय पत्ती डालें और चुंबक (मैग्नेट) पास लाएं. अगर इसमें लोहे के कण हैं, तो वे मैग्नेट से चिपक जाएंगे. इसके अलावा, चाय पत्ती को पानी में डालकर देखें, अगर पानी जल्दी काला हो जाए, तो इसमें कलर मिलाया गया हो सकता है.

मसालों की शुद्धता बहुत जरूरी है क्योंकि नकली मसाले सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं. नकली मसाले खाने से पेट की समस्याएं, एलर्जी और अन्य हेल्थ इश्यूज़ हो सकते हैं. घर पर इन सिंपल टेस्ट से आप पहचान सकते हैं कि आपके मसाले असली हैं या नहीं. हमेशा अच्छे ब्रांड्स के मसाले खरीदें, खुले मसाले लेने से बचें और लोकल मार्केट में बिकने वाले बहुत ज्यादा चमकदार और सस्ते मसाले लेने से पहले उनकी जांच जरूर करें.

न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता हो

भारत की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से घिरी है। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है।' एक ही प्रकृति के मामलों में अलग-अलग फैसले आना, कुछ न्यायाधीश कभी-कभी व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मामलों को चुनते देखे जाते हैं, कुछ वकीलों को केस असाइनमेंट और सुनवाई के समय के मामले में तरजीह दी जाना, आंशिक सुनवाई के मामलों की प्रथा आदि भारतीय न्यायिक व्यवस्था में विद्यमान चुनौतियों एवं विसंगतियों को दूर करने के लिये न्याय प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन की अपेक्षा है। हाल ही में यह बात सामने आई है कि एक मौजूदा न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी पाई गई। इस तरह की घटना, किसी भी चल रही जांच के बावजूद, न्यायपालिका की ईमानदारी और निष्पक्षता पर एक बदनुमा दाग है। न्यायपालिका ईमानदारी, निष्पक्षता और कानून के समक्ष समान व्यवहार के मूल्यों पर आधारित लोकतंत्र के चार स्तंभों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्तंभ है। न्यायालयों की ईमानदारी में जनता और कानूनी समुदाय का विश्वास बहाल करने के उद्देश्य से कानून में क्रांतिकारी बदलाव की अपेक्षा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना भारत के सर्वोच्च न्यायालय के 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में इसके लिये तत्पर है और वे न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दे रहे हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देने लगी है। स्वल्प समय में ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में वे कई महत्त्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं, वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस खन्ना के सामने अनेक चुनौतियां हैं, उनका मार्ग कंटकाकीर्ण हैं। उनके द्वारा शुरु किये कानून सुधार-अभियान की किसी पहल का विरोध होना स्वाभाविक है। न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के लिए बनाए गए कॉलेजियम सिस्टम पर भी सवाल उठाए गए। न्यायिक प्रणाली, जो निष्पक्षता और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर टिकी हुई है, न केवल निंदा से परे होनी चाहिए बल्कि जनता द्वारा भी देखी जानी चाहिए। न्यायालयों के भीतर एक व्यापक आत्मनिरीक्षण किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न्यायिक प्रक्रिया बेदाग रहे और न्यायपालिका के बारे में जनता की धारणा को उसके सही परिप्रेक्ष्य पर बहाल किया जा सके। न्यायालयों की निष्पक्षता में आम आदमी का विश्वास सर्वोपरि है, और इस विश्वास को खतरे में डालने वाली किसी भी घटना से शीघ्रता और विवेकपूर्ण तरीके से निपटा जाना चाहिए।

न्यायालयों के कामकाज की पवित्रता बनाए रखने के लिए उनकी समीक्षा की जानी जरूरी है। यह बहुत स्पष्ट है कि कुछ न्यायाधीश, कभी-कभी, व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मामलों चुनते देखे जाते हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया की एकरूपता और निष्पक्षता को कमजोर करता है। निष्पक्षता सुनिश्चित करने और पक्षपात या पक्षपात की किसी भी झलक से बचने के लिए मामलों का चयन करने का विवेक सीमित होना चाहिए। यह आवश्यक है कि सभी मामलों को एक स्थापित, पारदर्शी रोस्टर प्रणाली के आधार पर निष्पक्ष रूप से आवंटित किया जाए। यह भी न्याय-प्रक्रिया की एक बड़ी विसंगति है कि कुछ वकीलों को केस असाइनमेंट और सुनवाई के समय के मामले में तरजीह दी जाती है। इस तरह की प्रथाएं न्याय की नींव को ही नुकसान पहुँचाती हैं, क्योंकि वे अनुचित पक्षपात का कारण बन सकती हैं। किसी भी वकील को, चाहे उनकी स्थिति या पद कुछ भी हो, न्यायिक प्रक्रिया में अनुचित लाभ प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

सर्वप्रथम तो भारत के न्यायपालिका का संस्थागत चरित्र बदलने की जरूरत है। यह सामंती है और इसे इसके स्थान पर लोकतांत्रिक बनाना होगा। संवैधानिक जजों की चयन प्रक्रिया बहुत ही अलोकतांत्रिक है, जिसमें संविधान में वर्णित 'हम भारत के लोग' इनकी कोई भूमिका नहीं है। यहां पहले से पदासीन चले आ रहे लोग अपनी पसंद के लोगों को चुनकर पदों पर बिठा देते हैं, देखते ही देखते कुछ ही वर्षों में भारत का पूरा न्यायिक तंत्र कुछ परिवारों के कब्जे में आ गया है। वर्तमान सरकार ने परिवारवादी राजनीति के साथ परिवारवादी न्याय-व्यवस्था में सुधार किये हैं। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की न्याय व्यवस्था अभी तक औपनिवेशिक शिकंजे में जकड़ी हुई है। उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकांश निचली अदालतों की कार्रवाई और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है। वह आम आदमी के पल्ले नहीं पड़ती। समय आ गया है कि यह सब आम आदमी की भाषा में हों। वर्षों-वर्ष चलने वाले मुकदमों का खर्च भी बहुत ज्यादा है। न्याय प्रक्रिया की कोई सीमा-अवधि नहीं है। इसलिए निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक समस्त न्यायालयों को दो पालियों में चलाने का प्रावधान किया जाना चाहिए। नए न्यायालय भी स्थापित किए जाने चाहिए। न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, बल्कि जनसंख्या और लंबित मामलों का संज्ञान लेते हुए न्यायिक कर्मियों की नियुक्ति भी की जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस खन्ना के ताजा वक्तव्यों में ऐसे ही सुधार को अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, जो स्वागतयोग्य होने के साथ सराहनीय भी है।

निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। एक सक्षम न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करें, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है। न्यायपालिका की हठधर्मिता, विधायिका और कार्यपालिका का न्यायिक सुधार के संबंध में उपेक्षात्मक रुख साथ-साथ भारतीय जनमानस की उदासीन भूमिका ऐसी जड़ताएं हैं जिसने अपार पीड़ा को सहते हुए भी न्यायिक सुधार की दिशा में कदम उठाने के लिए सरकारों पर दबाव बनाने का कार्य कभी नहीं किया गया, जो मिला उसे नियति मानकर स्वीकार कर लिया। अनेक मामलों में अन्यायपूर्ण न्याय को स्वीकारना ही आम जनता की विवशता रही है। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र ही स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये।

संपादकीय

खाली हाथ किसान

खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर किसानों के एक घटक द्वारा तेरह माह से चलाए जा रहे आंदोलन का बलपूर्वक समापन एक अच्छी स्थिति कदापि नहीं की जा सकती। हालांकि यह भी तय था कि यह आंदोलन अनिश्चितकाल के लिये नहीं चलाया जा सकता था। लेकिन चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में बात न बनने के बाद पंजाब सरकार की बलपूर्वक की गई कार्रवाई से धरना स्थल को खाली करवाने व किसान नेताओं की गिरफ्तारी से किसानों में रोष स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से लंबे समय से खनौरी व शंभू बॉर्डर से जुड़े राजमार्ग के बाधित होने से यात्रियों व कारोबारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं सरकार ने भी इस आधार पर अपनी कार्रवाई को तार्किक बताया है कि दो प्रमुख राजमार्गों के लंबे समय तक बंद रहने से उद्योग और व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। निजी वाहनों को भी लंबे रास्तों से सफर तय करने में अधिक समय व पेट्रोल खर्च करना पड़ रहा था। वहीं किसान नेताओं का आरोप है कि उन्हें आंदोलन करने के उनके लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित करने का कदम दमनकारी है। जैसा कि उम्मीद थी, विपक्षी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर बयानबाजी शुरू कर दी है। लेकिन एक बात तो तय है कि किसान संगठन व सरकारें विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति बनाने में सफल नहीं हो पाए हैं। जिसके चलते राज्य सरकार व किसान संगठनों में अविश्वास व टकराव बढ़ा है। विडंबना यह भी है कि किसान संगठनों में मांगों को लेकर खासे मतभेद हैं। यदि सभी संगठन एमएसपी के मुद्दे पर एकजुट होकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाते तो शायद कोई सार्थक समाधान निकल पाता। लेकिन इसके विपरीत किसान संगठन आपस में ही उलझते रहे। यही वजह है कि किसान संगठनों के घटते जनसमर्थन को देखते हुए राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया। जबकि केंद्र सरकार भी इस मुद्दे के प्रति गंभीर नजर नहीं आयी।

जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकारें किसानों के मुद्दों पर किंतु-परंतु की नीति को त्यागकर समयबद्ध तरीके से कृषि संकट को दूर करने के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता से बातचीत करें। विभिन्न मांगों पर लचीला रवैया दोनों पक्षों के लिये लाभकारी साबित हो सकता है। यह समय किसान संगठनों के लिये भी आत्ममंथन करने का है। उन्हें तीन कृषि सुधारों के विरोध में वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमा पर चले लंबे किसान आंदोलन के खराब संचालन से भी सबक लेना चाहिए। हालांकि, तीन प्रस्तावित कृषि कानून अंततः स्थगित कर दिए गए, लेकिन सैकड़ों किसानों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। इसके बावजूद फसलों की एमएसपी हेतु कानून बनाने में विफलता ही हाथ लगी। निस्संदेह, लंबे किसान आंदोलन से पंजाब के कारोबार को दांव पर नहीं लगाया जा सकता, लेकिन ध्यान रहे कि कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है।

ऐसे में सभी को साथ लेकर सुलह-सफाई करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत है। यदि ऐसा न होने पर राज्य में अशांति बढ़ती है तो वित्तीय संकट से जूझते पंजाब को और मुश्किलों का सामना करना होगा। सरकार को भी घाटे का सौदा साबित हो रही खेती की दशा सुधारने के लिये स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की दिशा में सोचना चाहिए। वहीं कर्ज माफी की किसानों की मांग पर उदारतापूर्वक विचार करना चाहिए। जब उद्योगपतियों का कर्ज माफ किया जा सकता है

तो किसानों का क्यों नहीं। वहीं किसानों को भी चाहिए कि वे कृषि ऋण गैर उत्पादक कार्यों पर न खर्च करें। किसान संगठनों को भी एक मंच पर आकर जनता का विश्वास हासिल करना चाहिए, जो हाल में लगातार कम होता गया है। इस दिशा में केंद्र सरकार से भी गंभीर पहल की दरकार है। यह मुद्दा देश की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा है। साथ ही उन मुद्दों को भी संबोधित करने की जरूरत है जो ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से पैदावार घटाने में भूमिका निभा रहे हैं। यह भी कि पंजाब में लगातार गिरता भूजल स्तर किसानों के सामने नये संकट पैदा कर रहा है। ऐसे में फसल विविधता के मुद्दे को भी संबोधित करने की जरूरत है।

हे माननीय! आखिर अपनी जिम्मेदारी कब समझेंगे आप बहुत हद कर दी आपने!

भ्रष्टाचार, तस्करी, तबादला उद्योग, जघन्य हिंसा-प्रतिहिंसा आदि मानवता विरोधी नीतियों या कार्यों पर निर्णायक चेक एंड बैलेंस का विगत 8 दशकों में भी नहीं बनना इस पूरी व्यवस्था के लिए कलंक की बात है।

समकालीन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत सिलसिलेवार ढंग से जो संवैधानिक ड्रामा रचाया जा रहा या चल रहा है, इसके लिए सिर्फ और सिर्फ हमारी संसद जिम्मेदार है, क्योंकि जनहित में प्रभावशाली कानून बनाने का जिम्मा उसी के ऊपर है। यदि उसने इस मामले में अबतक किसी तरह की कोई लापरवाही बरती है तो यह जन-बहस का मुद्दा है। इसलिए कुछ सुलगता हुआ सवाल यहां पर प्रासंगिक है!

लेकिन जब हम संसद की बात करते हैं तो इसकी सीधी जिम्मेदारी सत्तापक्ष और विपक्ष के जनप्रतिनिधियों और उनके समूह की होती है। क्योंकि सत्ता की अदलाबदली प्रायः इन्हीं के बीच होती रहती है। संसद के अलावा, हमारी सिविल सोसाइटी, मीडिया मठाधीश, अधिवक्तागण, शिक्षाविद, प्रबुद्ध कारोबारी तबका एवं विभिन्न प्रकार के लोकतांत्रिक दबाव समूह भी इस स्थिति के लिए सामूहिक रूप से जिम्मेदार हैं, क्योंकि भले ही इनके पास कोई संवैधानिक शक्ति नहीं है या फिर अलग-अलग प्रकार की कानूनी सहूलियत प्राप्त है, लेकिन जनमत निर्माण में इनकी बहुत बड़ी भूमिका रहती आई है।दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि समाज का यह जागरूक तबका और उनका जेबी संगठन राजनीतिक रूप से दलित-महादलित, ओबीसी-एमबीसी, सवर्ण-गरीब सवर्ण, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक, आदिवासी-आर्य, अकलियत-पसमांदा, भाषा-क्षेत्र, अमीर--गरीब आदि विभिन्न गुटों में बंटा हुआ है, जो आभिजात्य वर्गीय सोच की हिफाजत का टूल्स बना दिया गया है।

वहीं, संसद द्वारा सही कानून बनवाने और बनाए हुए कानूनों को लागू करवाने में नौकरशाही की बड़ी भूमिका रहती है। जबकि इन कानूनों की न्यायसम्मत समीक्षा करने और मतभेद या विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय देने की जिम्मेदारी न्यायपालिका की है, जहां वकीलों की दलील के आधार पर किसी अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचा जाता है। खास बात यह कि हमारी नौकरशाही के प्रशासनिक विवेक और न्यायपालिका के न्यायिक विवेक पर भी कोई सवाल उसी तरह से नहीं उठाया जा सकता है, जिस तरह से विधायिका के विधायी व प्रशासनिक विवेक और मीडिया के संपादकीय विवेक को मान्यता एवं संरक्षण प्राप्त है।

कहने का तातपर्य यह कि किसी भी लोकतंत्र की सफलता के लिए विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का जागरूक और निष्पक्ष होना पहली शर्त है। मौजूदा दौर में %धनपशुओं% से सहयोग प्राप्त सिविल सोसाइटी यानी समाजपालिका भी बहुत ताकतवर होकर उभरी है और सत्ता परिवर्तन में मुख्य भूमिका निभा रही है। हालांकि, इसके संकीर्ण सोच से भी समाज दिग्भ्रमित हुआ है।

आमतौर पर राजतंत्रीय सोच और सामंती विचारों से हमारा मौजूदा लोकतंत्र भी संक्रमित हो चुका है। तभी तो भूमि संपदा, मौद्रिक संपदा और स्वर्ण संपदा बनाने की होड़ हमारे माननीयों में मची रहती है। वहीं जो ज्ञान संपदा के धनी हैं, वे भी भूमि संपदा, मौद्रिक संपदा और स्वर्ण संपदा बनाने की होड़ में शामिल हो चुके हैं। अफसोस की बात यह है कि हमारा लोकतंत्र और संविधान ही इनकी अवैध और अकूत कमाई का हथकंडा बन चुका है और उच्चपदस्थ लोग इनके खिलाफ एकजूट नहीं हो रहे हैं।यही वजह है कि जनता दिन-ब-दिन गरीब और उसके शासक लगातार अमीर होते जा रहे हैं। इनके अवैध धन से कहीं आतंकवादी, तो कहीं नक्सली व उग्रवादी फलफूल रहे हैं। भ्रष्टाचार, तस्करी, तबादला उद्योग, जघन्य हिंसा-प्रतिहिंसा आदि मानवता विरोधी नीतियों या कार्यों पर निर्णायक चेक एंड बैलेंस का विगत 8 दशकों में भी नहीं बनना इस पूरी व्यवस्था के लिए कलंक की बात है। आखिर अनवरत सांप्रदायिक दंगों और राजकोषीय लूट के लिए हमारी संसद नहीं तो कौन जिम्मेदार है, यक्ष प्रश्न है।कम्पनी, फर्म, ट्रस्ट, एनजीओ आदि को अलग इकाई मानना और उनके दिवालिया व विफल होने पर उनके संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई न होना, उनकी या उनसे लाभान्वित लोगों की अन्य सम्पत्तियों तक प्रशासनिक आंच का नहीं पहुंचना हमारी नीतिगत विफलता नहीं तो क्या है? आज भू-सम्पदाओं में जो धोखाधड़ी मची हुई है, मौद्रिक क्षेत्र में डिजिटल धोखाधड़ी लगातार बढ़ रही है, इसके लिए प्रशासनिक जवाबदेही कौन सुनिश्चित करेगा।अनुभव बताता है कि पुलिसिया भ्रष्टाचार, तहसील कदाचार, न्यायिक जुल्म व लेटलतीफी, प्रशासनिक पक्षपात, सियासी अनैतिकता से समूचा समाज भयाक्रांत और परेशान है, लेकिन हमारे माननीयों को अपनी जिम्मेदारियों का एहसास नहीं है। या वैसा कोई सजग व्यक्ति या समूह भी नहीं है जो इन लोकतांत्रिक महावीरों को उनकी मौलिक शक्ति का एहसास दिलाए।

सवाल किसी जज की कोठी में भारी मात्रा में नोटों के मिलने का नहीं है और न ही उसके खिलाफ लीपापोती वाली प्रक्रिया शुरू करने का है, बल्कि सुलगता हुआ सवाल यह है कि व्यवस्था के ऐसे जिम्मेदार तत्वों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में हमारी संवैधानिक व्यवस्था कितनी असहाय प्रतीत होती आई है और आज तक उसका सार्थक और सकारात्मक हल नहीं ढूंढा जा सका है।आपने देखा सुना होगा कि देश को लूटने वाले विदेशों में बस रहे हैं। ऐसे लोग हमारी कानूनी खामियों का फायदा उठाकर विदेशों में मौज कर रहे हैं, क्योंकि उनको परोक्ष सियासी शह व सहूलियत दोनों प्राप्त है। ऐसे में यक्ष प्रश्न यह है कि यदि मौजूदा लोकतांत्रिक व संवैधानिक व्यवस्था जनता की सुख-शांति-समृद्धि सुनिश्चित नहीं कर सकती हैं तो फिर उसके होने या न होने का क्या मतलब रह जाता है। इस नजरिए से आधुनिक लोकतंत्र भी अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और पूंजीपतियों के नेतृत्व वाली नई विश्व व्यवस्था आकार ले रही है, जिससे आमलोगों की त्रासदी और बढ़ेगी!

जब मौसम करे उदास!

हमारी दिनचर्या ऋतु आधारित होती है। हम मौसम के अनुसार ही हम अपना खानपान, पहनावा और रोज़मर्रा के काम तय करते हैं। लेकिन मौसम अपने साथ एक खास तरह की बीमारी भी लाता है, क्या यह आप जानती हैं? मौसम के साथ आने वाली इस विशेष बीमारी को सैड यानी सीज़नल इफेक्टिव डिस्ऑर्डर के नाम से जाना जाता है, जो अवसाद का ही एक रूप है। यह किसी व्यक्ति को खास मौसम में हर बार अवसादग्रस्त बना देता है।

कारण अनजान है

सीज़नल इफेक्टिव डिस्ऑर्डर क्यों होता है और इसके होने की वजह क्या है, इसे लेकर सेहत के जानकार आज भी किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाए हैं। लेकिन उनका मानना है कि सूरज की रोशनी की कमी इस डिस्ऑर्डर को बढ़ाती है। यह कमी व्यक्ति के उठने-बैठने और सोने के क्रम को प्रभावित करती है, जिसकी वजह से मस्तिष्क में मौजूद रसायन सेरोटिनन पर असर पड़ता है, जो मूड बदलने का कारण है।

लक्षण आसान है

इस डिस्ऑर्डर का सीधा सम्बंध क्योंकि मूड से है, इसलिए इसके लक्षण पहचानना भी आसान है। अवसाद की इस स्थिति से कोई भी प्रभावित हो सकता है। इसमें व्यक्ति का मूड थोड़ी-थोड़ी देर में बदलता रहता है, वह ज्यादा उदास रहने लगता है और किसी भी काम में उसका मन नहीं लगता। प्रभावित व्यक्ति यादा खाना खाने लगता है और उसका वज़न भी बढ़ने लगता है। दिन में थका-थका सा महसूस होना और यादा सोना भी इसके लक्षणों में शामिल है।

यह सभी लक्षण हर साल एक विशेष मौसम में दिखाई पड़ते हैं। देखने में आया है कि सैड के लक्षण सितंबर या अक्टूबर अथवा अप्रैल और मई के बीच यादातर प्रभावित करते हैं।

रोशनी में छुपा उपचार

चिकित्सक सैड के उपचार के लिए अधिकांशतः लाइट थैरेपी का उपयोग करते हैं, जो दो तरह से काम में लाई जाती है। पहली-ब्राइट लाइट थैरेपी, जिसमें रोगी को एक विशेष तरह के 'लाइट बाक्स' के सामने आधे घंटे या इससे यादा के लिए बैठाया जाता है। और दूसरी, हल्की लाइट थैरेपी, जो सुबह होने से पहले की रोशनी जैसी होती है और धीरे-धीरे बढ़ते हुए रोगी को सुबह का अहसास कराती है। इसके अलावा अवसादरोधी दवाएं और काउंसलिंग भी रास्ते हैं, जो रोग से उबरने में आपकी मदद कर सकते हैं। सैड से रोगमुक्त होने के पश्चात भी नियमित व्यायाम, दिनभर में ज्यादा से ज्यादा सक्रियता (खासकर सुबह के समय) की सलाह चिकित्सकों द्वारा दी जाती है।

ज्यादा ठंडा दिल के लिए नहीं कूल

अगर आपको भी रोजाना ठंडी-ठंडी सॉफ्ट ड्रिंक गटकने की आदत है, तो आपके लिए वॉर्निंग है। एक नई स्टडी में दावा किया गया है कि रोज एक कैन यानी 350 मिलीलीटर सॉफ्ट ड्रिंक पीने वालों में हार्ट अटैक का खतरा 20 पर्सेंट तक बढ़ जाता है। ये ड्रिंक्स ज्यादा लेने से डायबीटीज और मोटापा बढ़ने की भी आशंका रहती है। हालांकि हफ्ते में दो सॉफ्ट ड्रिंक पीने वालों के दिल को खतरे के लक्षण नहीं दिखे हैं। वैज्ञानिकों ने 40 हजार पुरुषों पर सर्वे के बाद यह नतीजा निकाला। रोजाना सॉफ्ट ड्रिंक्स या दूसरी मीठी कोल्ड ड्रिंक्स लेने वालों के शरीर में खतरनाक फैट और प्रोटींस काफी बढ़ जाते हैं और अच्छे कॉलेस्ट्रॉल की माला घट जाती है। यह दिल के लिए अच्छा नहीं होता। अहम बात यह है कि एक्सरसाइज जैसे फैक्टर्स से भी इसमें फर्क नहीं पड़ता। स्टडी करने वाले वैज्ञानिकों के लीडर डॉ. फ्रैंक हू कहते हैं कि सॉफ्ट ड्रिंक्स के बजाय पानी, चाय और कॉफी लेना बेहतर होता है।

वजन बढ़ाती हैं सॉफ्ट ड्रिंक्स

भारत में एक्सपर्ट डॉक्टर इस स्टडी से पूरी तरह सहमत नहीं हैं लेकिन ज्यादा कोल्ड ड्रिंक से सेहत को खतरे की बात मानते हैं। ड्रिंक्स लेने का मतलब है ज्यादा कैलोरी लेना, जिससे मोटापा बढ़ सकता है जो तमाम बीमारियों की जड़ होता है। 50 मिलीलीटर मीठी सॉफ्ट ड्रिंक्स से 50 एक्स्ट्रा कैलोरी शरीर में पहुंचती है। रोजाना 300 एमएल ड्रिंक का मतलब 150 कैलरी ज्यादा। इससे एक साल में 8-9 किलो वजन बढ़ सकता है।

फ्रिज में रखें ये आहार

यह बहुत जरूरी है कि सोते समय ऐसा पौष्टिक आहार ग्रहण करें जिससे हमारा पेट भरा रहे। रात में खाना खाने के बावजूद भी अगर भूख लग जाती है तो घर की फ्रिज बहुत काम आती है। क्योंकि उसमें ऐसा जरूर कुछ न कुछ होता ही है जिससे हम अपनी भूख शांत कर सकते हैं। आज हम बात करेंगे कि फ्रिज में ऐसी कौन सी जरूरी चीजे रखें जो रात-बिरात हमारे खाने के काम आए।

फल- सेब, पीपीता, स्ट्रॉबेरी और अंगूर जैसे फल पौष्टिक तो होते ही हैं साथ ही इनको कई दिनों तक फ्रिज में भी स्टोर कर के रखा जा सकता है। इन फलों को खाने से शरीर में वसा भी कम होती है। जब भी आप जल्दी में हो या फिर थके हुए हों तो भी आप इनका सेवन कर सकते हैं।

सब्जियां- कुछ सब्जियां जैसे कि टमाटर या फिर गाजर खाने से पेट भी भरा रहता है और स्वाद में भी यह बहुत टेस्टी होते हैं। टमाटर खाने से शरीर का फैट बर्न होता है और गाजर में विटामिन ए होता है जिससे आंखों की रौशनी बढती है। तो इसलिए यह दोनों सब जयां तो आपकी फ्रिज में होनी ही चाहिए।

दूध- वसा रहित दूध रात में आपकी भूंख से जा रही जान को बचा सकता है। यह सेहत के हिसाब से भी बहुत अच्छा होता है। किसी भी समय दूध को फल के साथ खाने से सेहत बनती है। दूध में कैल्शियम पाया जाता है और वसा रहित दूध से फैट नहीं होता।

दही- यह सेहत से भरपूर दही आप या तो ऐसे ही खा सकते हैं या फिर सलाद में डाल कर इसका प्रयोग कर सकते हैं। जब भी आप कॉलेज या ऑफिस के लिए लेट हों तब दही में नमक या चीनी मिला कर खाने से पेट भर जाता है और पेट भी सही रहता है।

नींबू- हर फ्रिज में नींबू होना बहुत जरुरी है। इसको खाने में स्वाद तो बढाता ही है साथ में फैट भी बर्न करता है। सलाद बना कर नींबू की कुछ बूंदें डालने से स्वाद आता है और नींबू का शरबत पीने से पेट भर जाता है।

फ्रूट से फ्रेशनेस रहे कायम

त्वचा की सही तरीके से देखभाल के लिए समय की दरकार होती है, पर टाइट शेड्यूल के चलते वैसा केयर संभव नहीं हो पाता है। लेकिन सौंदर्य विशेषज्ञ मोनिका झावेरी बता रही है कुछ फ्रूट मॉस्क के बारे में, जिनकी मदद से आप कम समय में भी खिला चेहरा पा सकते हैं। आइए जानते हैं उन्हें..

एप्पल मास्क

सामान्य त्वचा के लिए एप्पल मॉस्क मुफीद रहता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले सेब के टुकड़ों को फूड प्रोसेसर में डालें और उनके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब इसमें शहद मिलाएं और इसे फ्रिज में 10 मिनट के लिए रख दें। अब इस मिश्रण को चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं। चेहरे पर लगाने के बाद इसे 30 मिनट के लिए वैसा ही छोड़ दें और फिर धो दें। सेब में विटामिन ए, बी और सी की बढ़िया माला होती है, लिहाजा यह एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट भी है।

ऑरेंज मास्क

मुंहासे एक सामान्य समस्या है और कुछ लोगों को यह अक्सर परेशान करती है। खासतौर से किशोरवय के लोग इससे ज्यादा जूझते रहते हैं। मुंहासों से भरी त्वचा के लिए ऑरेंज मॉस्क बढ़िया काम करता है। इसे बनाने के लिए संतरे में एक टी-स्पून पुदीना और नीबू का रस मिलाएं और फिर इसे चेहरे पर लगाएं। इसे चेहरे पर लगाने के बाद 30 मिनट के लिए छोड़ दें और चेहरा धो लें।

जैसा कि हम जानते हैं, संतरे में विटामिन सी भरपूर होता है, इसलिए यह एंटी-ऑक्सीडेंट और जिंक का बेहतरीन स्रोत है। यह न केवल मुंहासे से बचाव करता है, बल्कि त्वचा की भीतरी सफाई कर मृत त्वचा को निकालने में भी मदद करता है। चेहरे से काले धब्बों को भी यह हटाता है। वैसे इन समस्याओं से निजात पाने के लिए संतरे के जैसे और दूसरे खट्टे फल का भी उपयोग किया जा सकता है।

स्ट्रॉबेरी मॉस्क

इस मॉस्क का उपयोग कमजोर त्वचा को मजबूत बनाने के लिए किया जाता है। इसे बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले, पके हुए स्ट्रॉबेरी का आधा कप जूस लें और इसमें एक चौथाई कप कॉर्न स्टार्च मिलाएं। लीजिए, हो गया तैयार। अब इसे चेहरे पर 30 मिनट तक लगाकर रखें, फिर इसे ठंडे पानी से धो दें। आप अपनी कमजोर त्वचा में कसावट व ताजगी पाएंगे। देखने वालों को इसमें चमक दिखाई पड़ेगी।

मोटापा बनता गर्भधारण में रुकावट

मोटापा महिलाओं के मां बनने के रास्ते में बहुत बड़ी बाधा खड़ी कर रहा है। पहले तो मोटी महिला गर्भ धारण बहुत ही मुश्किल से कर पाती है और यदि गर्भ ठहर भी जाए तो उसे कई जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। इस लिए ध्यान रखें कि गर्भधारण करने के पहले चर्बी न बढ़ाएं। मोटापा गर्भवती महिला की जान भी ले सकता है। मोटापा पेट में पल रहे बच्चे को भी हानि पहुंचाता है। ऐसी स्थिति में पेट में पल रहा बच्चा भी काफि मोटा हो जाता है।

महिलाओं का मोटापा उनको बांझपन की ओर ले जा रहा है। कई शोधों से पता चला है कि मोटापा गर्भधारण करने में बहुत बड़ी अड़चन है। जो महिला मोटापे के बाद गर्भधारण कर के बच्चे को जन्म देती है उसका बच्चा भी 4 चार की उम्र तक आते आते मोटा हो जाता है। जो कि ठीक नहीं है। इस कारण आज की महिला अपने मोटापे को बड़ने नहीं देती जयरत पड़ने पर वह सर्जरी भी करवाती है। सर्जरी के बाद उनको गर्भधारण करने के लिए कम से कम दो साल का इंतजार करना पड़ता है।

मुलहठी के मीठे उपयोग

छोटे बच्चों और बच्चों के लिए आमतौर पर उपयोग में लाई जाने वाली वनौषधियों में एक है- मुलहठी, इसे जेठीमध, मधुक, मधुयस्टि भी कहते हैं। अँग्रेजी में इसे लिकोरिस कहते हैं।विभित्र प्रकार के रोगों की एक दवा मुलहठी है।यह स्वाद में मधुर, शीतल, पचने में भारी, स्निग्ध और शरीर को बल देने वाली होती है। इन गुणों के कारण यह बढ़े हुए तीनों दोषों को शांत करती है।

'खाँसी-जुकाम से बढ़े हुए कफ को कम करने के लिए मुलहठी का ज्यादातर उपयोग किया जाता है। बढ़े हुए कफ से गला, नाक, छाती में जलन हो जाने जैसी अनुभूति होती है, तब मुलहठी को शहद में मिलाकर चाटने से बहुत फायदा होता है।

'बड़ों के लिए मुलहठी के चूर्ण का इस्तेमाल कर सकते हैं। शिशुओं के लिए मुलहठी के जड़ को पत्थर पर पानी के साथ 6-7 बार घिसकर शहद या दूध में मिलाकर दिया जा सकता है। यह स्वाद में मधुर होती है अतः सभी बच्चे बिना झिझक के इसे चाट लेते हैं।

'मुलहठी बुद्धि को भी तेज करती है। अतः छोटे बच्चों के लिए इसका उपयोग नियमित रूप से कर सकते हैं।

'मुलहठी की मधुरता से पित्त का नाश होता है। आमाशय की बढ़ी हुई अम्लता एवं अम्लपित्त जैसी व्याधियों में मुलहठी काफी उपयुक्त सिद्ध होती है। आमाशय के अंदर हुए व्रण (अलसर) को मिटाने के लिए एवं पित्तवृद्धि को शांत करने के लि मुलहठी का उपयोग होता है। मुलहठी को मिलाकर पकाए गए घी का प्रयोग करने से अलसर मिटता है।

'यह हल्की रेचक होती है। अतः पाचन के विकारों में इसके चूर्ण को इस्तेमाल किया जाता है। विशेषतः छोटे बच्चों को जब कब्ज होती है, तब हल्के रेच के रूप में इसका उपयोग किया जा सकता है। छोटे शिशु कई बार शाम को रोते हैं। पेट में गैस के कारण उन्हें शाम के वक्त पेट में दर्द होता है। उस समय मुलहठी को पत्थर पर घिसकर पानी या दूध के साथ पिलाने से पेट दर्द शांत हो जाता है।

अतः खाँसी, दमा, टीबी एवं स्वरभेद (आवाज बदल जाना) आदि फेफड़ों की बीमारियों में बहुत लाभदायक है। कफ के निकल जाने से इन रोगों के साथ बुखार भी कम हो जाता है। इसके लिए मुलहठी का एक छोटा टुकड़ा मुँह में रखकर चबाने से भी फायदा होता है।

स्क्रबिंग से पाएँ रेशमी त्वचा

सुंदर दिखने की पहली शर्त है स्वस्थ-सुंदर त्वचा। चाहे आप कामकाजी हों या घरेलू, आप की त्वचा को वातावरण के प्रदूषण, धूल-मिट्टी इत्यादि का सामना करना ही पड़ता है। उनके कारण त्वचा मुरझाई-सी दिखने लगती है। ऐसी त्वचा को निखारने के लिए स्क्रबिंग बहुत जरूरी है। स्क्रब त्वचा की मृत कोशिकाओं, धूल इत्यादि को हटाकर रोमछिद्रों को बंद होने से रोकता है। इससे त्वचा हेल्दी एवं ग्लोइंग नजर आती है।

फेस स्क्रब का इस्तेमाल 25 साल की उम्र के बाद जरूर करना चाहिए। संवेदनशील त्वचा या पिंपलयुक्त स्किन पर स्क्रबिंग न करना ही ठीक होगा। यूँ तो बाजार में कई तरह के फेस स्क्रब मिलते हैं लेकिन आप घर पर भी बढ़िया स्क्रब तैयार कर सकती हैं। आइए जानें कैसे-

राइस स्क्रब :

इसे बनाने के लिए 1/2 कप दही में 2 टेबलस्पून चावल का आटा मिलाएँ। नहाने के पहले इसे शरीर पर लगाएँ फिर धो दें। आप तरोताजा महसूस करने लगेंगी।

बादाम का स्क्रब :

1 टेबलस्पून पिसे बादाम में दूध मिलाकर पेस्ट बनाएँ। इससे चेहरा स्क्रब करें। कुछ देर बाद ठंडे पानी से धोएँ। आप की त्वचा मुलायम हो जाएगी चाहे तो इसमें वॉलनट पाउडर भी मिले लें।

लेंटिल स्क्रब :

1/4 कप लाल मसूर दाल को पीसकर पावडर बना लें। इसमें 1 टेबलस्पून चंदन का चूरा और संतरे का रस मिलाकर स्क्रब तैयार करें।

सी सॉल्ट स्क्रब :

समुद्री नमक को दरदरा पीस लें व इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बनाएँ। इससे शरीर की, विशेषकर घुटने, कुहनियों की स्क्रबिंग करें। आपकी त्वचा साफ, मुलायम हो जाएगी।

ऑरेंज पील स्क्रब :

ऑरेंज पील पावडर में कुछ बूँदे एसेंशियल ऑइल एवं दूध मिलाकर तैयार पेस्ट से चेहरे की स्क्रबिंग करें। इससे त्वचा साफ-सुंदर हो जाएगी।

ऑरेंज पैन केक

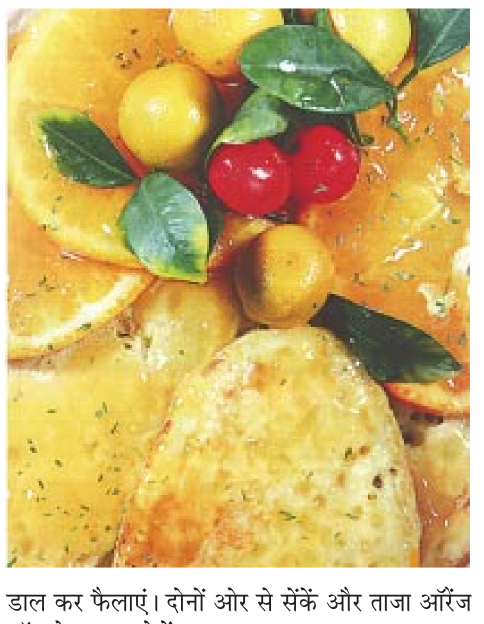

सामग्री पैन केक के लिए : 1 कप मैदा, 2 बड़े चम्मच बटर, 1/2 कप दूध, छोटा चम्मच ऑरेंज रिंड और 1/4 छोटा चम्मच सोडा बाइकार्बोनेट।

सामग्री ऑरेंज सॉस के लिए : 1 कप ऑरेंज जूस, 1 छोटा चम्मच कॉर्नफ्लोर, 1 छोटा चम्मच चीनी, 1 छोटा चम्मच शहद, थोड़े से ऑरेंज स्लाइस, थोड़ी-सी चेरी और 1/2 छोटा चम्मच ऑरेंज रिंड (संतरे के छिलके का सफेद भाग खुरच कर निकाल दें व छिलका बारीक काटें)।

विधि : सॉस की सभी सामग्री मिलाएं और गाढ़ा होने तक पकाएं। पैन केक की सामग्री मिलाएं। पैन में बटर गर्म करें, एक कलछी से पैन केक का मिश्रण डाल कर फैलाएं। दोनों ओर से सेंकें और ताजा ऑरेंज सॉस के साथ परोसें।

शादी लगे खूबसूरत जब दोनों बढ़ें साथ

सफल शादियाँ वे होती हैं, जिनमें व्यक्तिगत रूप से दोनों को संतुष्टि हो, जिसमें दोनों की हर स्तर पर तरक्की हो, लेकिन यहाँ एक विरोधाभास है। हम यह भी तो कहते हैं कि विवाह की कामयाबी के लिए अपनी खुशी के ऊपर वैवाहिक रिश्ते को प्रमुखता देना जरूरी है!

आप अपने जीवनसाथी के साथ वर्षों से रह रहे हैं तो इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि आप एक खुशनुमा वैवाहिक जीवन का लुत्फ ले रहे हैं। अधिकांशत: वैवाहिक जोड़े बच्चों, सामाजिक प्रतिष्ठा या अन्य कारणों के चलते साथ रहते हैं, लेकिन क्या पति-पत्नी के साथ रहने के लिए ये वजहें काफी हैं? स्टेट यूनिवर्सिटी (न्यूयॉर्क) में साइकोलॉजी के प्रोफेसर और लेखक आर्थर आरन का कहना है कि लंबे वैवाहिक जीवन का राज संप्रेषण कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक सहयोग और तनाव संबंधी बातों से जुड़ा है। अर्थात विवाह के पश्चात पति-पत्नी दोनों मानसिक रूप से खुश रहें, दोनों के बीच बेहतर संवाद हो, तनाव न हो और दोनों को एक-दूसरे का सपोर्ट मिले, लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि इससे आपको आपकी जिन्दगी अर्थपूर्ण और खुशगवार लगे ही।

कहा जाता है कि सबसे सफल शादियाँ वे होती हैं, जिनमें व्यक्तिगत रूप से दोनों को संतुष्टि हो, जिसमें दोनों की हर स्तर पर तरक्की हो, लेकिन यहाँ एक विरोधाभास है। हम यह भी तो कहते हैं कि विवाह की कामयाबी के लिए अपनी खुशी के ऊपर वैवाहिक रिश्ते को प्रमुखता देना जरूरी है!

गढ़ें एक-दूजे को

शताब्दियों से विवाह का आर्थिक और सामाजिक महत्व रहा है। विवाह को कायम रखने के लिए हमेशा भावनात्मक और बौद्धिक जरूरत को दोयम माना जाता रहा है। बदलते दौर में इस सोच में बदलाव आया है। अब युवक-युवतियाँ विवाह के लिए ऐसा साथी चाहते हैं, जो उनकी जिंदगी को और मनोहर बना सके। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिज (एमस्टर्डम) की शोधकर्ता कैरिल रसबल्ट इसे 'माइकल एंजेलो प्रभाव' का नाम देती हैं। अर्थात विवाह वह है, जिसमें दोनों पार्टनर एक-दूसरे को गढ़ते हैं, बनाते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं।

यदि आप आत्मविकास चाहते हैं और अपने पार्टनर की मदद से उसे पाते हैं, तो आपके जीवन में आपके पार्टनर का महत्व स्वत: ही बढ़ जाता है, साथ ही पार्टनर की मदद करके आपको भी संतुष्टि होती है। इस प्रकार आपका वैवाहिक संबंध मजबूत होता जाता है।

अगर आपका साथी कुछ रचनात्मक कार्यों से जुड़ा है अथवा वह मजाकिया है तो आप भी निश्चित ही पहले से कुछ बदल जाते हैं, अगर आप कुछ सामाजिक कार्यों से जुड़े हैं तो आपके साथी के लिए भी इस दिशा में कार्य करने के रास्ते खुल जाते हैं। शोधों का यह भी कहना है कि कालांतर में आप अपने साथी की विशेषताओं को ग्रहण करने लगते हैं।

एक शोध में पाया गया कि जब पार्टनर एक-दूसरे के अत्यधिक करीब थे, तो उनके मस्तिष्क ने यह बात पहचानने में अधिक समय लगाया कि उनकी और उनके पार्टनर की अलग-अलग विशेषताएँ क्या हैं, जबकि जो विशेषताएँ दोनों में मौजूद थीं, उन्हें झट पहचान लिया गया। इसका मतलब यह नहीं है कि ये जोड़े अपनी शादी के बाद अपनी व्यक्तिगत विशेषता पूरी तरह खो चुके हैं, अपितु वे आगे बढ़े हैं। अब जो उनके लक्षण हैं, कार्य हैं, व्यवहार है, वह इस रिश्ते से पहले नहीं हुआ करते थे, लेकिन अब वे उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा हैं। यह उनके भविष्य की खुशियों का परिचायक भी है। अगर आपका पार्टनर आपको एक अच्छा व्यक्ति बनने में मदद कर रहा है तो आप इस रिश्ते से प्रसन्न और संतुष्ट रहते हैं।

आकर्षक फिगर हेतु कुछ टिप्स

- तंदुरूस्त रहने हेतु रोजाना कम से कम 15-20 मिनट व्यायाम अवश्य करें। इससे शरीर हृष्ट-पुष्ट होगा व चेहरे पर भी चमक आएगी।
- तैराकी एक अच्छा व्यायाम है इसलिए तैरना शुरू करें। सप्ताह में 5 दिन तैरने का नियम बनाएं।
- अगर आप शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट हैं तो आपको बहुत अधिक खुराक की जरूरत नहीं होती। अपने एक समय के मुख्य भोजन में से अनाज को निकाल दें। इसकी बजाय दूध, सूप, दाल व सब्जियों का सेवन करें।
- अधिक मीठे पदार्थों का सेवन न करें। ये आपके फिगर के लिए ठीक नहीं हैं। इन्हें खाने से आपको मोटापा आ सकता है इसलिए इनका लोभ छोड़ दें।
- अगर आपके पास व्यायाम करने का समय नहीं हो तो कुछ हाथों द्वारा करने वाली एक्सरसाइज करें जिन्हें आप अपने काम के दौरान ही कर सकते हो।
- अधिक तले-भुने पदार्थ आपके फिगर को अनाकर्षक बनाने में सहायक होते हैं। अत: इनका सेवन कम से कम करें।
- बैठने, उठने व खड़े होने का सही ढंग अपनाएं। इससे भी फिगर पर असर पड़ता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2029

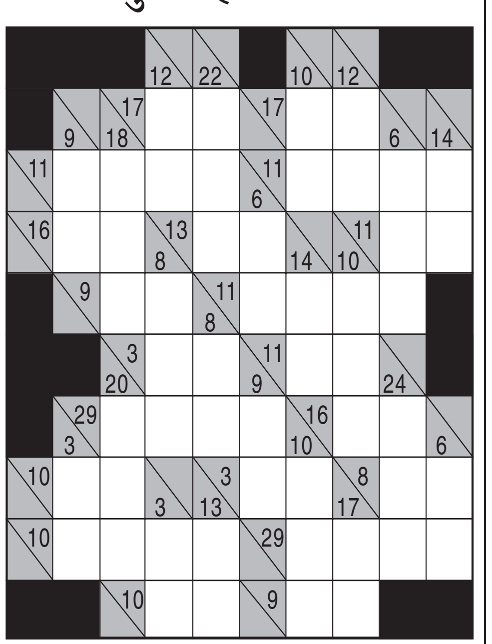

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

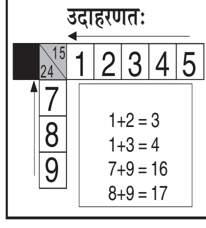

काकुरो - 2028 का हल

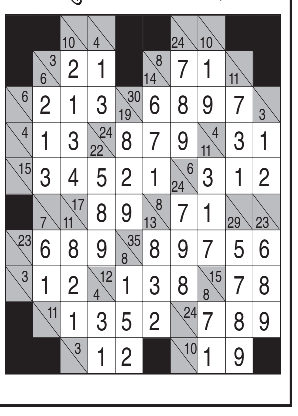

लॉफिंग जौक्स

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), ''तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।''

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली - 2029

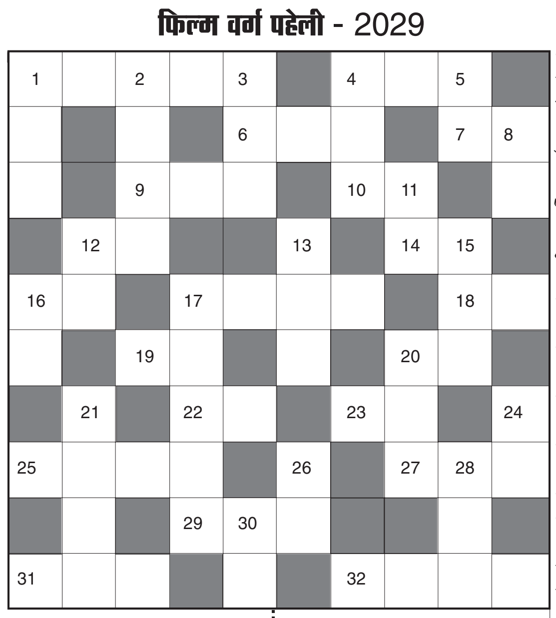

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2028

सूडोकु -2029

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2028 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 2029

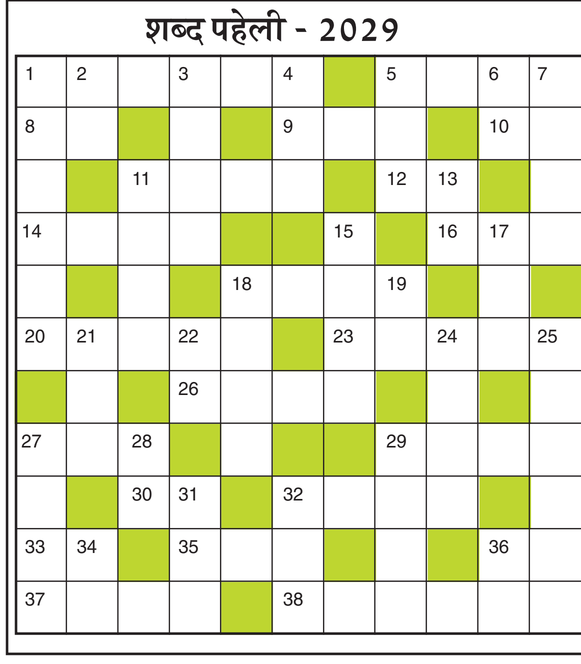

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -2028 का हल

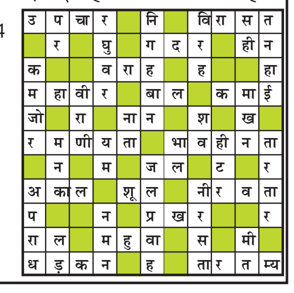

बिहार नई करवट ले रहा है, इसलिए वहां एनडीए की सरकार होना जरूरीः यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि आज बिहार नई करवट ले रहा है। ऐसे में देश में और बिहार में एनडीए की सरकार होना जरूरी है। डॉ यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त

शर्मा, बिहार शासन के मंत्री राजू कुमार सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद ने आज यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में बिहार दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान के तहत आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

राजस्थान में खेल में खेल नहीं होने देंगे, भजन लाल सरकार खेलों के लिए प्रतिबद्धः राज्यवर्धन राठौड़

जयपुर। प्रदेश के खेल एवं युवा मामले मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा है कि राजस्थान में खेल के साथ खेल नहीं होने देंगे क्योंकि भजनलाल सरकार खेल के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य की सभी खेल फेडरेशनों और समितियों की जिम्मेदारी है कि खेल के लिए विवेकपूर्ण और समझदारी से निर्णय लिए जाएं। खेल परिषद को वित्तीय ऑडिट की मांग करनी चाहिए। खेल परिषद सभी खेल निकायों-क्रिकेट शामिल, के उच्च स्तर के शासन को बनाए रखने में मदद करेगी, जैसा कि बीसीसीआई द्वारा अनिवार्य किया गया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि उनकी सरकार राज्य में खेल के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और खेलों के साथ किसी भी तरह का खेल नहीं होने देगी। उन्होंने राज्य की सभी खेल फेडरेशनों और समितियों से खेल के विकास के लिए विवेकपूर्ण और समझदारी से निर्णय लेने का आह्वान किया है। उन्होंने खेल परिषद से सभी खेल निकायों के वित्तीय ऑडिट की मांग करने के लिए भी कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल परिषद सभी खेल निकायों, जिसमें क्रिकेट भी शामिल है, के उच्च स्तर के शासन को बनाए रखने में मदद करेगी, जैसा कि बीसीसीआई द्वारा अनिवार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में खेल के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

राजस्व अधिकारी भर्ती परीक्षा संपन्न, 29.03 प्रतिशत उपस्थिति, 6761 अभ्यर्थी रहे गैरहाजिर

दौसा। राजस्व अधिकारी ग्रेड-2 एवं अधिशाषी अधिकारी ग्रेड-4 भर्ती परीक्षा जिला मुख्यालय के 25 केंद्रों पर आयोजित हुई, जिसमें 29.03 फीसदी अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा के लिए 9528 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 2765 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 6761 अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। केंद्रों पर कड़ी जांच के बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। सुबह 11 बजे परीक्षा केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए। देरी से आए अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दिया गया। इंपल्स कॉलेज का गेट बंद होने के बाद 2 मिनट की देरी से आए अभ्यर्थी को परीक्षा से वंचित होना पड़ा। जयपुर से दौसा परीक्षा देने अपने मासूम बच्चे के साथ आई ज्योति मीणा परीक्षा केंद्र पर 11:01 बजे पहुंची। परीक्षा केंद्र पर उसे प्रवेश नहीं दिया गया। ज्योति का कहना था कि वह बच्चे को दूध पिलाने लगी, इसलिए 1 मिनट लेट हो गई। लेकिन परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया।

चिराग पासवान ने दुर्घटना में घायल युवक को पहुंचाया अस्पताल, हो रही तारीफ

जहानाबाद। कहा जाता है कि मारने वाले से बड़ा बचाने वाला होता है। कुछ ऐसा ही बिहार के जहानाबाद जिले के कड़ौना थाना क्षेत्र में देखने को मिला, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हनुमान कहे जाने वाले केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने सड़क पर पड़े एक घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। चिराग पासवान पटना से गया जा रहे थे। इसी दौरान जहानाबाद हाइवे पर कोड़िहरा गांव के समीप सड़क हादसे में घायल शांतनु कुमार सड़क पर मदद के लिए तड़प रहे थे।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब केंद्रीय मंत्री ने घायल व्यक्ति को देखा तो अपना काफिला रुकवाकर उन्हें अपनी गाड़ी में लेकर सदर अस्पताल पहुंच गए और उन्हें भर्ती कराया। आनन-फानन में तत्काल चिकित्सकीय सुविधा मिल जाने से घायल शांतनु कुमार अब खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि चिराग पासवान ने एंबुलेंस आने का इंतजार नहीं किया।

हरदीप सिंह पुरी ने सोनभद्र में 309 महिलाओं को दिए सौर चूल्हे, बताया ऊर्जा क्रांति का प्रतीक

एजेंसी

सोनभद्र/नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में 309 महिलाओं में 'सूर्य नूतन' चूल्हा के तहत सौर चूल्हे वितरित किए। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों से संवाद भी किया। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर साल 2017 में सूर्य नूतन चूल्हा कार्यक्रम चलाया गया था। किचन में क्रांति ला रहे सोलर कुकटॉप से ग्रीन और क्लीन कुकिंग को नया आयाम मिल रहा है। यह मोदी सरकार की इच्छाशक्ति और देश में ऊर्जा क्रांति के लिए किए जा रहे उपायों का भी प्रतीक है। हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सोनभद्र में मुझे लगभग 309 बहनों को सूर्य नूतन चूल्हा प्रदान करने और लाभार्थियों से संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ। सोलर चूल्हे के इनोवेशन का आह्वान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2017 में

किया था और नया भारत 2023 में एक रिमार्केबल सॉल्यूशन के साथ खड़ा हो गया।' उन्होंने लिखा, 'किचन में क्रांति ला रहा सोलर कुकटॉप ग्रीन और क्लीन कुकिंग को नया आयाम दे रहा है। यह मोदी सरकार की इच्छाशक्ति और देश में ऊर्जा क्रांति के लिए किए जा रहे उपायों का भी प्रतीक है।' केंद्रीय मंत्री ने लिखा, 'इको फ्रेंडली और यूजर फ्रेंडली यह चूल्हा एक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए थर्मल स्टोरेज मटेरियल में सूर्य से प्राप्त होने वाली ऊर्जा को एकत्र करता है और एकत्रित ऊर्जा को खाना पकाने के लिए रसोई के अंदर उपयोग किया जाता है। यह चूल्हा हर मौसम में दिन और रात खाना बनाने में सक्षम है। रसोई में खाना पकाने के दौरान यह डिस्चार्ज होने के साथ चार्ज भी हो सकता है।' उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर 25 सितंबर 2017 को इंडियन ऑयल तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक स्वदेशी सोलर कुक टॉप %सूर्य नूतन% विकसित किया। यह एक स्थान पर स्थापित, रिचार्जेबल और रसोई से हमेशा जुड़ी हुई एक इनडोर सोलर कुकिंग प्रणाली है। यह सूर्य की रोशनी से चार्ज करते समय ऑनलाइन कुकिंग मोड प्रदान करता है जो सिस्टम की दक्षता को अधिकतम करता है और सूर्य से ऊर्जा का सर्वाधिक उपयोग सुनिश्चित करता है।

गैंगस्टर और ड्रग तस्कर जग्गू भगवानपुरिया पंजाब से असम जेल में स्थानांतरित

एजेंसी

चंडीगढ़। गैंगस्टर और ड्रग तस्कर जगदीप सिंह उर्फ जग्गू भगवानपुरिया को पीआईटी एनडीपीएस एक्ट, 1988 के तहत बठिंडा (पंजाब) से सेंट्रल जेल से सिलचर (असम) में स्थानांतरित कर दिया गया है। भगवानपुरिया पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या का भी आरोपी है। उसके आपराधिक नेटवर्क ने हेरोइन, अफीम, नशीले पदार्थों और अवैध हथियारों की तस्करी में मदद की है। उलेखनीय है कि जगदीप सिंह उर्फ जग्गू भगवानपुरिया पंजाब के गुरदासपुर का रहने वाला है। वह 2012 से अब तक 128 मामलों में शामिल रहा है, जिसमें हाई-प्रोफाइल हत्या के मामले, जबरन वसूली, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत 12 मामले शामिल हैं। वह सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में भी आरोपी है। उसके आपराधिक नेटवर्क ने हेरोइन, अफीम, साइकोट्रोपिक पदार्थों और अवैध हथियारों की तस्करी में मदद की। उसने कई मामलों में पंजाब की उच्च सुरक्षा वाली जेलों के भीतर से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए बार-बार मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया है। कनाडा, अमेरिका और पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय गुर्गों के साथ जगदीप सिंह के स्थापित संबंधों ने पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करने और आपराधिक गतिविधियों को जारी रखने के लिए उसके स्थानांतरण को उचित ठहराया। उसे नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों में अवैध तस्करी की रोकथाम अधिनियम के तहत हिरासत में लिया।

मणिपुर हाई कोर्ट की 12वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुआ सुप्रीम कोर्ट के जजों का प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर हाई कोर्ट की 12वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में जस्टिस बीआर गवई के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के एक प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया। यहां जस्टिस गवई ने मणिपुर हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सचिवालय सहित कई न्यायिक भवनों और परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। समारोह को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह ने कहा कि राज्य की चुनौतियों का समाधान संविधान के दायरे में रहकर ही संभव है। उन्होंने संविधान को कठिन परिस्थितियों में मार्गदर्शन देने वाला प्रकाशस्तंभ बताया। प्रतिनिधिमंडल ने चुराचांदपुर और बिष्णुपुर जिलों का दौरा किया। जस्टिस सिंह ने चुराचांदपुर की समृद्ध परंपराओं और जीवंत समुदाय की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र ने मणिपुर हाई कोर्ट को दो प्रतिष्ठित न्यायाधीश दिए हैं, जो इसकी न्यायिक योगदान की महत्ता को दर्शाता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे देश

को सशक्त बनाने में अपना योगदान दें और किसी भी ऐसे कार्य से बचें, जिससे देश कमजोर हो। कानूनी समुदाय को उन्होंने आश्वासन दिया कि कड़ी मेहनत और ईमानदारी का हमेशा सम्मान किया जाता है, चाहे स्थान कितना भी दूरदराज क्यों न हो। अपने दौरे के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने राहत शिविरों में विस्थापित लोगों से भी मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने चुराचांदपुर जिले के लाम्का स्थित मिनी सचिवालय से वर्चुअल रूप से एक विधिक सेवा शिविर, एक चिकित्सा शिविर और एक विधिक सहायता क्लीनिक का उद्घाटन भी किया।

नासिक में सिंहस्थ कुंभ के लिए उत्तर प्रदेश की तर्ज पर बनेगा मेला कानूनः मुख्यमंत्री फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने नासिक में कहा कि 2027 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ के लिए उत्तर प्रदेश की तर्ज पर मेला कानून बनाया जाएगा। साथ ही कुंभ मेला के दौरान गोदावरी का पानी साफ रखने की भी व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आज सिंहस्थ कुंभ मेला की तैयारियों की समीक्षा करने के बाद कार्ययोजना की रूपरेखा बताई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नासिक जिले का दौरा किया। इस बार उन्होंने त्र्यम्बकेश्वर मंदिर के दर्शन किये। उन्होंने कुशावर्त तीर्थ स्थल का भी निरीक्षण किया। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वह त्र्यंबकेश्वर के लिए विकास योजना तैयार कर ली गई है। कुंभ मेले के अवसर पर नासिक और त्र्यंबकेश्वर का विकास किया जाना चाहिए। पूरे देश से लोग यहां आते हैं। इसलिए यहां गलियारों का निर्माण, पार्किंग, शौचालय, मंदिरों और तालाबों की मरम्मत की जाएगी। गया ब्रह्मगिरी क्षेत्र में प्राकृतिक पथ बनाए जाएंगे। एसटीपी का नेटवर्क बनाकर

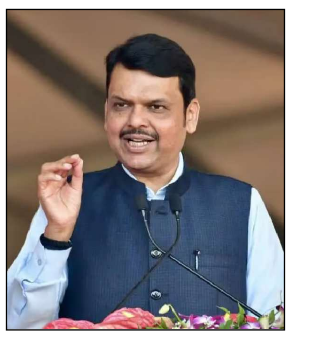

पानी की शुद्धता सुनिश्चित करने की योजना तैयार की गई है। किसी भी स्थिति में कुंभ मेले से पहले सिंहस्थ का काम पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्य के लिए बहुत बड़ी मात्रा में धन की आवश्यकता होगी। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इस कार्य के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। त्र्यंबक के संतों ने मांग की है कि कुंभ मेले की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लें। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री होने के नाते यह मेरी जिम्मेदारी है, इसलिए हाल ही में उत्तर प्रदेश में हुए कुंभ की तर्ज पर मेला प्राधिकरण बनाकर उसे कानूनी ढांचा भी दे रहे हैं। उन्होंने कुशावर्त तीर्थ का निरीक्षण करने के बाद वहां के पानी को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह कुंभ मेला नासिक और त्र्यंबक दोनों जगहों पर आयोजित होता है, लेकिन त्र्यंबकेश्वर का महत्व अद्वितीय है। त्र्यंबकेश्वर में एक शिवलिंग है, जहां ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों एक साथ विराजमान हैं। इसलिए हमारी सम्पूर्ण आध्यात्मिक व्यवस्था में त्र्यम्बकेश्वर का स्थान बहुत ऊंचा है।

संभल जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गिरफ़्तार

एजेंसी

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और एडवोकेट ज़फ़र अली को कई घंटों की पूछताछ के बाद गिरफ़्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनकी गिरफ़्तारी की पुष्टि की है, लेकिन अब तक कोई अधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बीबीसी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि पुलिस ने डिजिटल साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ज़फ़र अली को गिरफ़्तार किया है। रविवार सुबह उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था, जिसके बाद उन्हें जज के सामने पेश करने के लिए ले जाया गया। संभल में पिछले साल नवंबर में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर भारी तनाव हुआ था। इस दौरान भड़की हिंसा में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई थी, हालांकि पुलिस ने चार मौतों की ही आधिकारिक पुष्टि की थी। मारे गए सभी लोग मुस्लिम समुदाय से थे। इस घटना के बाद पुलिस ने हिंसा के आरोप में कई लोगों को गिरफ़्तार किया है। ज़फ़र अली, जो जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हैं और अदालत में मस्जिद की तरफ़ से पेश होते रहे हैं, उनकी गिरफ़्तारी से क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

ज़फ़र अली की गिरफ़्तारी से जुड़ी परिस्थितियों को लेकर अब तक कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। स्थानीय समुदाय की प्रतिक्रिया और प्रशासन के अगले कदम पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

हर मुसलमान औरंगजेब को आदर्श नहीं मानता, कब्र हटाई जाए : संजय निषाद

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद की अधिकार यात्रा वाराणसी पहुंची। इस दौरान उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें उन्होंने कई अहम मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने बताया कि निषाद राज की जयंती पर प्रयागराज की धरती पर अधिवेशन होगा। औरंगजेब की कब्र को लेकर जारी सियासी तनाव पर टिप्पणी करते हुए संजय निषाद ने कहा कि औरंगजेब को हर मुसलमान भाई अपना आदर्श नहीं मानता है। मुसलमानों की स्थिति एससी-एसटी से भी बदतर है। औरंगजेब के इतिहास को मिटा देना चाहिए और उसकी कब्र को भी हटाना चाहिए। इस्लाम एक अलग धर्म है और औरंगजेब उसका हिस्सा नहीं है। कुछ राजनीतिक पार्टियां ऐसे मुद्दों पर राजनीति करती हैं, जिन्हें नाम लेना

ठीक नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के नेताओं पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि सपा के नेता कहते हैं कि औरंगजेब उनका आदर्श है, अगर वह उनका आदर्श है तो वह अपने बेटे का नाम औरंगजेब रख लें। उन्होंने आगे कहा कि औरंगजेब का इतिहास न केवल विवादास्पद है, बल्कि उसे लोगों के बीच नफरत फैलाने वाला भी माना जाता है। एक घटना का जिक्र करते हुए संजय निषाद ने कहा कि हम लोग एक बार औरंगाबाद गए थे, तो वहां टेंपो से जाने वाले लोग अपने साथ पत्थर लेकर चलते थे। मैंने पूछा क्यों, तो लोगों ने बताया कि रास्ते में औरंगजेब की कब्र पड़ती है, जहां लोग पत्थर मारते हैं। वक्फ बोर्ड को समाप्त करने के लिए 30 मार्च को दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। इस पर संजय निषाद ने कहा कि मुसलमानों को यह चाहिए कि वक्फ की ज़मीन गरीबों के काम आए, न कि वह भ्रष्टाचार के लिए इस्तेमाल हो। संजय निषाद ने भाजपा विधायक के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'बाबा दिल्ली चले जाएं और केशव प्रसाद मौर्य यूपी की कमान संभालें।? निषाद ने कहा कि यह बयान व्यक्तिगत हो सकता है और लोगों के मन में ऐसे विचार आते रहते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमारे अभिभावक हैं और उनकी नेतृत्व में हम सभी काम कर रहे हैं।

बीजापुर में 22 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत अंडरी के जंगल में गुरुवार को मुठभेड़ में 26 नक्सलियों के मारे जाने के बाद नक्सलियों में भय व्याप्त है।

नक्सलियों के कोर इलाकों में सुरक्षा कैंप की स्थापना से बढते दबाव के फलस्वरूप 11 लाख के इनामी एओबी डिवीजन सदस्य, तेलंगाना स्टेट कमेटी सदस्य, प्लाटून सदस्य सहित 22 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। डीआरजी, बस्तर फाईटर, एसटीएफ, कोबरा एवं केरिपु बल द्वारा किये जा रहे संयुक्त प्रयासो से तथा छग. शासन की पुनर्वास एवं आत्मसर्पण नीति तथा नियद नेल्ला नार योजना की भी नक्सलियों के आत्मसमर्पण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन नक्सलियों ने सीआरपीएफ के डीआईजी देवेंद्र सिंह नेगी, पुलिस

अधीक्षक बीजापुर डॉ जितेन्द्र कुमार यादव के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। कमांडेंट 222 विरेन्द्र सिंह, कमांडेंट 85वी बटालियन केरिपु सुनील कुमार राही, कमांडेंट 153 बटालियन अमित कुमार, कमांडेंट 168 बटालियन विक्रम सिंह, कमांडेंट 170वी बटालियन सरकार राजा रमन, कमांडेंट 196 बटालियन कुमार मनीष कमांडेट 229 बटालियन चंदम बोबी सिंह कमांडेंट कोबरा 201 अमित कुमार चौधरी कमांडेंट 202 कोबरा अमित अशोक कुमार, अति पुलिस अधीक्षक नक्सल अभियान मयंक गर्जर, अति. पुलिस अधीक्षक ऑप्स यूलैण्डन यॉर्क, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस तिलेश्वर यादव, उप पुलिस अधीक्षक डीआरजी विनीत साहू उप पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स सुदीप सरकार, उप पुलिस अधीक्षक बस्तर फाईटर चन्द्रहास भी नक्सलियों के आत्मसमर्पण के दौरान उपस्थित रहे । सभी आत्मसमर्पित 22 नक्सली फायरिंग, आईईडी ब्लास्ट और आगजनी जैसे वारदातों में शामिल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बीजापुर जिले में वर्ष 2025 में अब तक 107 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड का अभूतपूर्व विकासः भगत सिंह कोश्यारी

एजेंसी

हल्द्वानी। उत्तराखंड सरकार के तीन साल पूरे होने के अवसर पर हल्द्वानी में 'सेवा, सुशासन और विकास' कार्यक्रम के तहत रोजगार मेला और बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, सांसद अजय भट्ट, पार्टी के कई विधायक समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की योजनाओं के स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही, कई कंपनियों द्वारा बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान किए गए, जिससे रोजगार के नए अवसरों का सृजन हुआ।पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से उत्तराखंड में पिछले तीन साल में जो विकास हुआ

है, वह किसी अन्य राज्य से कहीं अधिक है, चाहे वह छोटे राज्य की तुलना हो या किसी बड़े राज्य से। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ने इन तीन सालों में एक नया इतिहास रचा है और यह दशक उत्तराखंड का है। कोश्यारी ने आगे कहा, 'मैं दावे से कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अगले दशक में भी उत्तराखंड का विकास इसी गति से होगा और यह राज्य विकास के मामले में अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श बनेगा। भाजपा सांसद अजय भट्ट ने भी मुख्यमंत्री धामी सरकार की तीन वर्षों की उपलब्धियों को गिनाया और बताया कि राज्य में विकास की गति तेज हुई है, साथ ही बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचनाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान, युवा बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से कई कंपनियों और संस्थाओं ने अपना स्टॉल लगाया था। इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई, जिससे लोग सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। इसके अलावा, धामी सरकार के तीन साल पूरा होने पर सीएम धामी ने परेड ग्राउंड, देहरादून में एक रोड शो और जनसभा में शामिल हुए। सीएम धामी ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷परेड ग्राउंड, देहरादून में प्रदेश सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित रोड शो और जनसभा में सम्मिलित होकर देवतुल्य जनता को संबोधित किया। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक और अटल आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी वितरित करने के साथ ही सूचना विभाग की विकास पुस्तिका 'सेवा, सुशासन और विकास के 3 वर्ष' और कैलेंडर 'देवभूमि रजत उत्सव- संकल्प से सिद्धि' का विमोचन किया।

बीजापुर में नेशनल हाइवे में नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, दो जवान घायल

एजेंसी

बीजापुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर के मद्देड थाना क्षेत्र के भोपालपट्टनम नेशनल हाइवे-63 में रविवार शाम लगभग छह बजे नक्सलियों द्वारा गोरला नाले के पास गश्त से लौट रहे 15 जवानों से भरे पिकअप वाहन को निशाना बनाकर आईईडी ब्लास्ट किया। इसमें वाहन चालक सहित दो जवान घायल हुए हैं। नक्सलियों ने विस्फोट के बाद जवानों पर फायरिंग भी की। जवानों के जवाबी हमले में नक्सली भाग खड़े हुए हैं। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि

घटनास्थल के लिए बैकअप पार्टी रवाना कर दी गई है। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। घायल जवानों को बेहतर उपचार के लिए बीजापुर जिला हॉस्पिटल भेजा गया है। इनमें एक जवान को ज्यादा चोटें आई हैं।

लोगों को राम भी चाहिए और रोटी भी, साथ ही सनातन के धरोहरों को निर्माण भी चाहिए : नित्यानंद

एजेंसी

गोपालगंज। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि लोगों को राम भी चाहिए और रोटी भी, साथ ही सनातन के धरोहरों को निर्माण भी चाहिए। बिहार विधानसभा के चुनाव को लेकर हर पार्टी ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी सभा का आगाज राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद के गृह जिला में आगामी 30 मार्च को निर्धारित हुआ है। यह सभा गोपालगंज के न्यू पुलिस लाइन के मैदान में होगा। केंद्रीय गृह राज्य

मंत्री श्री राय ने गोपालगंज परिसदन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आगामी 30 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 11 बजे दिन में जन सभा करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं और लोगों में काफी उत्साह और उमंग है।उन्होंने कहा कि कई योजनाओं का भी घोषणा करेंगे। श्री राय ने कहा कि जिस प्रकार से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राम मंदिर का निर्माण हुआ, उसी प्रकार से सीतामढ़ी के पुरैना धाम में मां जानकी मंदिर का निर्माण करने की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मिथिला परिषद के बैठक में घोषणा की थी।इस घोषणा के बाद पहली बार बिहार के गोपालगंज के न्यू पुलिस लाइन मैदान में बड़ा जन सभा करने के लिए 30 मार्च को आ रहे है।श्री राय ने कहा कि राष्ट्र के लोगों को राम भी चाहिए और रोटी भी।साथ ही सनातन के धरोहरों को निर्माण भी चाहिए।प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में दृढ़ संकल्प के आधार पर अखंडता बनाए रखने का कार्य चल रहा है।पिछ्ले 20 घंटे से गोपालगंज में हूं जहां अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर काफी उमंग देख रहा हूं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि ईस देश के लोग वैसे जो अपने को बाबर और औरंगजेब से जोड़ रहे है।महाराणा प्रताप,शिवाजी और राना सांगा का विरोध कर रहे है।

वैसे लोग की मानसिकता जो तुष्टिकरण की है।उससे देश को काफी नुकसान पहुंच रहा है।वोट के खातिर कर रहे है।घोटाला और भ्रष्टाचार करने का मौका नहीं मिल रहा जिनको जनता ने सता से हटा दिया।वैसे ही लोग भारत माता को दुख पहुंचा रहे है।

कहीं गायब न हो जाएं... पोलर बियर

दोस्तों, पोलर बियर बर्फ की सफेद चादर में रहना पसंद करते हैं। अगर कभी बर्फ का तूफान आ जाए तो ये अपनी मम्मी के साथ बर्फ की गुफाओं में जा छिपते हैं। पिछले कुछ सालों में इनकी संख्या तेजी से कम हुई है। इस बार हम तुम्हें बता रहे हैं पोलर बियर से जुड़ी कई मजेदार बातें...

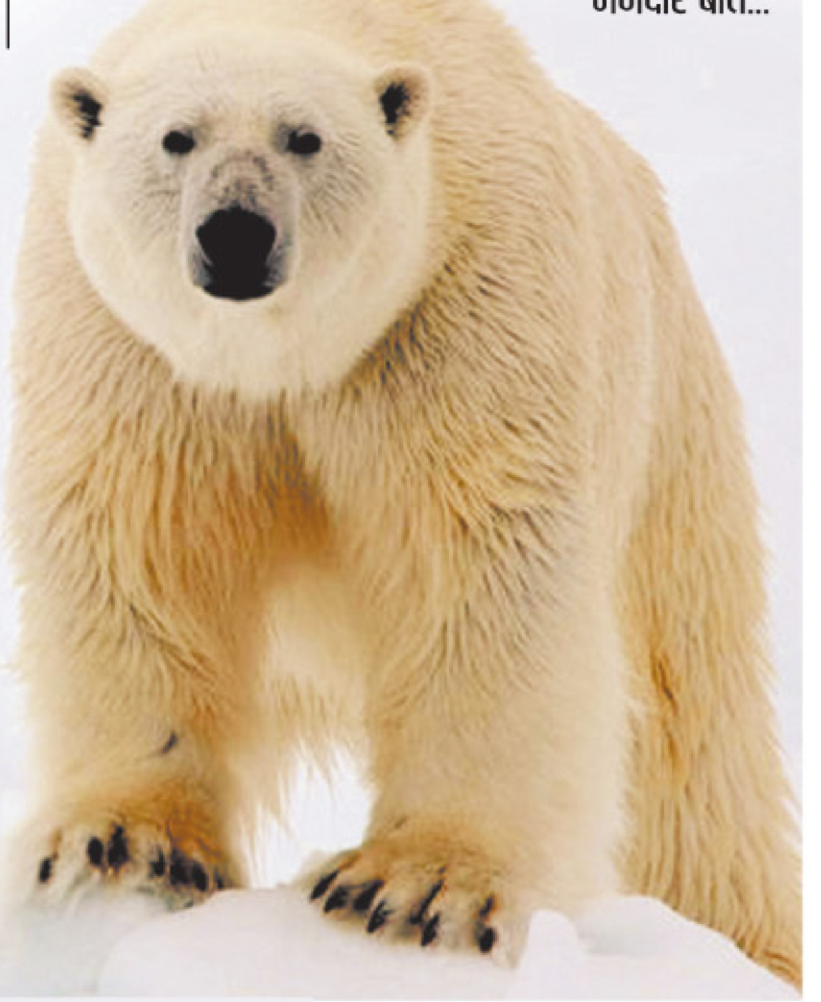

कुछ साल पहले पोलर बियर ने वैज्ञानिकों को खूब छकाया था। दरअसल, वैज्ञानिकों की एक टीम इनकी गिनती करने निकली थी, लेकिन न जाने इन्हें कैसे पता चला और ये गुफा से बाहर ही नहीं निकले। कितने दिन बीत गए, वैज्ञानिक हैरान-परेशान थे। बर्फ में इनका पता लगाना काफी मुश्किल था। तब वैज्ञानिकों ने इंफ्रारेड कैमरे से इनकी गिनती की योजना बनाई, पर ये भालू 'मिस्टर इंडिया' से कम नहीं। इंफ्रारेड रोशनी में तो ये बिल्कुल ही अदृश्य से हो गए। वैज्ञानिक बस उनकी आंखें और नाक देख सकते थे, पर पूरा भालू देखने में असमर्थ रहे। हालांकि बाद में इनकी गिनती का काम पूरा किया गया। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसा सच में हो सकता है कि कुछ समय बाद पोलर बियर कहीं दिखें ही नहीं। दरअसल, इनकी संख्या काफी तेजी से कम हो रही है। चलो पहले ये जानते हैं कि ये होते कैसे हैं-

कहां से आए ये...

साक्ष्यों को देखते हुए ऐसा माना जाता है कि वैज्ञानिक नाम उर्सूस मार्टीमस यानी पोलर बियर की उत्पत्ति पांच मिलियन वर्ष पहले हुई थी और इनके पूर्वज ब्राउन बियर थे। पोलर बियर मुख्य रूप से आर्कटिक महासागर और इस तरह के बर्फीले क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

किन देशों में मिलते हैं...

भालुओं की यह प्रजाति लगभग 20 हजार साल से धरती के सबसे विषम स्थिति वाले क्षेत्रों में पाई जाती है, अमेरिका के अलास्का, कनाडा, रूस, ग्रीनलैंड और नार्वे में।

बर्फ की गुफाओं में बचपन

तीन महीने की उम्र में ये गुफा में रहना छोड़ देते हैं और अपनी मां के साथ बर्फ में रहना सीखते हैं। हां, तेज तूफान में ये मां के साथ बर्फ की गुफाओं में छिप जाते हैं। इनके बच्चे प्रतिदिन 12 मील की दूरी तय करते हैं। इनके बच्चे ढाई वर्ष तक अपनी मां के साथ ही रहते हैं, ताकि ये शिकार करना सीख लें।

कितने वजनदार हैं ये

एक नर पोलर बियर का वजन लगभग 775 से 1200 पाउंड यानी 350 से 680 किलोग्राम होता है, जबकि मादा का वजन 500 से 600 पाउंड यानी 227 किलो से 272 किलोग्राम होता है। दूसरे शब्दों में मादा का वजन नर के मुकाबले करीब आधे से भी कम होता है। इनके नवजात का वजन एक पाउंड से थोडम ज्यादा होता है। अभी पोलर बियर की संख्या 25,000 के आसपास है।

कैसे दिखते हैं...

अधिकतर समय समुद्र में बिताने वाले इन भालुओं की जीभ का रंग नीला होता है। हमारे तो 32 दांत होते हैं, पर इनके कुल 42 दांत होते हैं। इनके शरीर पर सफेद फरों के अंदर काले फर होते हैं। इनके तलवे खुरदुरे होते हैं, जिससे ये बर्फ पर फिसलते नहीं, बल्कि आसानी से चलते हैं। इनकी त्वचा काली होती है और बाल रंगहीन होते हैं, लेकिन इनके बाल रोशनी को रिफ्लेक्ट यानी परावर्तित करते हैं, जिससे ये सफेद कोट की तरह दिखते हैं।

काफी सफाई पसंद होते हैं...

ये काफी सफाई पसंद होते हैं। खाने के बाद तैर कर ये अपने शरीर को साफ कर लेते हैं या बर्फ में लुढ़क कर भी गंदगी साफ करते हैं।

अच्छे तैराक भी...

अपने लैटिन नाम समुद्री भालू या सी बियर के अनुसार सच में ये काफी अच्छे तैराक होते हैं। एक घंटे में 6 मील की दूरी आसानी से तैर कर पार कर लेते हैं। तैरने में तो इतने माहिर होते हैं कि ओलंपिक विजेता तैराकों को भी शर्मिंदा कर दें। ये 100 मील की दूरी तक बिना रुके एक बार में तैराकी कर सकते हैं, यानी एक घंटे में 6 मील।

गंध लेने में माहिर हैं ये...

एक किलोमीटर की दूरी पर ये सील को उसकी महक से पता लगा लेते हैं और अपनी भूख मिटाने का इंतजाम आसानी से करते हैं। अपनी सूंघने की क्षमता से ही अपने शिकार के बारे में जान जाते हैं। इनका मुख्य भोजन मछलियां, सील, ऊदबिलाव जैसे जीव होते हैं।

ओलंपिक के लिए बने शुभंकर

कनाडा में आयोजित 1998 के शीतकालीन ओलंपिक में इन्हें शुभंकर यानी मैस्कट के लिए चुना गया था।

खतरे में हैं ये जीव

पोलर बियर की औसत उम्र 25 साल होती है। पोलर बियर की घटती संख्या को देखते हुए अब कई देश इसके शिकार पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। कनाडा तो पोलर बियर पर टिकट भी जारी कर चुका है। शिकार के अलावा इन्हें सबसे ज्यादा खतरा ग्लोबल वार्मिंग से है, क्योंकि इस वजह से आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ तेजी से पिघल रही है और जब बर्फ ही नहीं रहेगी तो वहां रहने वाले जीव कब तक रह पाएंगे। पर्यावरणविदों व मौजूदा हालात इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि पृथ्वी से कुछ समय में इस अत्यंत दुर्लभ प्राणी का अस्तित्व पूरी तरह खत्म होने वाला है। एक रिपोर्ट के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग अगर मौजूदा स्तर से ही बढ़ती रही तो अगले 100 साल में दुनिया में एक भी पोलर बियर नहीं बचेगा। इनकी 19 प्रकार की जातियों में से आठ की संख्या गंभीर तौर पर गिर रही है और ये संकटग्रस्त हो चुकी हैं।

खत्म हो रहा इनका भोजन

पोलर बियर को दुनिया का सबसे बड़ा मांसभक्षी जानवर माना जाता है। इस दुर्लभ होते जा रहे जीव के लिए सीलों की घटती संख्या को भी खतरा माना जा रहा है। ये भालू अपने भोजन के लिए सिर्फ सील पर निर्भर होते हैं। समुद्र में अब सीलों की संख्या भी लगातार घट रही है। जब इन्हें खाने को नहीं मिलेगा, तो वह कब तक जीवित रह पाएंगे। समुद्र में फैले जहरीले पदार्थों से भी खतरा पैदा हो रहा है। इसके अलावा आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती मानवीय गतिविधियां भी इनके प्राकृतिक निवास को प्रदूषित कर रही हैं।

इंटरनेशनल पोलर बियर डे

27 फरवरी को इंटरनेशनल पोलर बियर डे घोषित किया गया है। यह ईवेंट लोगों में जागरुकता जगाने के लिए आयोजित किया गया है, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से इन पर खतरा है। इनके आवास के साथ-साथ इनका भोजन भी छिन रहा है। पिघलती बर्फ जहां इन्हें बेघर कर रही है, तो समुद्री जीवों की कम होती संख्या से इनका आहार भी कम होता जा रहा है। इन मासूम जीवों को जीवित रखने के लिए हमें ही कुछ उपाय करना होगा, ताकि जलवायु पर असर न हो और बर्फ का पिघलना रुक सके।

बड़े काम का है नन्हा 'टर्मिस'

दीमक के मिलजुल कर बड़े-बड़े टीले खड़े कर देने की कला से सीख लेते हुए, अमेरिकी वैज्ञानिकों ने उन्हीं की तरह कार्य करनेवाले नन्हें रोबोट बनाए हैं। ये रोबोट ऐसी जगहों पर बड़ी-बड़ी चीजें बना सकते हैं, जहां इंसान का भी कोई बस नहीं चलता। ये यांत्रिक जीव बड़ी-बड़ी ईंटों को उठा कर एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकते हैं। सीढ़ियां और पिरामिड भी बना सकते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनुसार, दीमक रोबोट बड़े काम का है और मिलजुल कर बड़े काम को भी आसानी से कर लेता है। इस नन्हें रोबोट्स को टर्मिस नाम दिया गया है। इसे बहुत कम निर्देशों की जरूरत होती है। टर्मिस को इस तरह से प्रोग्राम किया गया है कि यह अपना काम खुद करने में सक्षम है। जिस कॉन्सेप्ट पर टर्मिस को बनाया गया है, उसे स्टिगमर्जी कहते हैं। यह एक तरह की अंदरूनी व्यवस्था है, जिसमें अगर बाहरी वातावरण में कोई बदलाव आए तो उससे एक-एक कर सभी मशीनें खुद ही हरकत में आ जाती हैं।

बच्चों, गुड़िया से तुम भी खेल रहे हो, तुम्हारी मां के पास भी थी हसीन गुड़िया, और तो और नानी-दादी के जमाने में भी लोकप्रिय था गुड्डे-गुड़ियों का खेल। बस रूप बदलता गया। नहीं विश्वास होता तो पूछो नानी या दादी से। खुश हो बखान करेंगी अपनी गुड़िया की खूबसूरती।

गुड़िया रानी की कहानी...

गुड़िया शब्द सुनते ही आंखों के सामने सुंदर और प्यारी गुड़िया की छवि आ जाती है। तुम्हारे पास भी होंगी न डॉल्स...आंखें मटकाने वाली, बटन दबाते ही हंसने वाली, नाचने वाली...। सुलाओ तो सो जाती है, उठाओ तो उठ जाती है, चलाओ तो चल जाती है। सोचो कि उनका मूड खराब है तो उदास दिखती है, सोचो खुश है तो हंस देती है। ऐसी ही है न तुम्हारी डॉल...पर कभी सोचा कि तुम्हारे हाथों में जो चहेती गुड़िया है, ये आई कहां से? इसी गुड़िया से तुम भी खेल रहे हो, तुम्हारी मां के पास भी थी हसीन गुड़िया, और तो और नानी-दादी के जमाने में भी लोकप्रिय था गुड्डे-गुड़ियों का खेल। बस रूप बदलता गया। नही विश्वास होता तो पूछो नानी या दादी से। खुश हो बखान करेंगी अपनी गुड़िया की खूबसूरती।

कब आई डॉल्स

17वीं शताब्दी में यूरोप में बनने वाली लकड़ियों की गुड़िया बड़ी प्रसिद्ध थी, जिसे खूबसूरत रंगों से रंग कर फैशनेबल कपड़ों में सजा दिया जाता था। लेकिन 19वीं और 20वीं सदी में इनका महत्व घट गया। ये काफी सस्ती हो गई। फिर आया पोर्सलेन डॉल्स का जमाना, जिसकी उत्पत्ति चीन में हुई। इसे बनाने के लिए सांचे का निर्माण किया गया, जिसमें इनके सिर को ढाला जाता था। बाद तक इन डॉल्स के सिरों को विभिन्न देशों में निर्यात किया जाता रहा। गुड़िया बनाने में फ्रांस भी आगे रहा है। इसके बाद 19वीं सदी में आकर फैशन डॉल्स का चलन बढ़ गया, जो आज भी तुम्हारे हाथों में है बार्बी डॉल के रूप में। बार्बी के नाम से ही तुम सबके चेहरे खिल जाते हैं। पर पता है इसका जन्म तुम्हारे जन्म से बरसों पहले हो चुका था। वर्ष 1959 में ही रुथ हैंडलर ने फैशन डॉल के रूप में बार्बी को लॉन्च किया। उस वक्त जो डॉल चलन में थीं, वे छोटे बच्चों को प्रदर्शित करती थीं। तब रुथ ने बड़ी लड़कियों की तरह एक डॉल बनाने की सोची और जर्मनी की डॉल लिली को देखकर उनके दिमाग में बार्बी का आइडिया आया। बार्बी नाम रुथ की बेटी बारबरा के नाम पर दिया गया था। इस तरह न्यूयॉर्क के अमेरिकन अंतरराष्ट्रीय खिलौनों के मेले में 9 मार्च 1959 को बार्बी लॉन्च की गई।

आईपीएल 2025 : सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 44 रनों से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रविवार को खेले गए दूसरे मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 44 रनों के अंतर से हरा दिया। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने ईशान किशन के नाबाद 106 रनों की शतकीय पारी और ट्रेविस हेड की 67 रनों की ताबड़तोड़ पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 286 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में राजस्थान रॉयल्स की टीम 20 ओवर में छह विकेट खोकर 242 रन तक ही पहुंच पाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ओवर में ही सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान रियान पराग पवेलियन लौट गए। यशस्वी जहां एक बन ही बना सके, वहीं पराग 4 रन बनाकर आउट हुए। फिर पांचवें ओवर में नीतीश राणा भी आउट हो गए। नीतीश ने आठ गेंदों पर 11 रन बनाए। शुरुआती झटकों के बाद इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर मैच में खेल रहे संजू सैमसन ने विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरैल के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से रन बटोरते हुए अर्धशतक जड़ दिए। संजू ने 26 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा, जबकि जुरैल ने 28 गेंदों पर अपना पचासा पूरा किया। दोनों ने मिलकर टीम के स्कोर को 13 ओवर तक 150 के पार ले गए। दोनों बल्लेबाज टीम को लक्ष्य के करीब ले जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन तभी पहले संजू और फिर जुरैल आउट हो गए।

सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफीः मदन के आलराउंड प्रदर्शन से सचिवालय लायंस क्वार्टर फाइनल में

देहरादून। सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में यहां महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में लीग स्टेज के 02 मैच खेले गए। पहला मैच सचिवालय ईगल और सचिवालय बुल्स के बीच खेला गया, जिसमें बुल्स ने जीत दर्ज की। दूसरे मैच में सचिवालय लायंस ने क्लासिक को 26 रनों से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए पहले मैच में सचिवालय ईगल ने पहले बल्लेबाजी की। टीम कुल 106 रनों पर ऑल आउट हो गई। टीम के लिए देवेंद्र ने 34 रन बनाए। मुकेश रावत और सुनील तोमर ने 03-03 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सचिवालय बुल्स की टीम ने 12 ओवरों में 05 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। अमीन ने 42 और सुनील तोमर ने 25 रन बनाए। हिमांशु नेगी ने 3 और आईपी सिंह ने 02 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच सुनील तोमर को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए दिया गया। फाइटर ऑफ द मैच हिमांशु नेगी को दिया गया। दूसरे मैच में सचिवालय लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मदन के शानदार 79 रनों की मदद से कुल 166 रन बनाए। रमेश जोशी और सुशील बिष्ट ने 03-03 विकेट लिए।

गुवाहाटी में पहली बार टेस्ट और वर्ल्ड कप मैच

गुवाहाटी। इस वर्ष नॉर्थ ईस्ट में पहली बार क्रिकेट इतिहास रचने जा रहा है। यह पहली बार होगा जब यह शहर टेस्ट क्रिकेट और वर्ल्ड कप मुकाबले की मेजबानी करेगा। बीसीसीआई के महासचिव देवजीत सैकिया ने रविवार को यह घोषणा की। सैकिया के अनुसार, भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 22 नवंबर से असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे गुवाहाटी को पहली बार टेस्ट क्रिकेट की मेजबानी करने का गौरव मिलेगा।इसके अलावा, गुवाहाटी में पहली बार आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप के मुकाबले भी होंगे। यह टूर्नामेंट 24 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा। गुवाहाटी को इसके लिए एक प्रमुख स्थल के रूप में चुना गया है, जहां पांच से छह मैच खेले जाएंगे। यह पहली बार होगा जब नॉर्थईस्ट में वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच आयोजित होंगे। सैकिया ने बताया कि बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल की बैठक में यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। उन्होंने आईसीसी चेयरमैन जय शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को धन्यवाद दिया, जिनकी मदद से गुवाहाटी एक प्रमुख क्रिकेट स्थल के रूप में उभरा है।

पैरालंपियन शीतल देवी ने पायल नाग को हराकर तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। पैरालंपियन शीतल देवी ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी) 2025 में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अपना दूसरा स्वर्ण पदक सफलतापूर्वक जीता। ओडिशा की दिव्यांग तीरंदाज पायल नाग के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की शीतल ने कंपाउंड तीरंदाजी ओपन फाइनल में 109-103 से जीत दर्ज की।शीतल देवी ने 8 और 7 के स्कोर के साथ शुरुआत की, जबकि पायल ने डबल 10 के साथ शुरुआत की। 17 वर्षीय पायल ने हालांकि तीसरे राउंड में बढ़त खो दी, जहां उन्होंने पहली बार 7 का स्कोर बनाया और शीतल ने 9 और 10 के अपने लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर वापसी की। निर्णायक पांचवें राउंड में शीतल ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में स्वर्ण पदक जीता। राष्ट्रीय राजधानी में तेज धूप के कारण खिलाड़ियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे तीरंदाजों की प्रतिस्पर्धात्मक भावना में कोई कमी नहीं आई।

पुर्तगाल ने डेनमार्क को हराकर नेशंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

आरसीबी ने 7 विकेट से जीता पहला मुकाबला

एजेंसी

लिस्बन। पुर्तगाल के फ्रांसिस्को ट्रिनकाओ ने बेंच से उतरकर दो गोल किए, जबकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिससे पुर्तगाल ने रविवार को अतिरिक्त समय में डेनमार्क को 5-2 से हराकर कुल 5-3 के अंतर से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली, जहां उसका मुकाबला जर्मनी से होगा।

रोनाल्डो की अगुवाई में मिली जीत

रोनाल्डो ने भले ही शुरुआती पेनल्टी मिस कर दी हो, लेकिन उन्होंने अपनी टीम की वापसी में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, उन्हें अतिरिक्त समय में बेंच पर बैठना पड़ा, फिर भी उन्होंने दर्शकों को लगातार उत्साहित किया और पुर्तगाल ने आखिरकार डेनमार्क की मजबूत रक्षात्मक पंक्ति को भेदने में सफलता पाई। पहले चरण में डेनमार्क ने कोपेनहेगन में हुए मुकाबले में रासमस होजलुंड के गोल की बदौलत 1-0 की बढ़त बनाई थी। वहीं, डेनमार्क के मुख्य डिफेंडर जोआकिम माएले के कैंप छोड़ने से टीम को

झटका लगा, क्योंकि उन्हें अपने बच्चे के जन्म के लिए जाना पड़ा। उनकी जगह खेलने आए पैट्रिक डोर्गु ने शुरुआत में ही पुर्तगाल को पेनल्टी दे दी, जब उन्होंने रोनाल्डो को तीसरे मिनट में बॉक्स में गिरा दिया।

रोनाल्डो ने खुद पेनल्टी ली, लेकिन डेनमार्क के गोलकीपर कैस्पर श्माइकल ने शानदार बचाव कर उन्हें गोल करने से रोक दिया। इसके बाद 17वें मिनट में भी रोनाल्डो को नूनो मेंडेस के शानदार क्रॉस पर हेडर लगाने का मौका मिला, लेकिन श्माइकल ने फिर से उन्हें निराश कर दिया। हालांकि, पुर्तगाल को 38वें मिनट में बढ़त मिल गई जब डेनमार्क के डिफेंडर जोआकिम एंडरसन ने गलती से गेंद को अपने ही गोल में डाल दिया। लेकिन 56वें मिनट में डेनमार्क के रासमस क्रिस्टेंसन ने कॉर्नर पर हेडर से गोल कर स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद रोनाल्डो ने 67वें मिनट में शानदार एंगल से गोल कर पुर्तगाल को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन 76वें मिनट में क्रिश्चियन एरिक्सन ने गोल कर डेनमार्क को फिर से कुल स्कोर में आगे कर दिया। यहीं से फ्रांसिस्को ट्रिनकाओ ने खेल की दिशा बदल दी। उन्होंने 86वें मिनट में गोल कर स्कोर 3-3 किया और मुकाबला अतिरिक्त समय में चला गया। इसके बाद 91वें मिनट में ट्रिनकाओ ने एक शानदार चिप शॉट के जरिए गोल कर पुर्तगाल को बढ़त दिला दी। डेनमार्क ने आखिरी समय तक जमकर संघर्ष किया, लेकिन ट्रिनकाओ के दूसरे गोल के बाद उसकी ऊर्जा खत्म हो गई। इसके बाद पुर्तगाल के स्थानापन्न खिलाड़ी गोंसालो रामोस ने एक और गोल कर पुर्तगाल की जीत को और भी भव्य बना दिया।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 : पंजाब की जसप्रीत कौर ने पावरलिफ्टिंग में नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा, पदक तालिका में तमिलनाडु की बढ़त बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स के दूसरे संस्करण के चौथे दिन पंजाब की पावरलिफ्टर जसप्रीत कौर ने सुर्खियाँ बटोरीं। जसप्रीत केआईजीपी 2025 में नेशनल रिकॉर्ड तोड़ने वाली पहली एथलीट बनीं। 45 किलोग्राम वर्ग में इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में 101 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता।खबर लिखे जाने तक 113 स्वर्ण पदक तय हो चुके थे, जिसमें तमिलनाडु 22 स्वर्ण के साथ शीर्ष पर बना हुआ था। हरियाणा 18 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है जबकि उत्तर प्रदेश और राजस्थान 13-13 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।जसप्रीत ने खेलो इंडिया गेम्स 2025 में नया बेंचमार्क स्थापित करते हुए 100 किग्रा का अपना ही नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया। दिसंबर 2023 में, उन्होंने इसी इवेंट में 85 किग्रा का सबसे भारी वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने साई मीडिया से कहा, मैं इस बार और भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहती थी। नेशनल रिकॉर्ड तोड़ने से मुझे राष्ट्रीय रैंकिंग में ऊपर चढ़ने में भी मदद मिली है। दो साल से भी कम समय में 16 किग्रा से अधिक वजन उठाना कोई आसान उपलब्धि नहीं थी। जसप्रीत ने कड़ी ट्रेनिंग की। कई नई तकनीकों पर शोध किया और फिटनेस बनाए रखने के लिए अपने आहार में बदलाव किए। लेकिन सबसे बड़ी चुनौती चिंता के मुद्दों से निपटना था। तीन साल की आयु से ही पोलियो से पीड़ित जसप्रीत ने कहा, मैंने 2022 में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत की। इसलिए, मुझे हमेशा लगा कि मैं खेल के लिए काफी नई हूँ। मुझे यह महसूस करने में थोड़ा समय लगा कि ताकत और मांसपेशियों को विकसित करने में समय लगेगा। यह रातोंरात नहीं होता है। मुझे ऐसा प्रदर्शन करने में तीन साल लग गए। उधर, जेएलएन स्टेडियम के दूसरी ओर तीरंदाजी स्पर्धाओं का समापन हुआ। इसमें स्टार पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने ओडिशा की प्रतिद्वंद्वी पायल नाग को हराकर करीबी मुकाबले में कंपाउंड महिला ओपन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र के 44 वर्षीय पैरा तीरंदाज आदिल मोहम्मद नजीर अंसारी (जिन्होंने दिसंबर 2023 में खेलो इंडिया पैरा गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था) ने एक बार फिर अपनी उम्र को धता बताते हुए डब्ल्यू1 राउंड पुरुष स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

यूईएफए नेशंस लीगः स्पेन ने पेनल्टी में नीदरलैंड्स को हराकर लगातार तीसरी सेमीफाइनल में जगह बनाई

एजेंसी

वालेंसिया। यूईएफए नेशंस लीग के मौजूदा विजेता स्पेन ने नीदरलैंड्स को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। रविवार को खेले गए रोमांचक दूसरे क्वार्टरफाइनल में दोनों टीमों के बीच 3-3 से मुकाबला ड्रॉ रहा, जिससे कुल स्कोर 5-5 का हो गया और मैच पेनल्टी तक पहुंचा। शूटआउट में डोनीएल मालेन ने अपनी किक मिस कर दी, जबकि बार्सिलोना के युवा खिलाड़ी पेड्री ने निर्णायक गोल दागकर स्पेन को जीत दिला दी। मैच के दौरान स्पेन की ओर से मिकेल ओयारज़ाबल ने पहला गोल किया, लेकिन मेम्फिस डेपे ने पेनल्टी स्पॉट से स्कोर बराबर कर दिया। ओयारज़ाबल ने स्पेन को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन इयान मात्सेन के शानदार गोल ने मुकाबले को अतिरिक्त समय तक पहुंचा दिया। बार्सिलोना के उभरते सितारे लामिन यामल, जिन्होंने पेनल्टी शूटआउट में एक किक मिस की, ने अतिरिक्त समय में बेहतरीन गोल कर स्पेन को बढ़त दिलाई, लेकिन ज़ावी साइमन्स ने पेनल्टी के जरिए फिर से बराबरी कर दी, जिससे मुकाबला

शूटआउट तक गया। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने रॉटरडैम में खेले गए पहले चरण के 2-2 ड्रॉ के बाद कुछ बदलाव किए। ओयारज़ाबल और डानी ओल्मो को अल्वारो मोराटा और पेड्री की जगह शामिल किया गया, जबकि डीन हुईसेन ने अपने जन्मस्थान (नीदरलैंड्स) के खिलाफ पहला मैच खेला और शानदार प्रदर्शन किया। नीदरलैंड्स के कोच रोनाल्ड कोएमन ने डेब्यू खिलाड़ी इयान मात्सेन को लेफ्ट-बैक की जिम्मेदारी दी, जिनका मुख्य काम 17 वर्षीय यामल को रोकना था। स्पेन की हालिया सफलताओं ने उसके प्रशंसकों को प्रेरित किया है, और दूसरे चरण से पहले 20,000 से अधिक दर्शकों ने टीम का अभ्यास सत्र देखा। यह सत्र अक्टूबर में वालेंसिया क्षेत्र में आए भयंकर तूफान से हुए नुकसान के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। मैच के शुरुआती क्षणों में ही स्पेन को पेनल्टी मिली, जब यान पॉल वान हेके ने ओयारज़ाबल को बॉक्स के अंदर गिरा दिया। ओयारज़ाबल ने खुद पेनल्टी ली और गेंद को शानदार तरीके से गोलपोस्ट के दाएं कोने में डाल दिया।

नानजिंग में वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप का समापन, डेविन चार्लटन ने 60 मीटर हर्डल्स में खिताब बरकरार रखा

एजेंसी

नानजिंग। बहामास की डेविन चार्लटन ने 60 मीटर हर्डल्स का खिताब बरकरार रखते हुए शानदार प्रदर्शन किया, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने पुरुषों और महिलाओं की 4×400 मीटर रिले में दबदबा बनाया। इसी के साथ रविवार को 2025 वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप का समापन हुआ।अमेरिका ने कुल 6 स्वर्ण, 4 रजत और 6 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। नॉर्वे तीन स्वर्ण के साथ दूसरे और इथियोपिया दो स्वर्ण व तीन रजत के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

चार्लटन की रोमांचक जीत

चार्लटन ने 7.72 सेकंड में दौड़ पूरी कर रोमांचक जीत दर्ज की। यह रेस ऐतिहासिक रही क्योंकि पहली बार छह एथलीटों ने 7.80 सेकंड के भीतर दौड़ पूरी की। स्विट्जरलैंड की डिटाजी कांबुंजी ने 7.73 सेकंड के साथ रजत और जमैका की अकेरा न्यूजेंट ने 7.74 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। हालांकि, चीन की हर्डलर वू यान्नी फाइनल में नहीं

पहुंच सकीं, लेकिन उन्होंने सेमीफाइनल में 8.01 सेकंड का समय निकालकर 11 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। पुरुषों की 4×400 मीटर रिले में अमेरिका ने 3ः03.13 मिनट में स्वर्ण जीता। क्रिस बेली, ब्रायन फॉस्ट, जैकोरी पैटरसन और एलिजा गॉडविन की टीम ने जमैका को लगभग दो सेकंड के अंतर से हराया। हंगरी के एटिला मोलनार ने अंतिम दौर में जोरदार प्रदर्शन करते हुए 3ः06.03 मिनट में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर कांस्य जीता। चीन ने भी 3ः06.90 मिनट में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया लेकिन चौथे स्थान पर रहा। महिला 4×400 मीटर रिले में अमेरिका की क्वानेरा हेस, बेली लीयर, रोजी एफियॉन्ग और एलेक्सिस होम्स की टीम ने 3:27.45 मिनट में स्वर्ण अपने नाम किया। पोलैंड ने 3:32.05 मिनट में रजत और ऑस्ट्रेलिया ने 3:32.65 मिनट में कांस्य पदक जीता।

खेलो इंडिया पैरा गेम्सः मप्र की खिलाड़ी रुबीना फ्रांसिस और भरत रावत ने जीते रजत पदक

एजेंसी

भोपाल। नई दिल्ली में 20 से 27 मार्च तक तक आयोजित खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में रविवार को मध्य प्रदेश के दो खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए दो रजत पदक अपने नाम किए। प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने इन उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि यह सफलता प्रदेश के पैरा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है। मध्य प्रदेश की स्टार पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस अपनी सटीक निशानेबाजी के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने रविवार को 10 मीटर एयर पिस्टल वीमेन एसएच-1 स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। वहीं, एथलीट भरत रावत ने एफ-33 कैटेगरी की भाला फेंक प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक जीता। खेल मंत्री सारंग ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह मध्य प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। हमारे पैरा एथलीटों ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत और लगन से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान कर रही है और आगे भी उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन से प्रदेश में पैरा स्पोर्ट्स को और मजबूती मिलेगी और युवा एथलीटों को प्रेरणा मिलेगी। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में रविवार तक मप्र के खिलाड़ियों ने 02 स्वर्ण, 04 रजत और 01 कांस्य पदक के साथ कुल सात पदक अर्जित किये हैं। अभी एथलेटिक्स, शूटिंग, टेबल टेनिस, पावरलिफ्टिंग के मुकाबले शेष है। प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के दल में 24 खिलाड़ी, प्रशिक्षक और एस्कोर्ट सहित कुल 40 सदस्यीय दल प्रतिभागिता कर रहा है।

आगरा की टीम ने वाराणसी को 61-45 से हराकर दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

मुरादाबाद। खेल निदेशालय उप्र लखनऊ एवं उप्र बास्केटबाल संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय जूनियर बालिका बास्केटबाल प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को रामगंगा विहार स्थित सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुआ। फाइनल मैच में आगरा की टीम ने वाराणसी को 61-45 से हराया और शानदार जीत दर्ज की। आज के फाइनल मैच के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी जितेंद्र यादव एवं उप्र ओलम्पिक संघ संयुक्त सचिव डॉ. अजय पाठक द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का आगाज किया गया। समापन पर मुख्य अतिथि पर अपर आयुक्त मुरादाबाद मंडल सर्वेश गुप्ता ने विजेता व उपविजेता टीमों को सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी राजेश रस्तोगी रहे। सूबे के कई मंडलों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। लीग मैचों के बाद शनिवार को सेमी फाइनल में वाराणसी ने मेरठ को हराकर फाइनल में जगह बनाई तो वहीं मिर्जापुर को हराकर आगरा फाइनल में पहुंचा था।

खेलो इंडिया पैरा गेम्सः अल्फिया जेम्स और मंदीप कौर ने बैडमिंटन में मचाई धूम, अवनी लेखरा ने शूटिंग में जीता स्वर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के तीसरे दिन इंदिरा गांधी स्टेडियम में बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन हुआ, जहां अनुभवी पैरा एथलीटों के शानदार प्रदर्शन के साथ कुछ नए खिलाड़ियों ने भी अपनी चमक बिखेरी। वहीं, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में चल रही निशानेबाजी प्रतियोगिता में पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अवनी लेखरा ने महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग स॥ कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता।

तमिलनाडु शीर्ष पर, हरियाणा दूसरे स्थान पर

एथलेटिक्स, बैडमिंटन और शूटिंग में कुल 75 स्वर्ण पदक विजेताओं की घोषणा हुई। पदक तालिका में तमिलनाडु 15 स्वर्ण के साथ पहले स्थान पर बना हुआ है, जबकि हरियाणा 14 स्वर्ण के साथ दूसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र 8 स्वर्ण पदकों के साथ तीसरे स्थान पर, जबकि राजस्थान और उत्तर प्रदेश 7-7 स्वर्ण पदकों के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं।

बैडमिंटन में नवोदित सितारों की धमाकेदार एंट्री

भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अपनी उत्कृष्टता साबित की। टोक्यो 2020 गोल्ड मेडलिस्ट कृष्णा नागर, पेरिस 2024 गोल्ड मेडलिस्ट नितेश कुमार, पेरिस 2024 कांस्य पदक विजेता मनीषा रामदास और 13 बार के राष्ट्रीय चैंपियन संजीव कुमार ने स्वर्ण पदक जीते। हालांकि, असली चर्चा का विषय केरल की 21 वर्षीय व्हीलचेयर खिलाड़ी अल्फिया जेम्स और उत्तराखंड की मंदीप कौर रहीं, जिन्होंने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर सबको चौंका दिया।

अल्फिया, जो पहले बास्केटबॉल खिलाड़ी थीं, 2017 में रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद खेल से दूर हो गईं। पांच साल बाद उन्होंने पैरा बैडमिंटन में वापसी की और हाल ही में स्पेन में स्वर्ण जीतने के बाद खेलो इंडिया पैरा गेम्स में भी गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

29 वर्षीय मंदीप कौर, जो तीन बार की राष्ट्रीय आर्म-रेसलिंग चैंपियन रही हैं, ने बैडमिंटन में स्विच किया और पहली ही अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता (युगांडा) में स्वर्ण पदक जीता। मंदीप ने कहा, पहली बार खेलो इंडिया पैरा गेम्स में खेलकर स्वर्ण जीतना सपना सच होने जैसा है। मैंने पहला गेम गंवाया था, दूसरे गेम में पिछड़ रही थी, लेकिन खुद को संभाला और जीत दर्ज की।

शूटिंग में अवनी लेखरा का दबदबा

डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता राजस्थान की अवनी लेखरा ने महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH1 कैटेगरी में स्वर्ण पर कब्जा किया। उन्होंने राज्य की ही मोना अग्रवाल को करीबी मुकाबले में हराया, जबकि उत्तर प्रदेश की आकांक्षा ने कांस्य पदक जीता। पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH2 में महाराष्ट्र के स्वरूप महावीर उन्हालकर ने स्वर्ण और केविन विनोद केंगनलकर ने रजत पदक जीता, दोनों के स्कोर में महज 0.1 अंकों का अंतर रहा। वहीं, हरियाणा की सिमरन शर्मा ने मिक्स्ड 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH3 कैटेगरी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

रग्बी चैंपियनशिप में कैथरीन अकादमी और डॉन बोस्को बिचना बने विजेता

खूंटी। झारखंड रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन और खूंटी जिला रग्बी संघ के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को स्थानीय लोयोला हाई स्कूल मैदान में इंटर स्कूल अंडर 12 बालक और बालिका रग्बी चौंपियनशिप का आयोजन किया गया। इसमें खूंटी, रांची, धनबाद तथा गोड्डा जिला की कुल 16 टीमों ने भाग लिया। बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में डॉन बॉस्को बिचना की टीम ने संत जेवियर बुंडू की टीम को 10-5 के स्कोर से पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। संत जेवियर बुंडू की टीम उपविजेता रही जबकि तीसरा स्थान बिशप वेस्टकॉट सायको की टीम को मिला। दूसरी ओर बालिका वर्ग में कैथरीन एकेडमी खूंटी विजेता, डॉन बॉस्को उपविजेता और सेंट एंथोनी स्कूल की टीम को तीसरा स्थान मिला।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ट्रॉफी का हुआ अनावरण, 18 अप्रैल से शुरू होगा घमासान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में हुए एक भव्य समारोह में ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) ने अपनी चैंपियनशिप ट्रॉफी का अनावरण किया। 18 अप्रैल से गुरुग्राम में शुरू हो रही यह लीग पहले से ही वैश्विक स्तर पर काफी चर्चा में है। लीग का प्रारूप इतना भव्य है कि इसमें मिस्र, केन्या, अर्जेंटीना, जर्मनी, इंग्लैंड, नॉर्वे और पोलैंड जैसे कई देशों की टीमें सम्मिलित होने जा रही हैं। समारोह के दौरान कई ऐसी प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं, जिसने जीआईपीकेएल को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कबड्डी टूर्नामेंट के रूप में और मजबूत पहचान दिलाई। ट्रॉफी का अनावरण हरियाणा सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रधान सचिव डी. सुरेश, आईएएस और पूर्व भारतीय कबड्डी कप्तान दीपक हुड्डा और होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन (हिप्सा) की अध्यक्ष कंथि डी. सुरेश ने किया। ट्रॉफी लॉन्च के दौरान डी. सुरेश ने कहा कि, कबड्डी भारत की खेल विरासत का

> **लीग के बारे में पूर्व भारतीय कप्तान दीपक हुड्डा ने कहा कि, यह लीग उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन मंच होने वाला है।**

एक अभिन्न अंग है और यह देखना खुशी की बात है कि जीआईपीकेएल जैसा वैश्विक मंच हरियाणा में आकार ले रहा है। यह पहल न केवल अंतरराष्ट्रीय एथलीटों को एक मंच प्रदान करेगी, बल्कि कबड्डी को ओलंपिक खेल के रूप में पहचान दिलाने में भी मददगार साबित होगी। जिस तरह से जीआईपीकेएल के मंच को सजाया गया है निश्चित तौर पर यह लीग कबड्डी के क्षेत्र में सर्वोच्चता का प्रतीक होगी। इसका प्रारूप इस तरह से तैयार किया गया है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की अलग-अलग टीमें विजेता बनेंगी, लेकिन केवल एक ही टीम को यह भव्य चैंपियनशिप ट्रॉफी उठाने का गौरव प्राप्त होगा। लीग के बारे में पूर्व भारतीय कप्तान दीपक हुड्डा ने कहा कि, यह लीग उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन मंच होने वाला है। कबड्डी एक ऐसा खेल है जो पूरे देश में खेला जाता है और मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी इस लीग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे और इस खेल को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान देंगे। जीआईपीकेएल के पहले सीजन में कुल 6 पुरुष और 6 महिला टीमें भाग लेंगी, जिसका सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। इन टीमों के नाम क्षेत्रीय पहचान को दर्शाने के लिहाज से किया गया है।

चेन्नई का विजयी आगाज, मुंबई को चार विकेट से हराया

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को चार विकेट से हराकर जीत के साथ आगाज किया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 155 रन बनाए। जवाब में सीएसके ने 19.1 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच में रचिन रवींद्र ने सबसे ज्यादा नाबाद 65 रन की पारी खेली। उनके अलावा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 26 गेंदों पर 53 रन बनाए। नूर और खलील की घातक गेंदबाजी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को 155 के स्कोर पर रोक दिया। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने नौ विकेट खोकर सीएसके के सामने 156 रन का लक्ष्य रखा है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई ने पहला विकेट दूसरे ही ओवर में खो दिया था। राहुल त्रिपाठी सिर्फ दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद मोर्चा रचिन रवींद्र और ऋतुराज गायकवाड़ ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 37 गेंदों में 67 रनों की साझेदारी हुई। कप्तान गायकवाड़ 53 रनों की दमदार पारी खेलकर लौटे। इसके बाद चेन्नई की पारी लड़खड़ाई लेकिन सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए रवींद्र जडेजा ने स्थिति संभाली। उन्होंने रचिन रवींद्र के साथ 36 रनों की साझेदारी निभाई और टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। हालांकि, जीत से सिर्फ चार रन पहले ही रनआउट हो गए। इस मैच में शिवम दुबे ने नौ, दीपक हुड्डा ने तीन, सैम करन ने चार रन बनाए। वहीं, रचिन रवींद्र 65 और महेंद्र सिंह धोनी बिना खाता खोले नाबाद रहे। मुंबई के लिए इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर डेब्यू करने वाले विग्नेश पुथुर ने तीन विकेट झटके जबकि दीपक चाहर और विल जैक्स को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई की स्थिति शुरुआत से ही खराब रही। कप्तान रोहित शर्मा पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। उन्हें खलील अहमद ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद खलील ने रेयान रिकेल्टन (13) को बोल्ड किया। सीएसके में वापसी के बाद पहला मुकाबला खेल रहे अश्विन भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने आते ही विल जैक्स को शिवम दुबे के हाथों कैच कराया और पहली सफलता हासिल की। 36 पर तीन विकेट खो चुकी मुंबई को एक अच्छी साझेदारी की जरूरत थी। क्रीज पर कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा मौजूद थे। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 40 से ज्यादा रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, इससे पहले यह साझेदारी बड़े स्तर पर पहुंचती महेंद्र सिंह धोनी ने फुर्ती दिखाते हुए विकेट के पीछे से सूर्या को स्टंप आउट कर दिया। स्टैंडइन कप्तान 26 गेंदों में 29 रन बनाकर आउट हुए। मुंबई के लिए तिलक वर्मा ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। उनके अलावा रॉबिन मिन्ज ने तीन, नमन धीर ने 17, मिचेल सेंटनर ने 11, ट्रेंट बोल्ट ने एक रन बनाया। इस मैच में दीपक चाहर 28 और सत्यनारायण राजू एक रन बनाकर नाबाद रहे। सीएसके के लिए नूर अहमद ने चार और खलील अहमद ने तीन विकेट चटकाए। उनके अलावा नाथन एलिस और रविचंद्रन अश्विन को एक-एक सफलता मिली।

5 साल डेट करने के बाद अली गोनी और

जैस्मिन भसीन

ने अपने रिश्ते में लिया ये बड़ा फैसला, खुद किया शेयर

अली गोनी और जैस्मिन भसीन दोनों की टेलीविजन के बड़े स्टार हैं. दोनों ने ही साथ में कई सारे रियलिटी शो किए हैं, हालांकि खतरों के खिलाड़ी में शामिल होने के बाद से ही दोनों के रिश्ते के बारे में खबरें आने लगी थी. लेकिन दोनों ने काफी वक्त तक इस रिश्ते को पब्लिकली एक्सेप्ट नहीं किया. हालांकि, बाद में अली और जैस्मिन सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस का हिस्सा बनें, जिसमें एक्टर ने लोगों के सामने अपनी फीलिंग्स को जाहिर कर दिया. अब दोनों ही अपने इस रिश्ते को नए मुकाम पर ले जाने के लिए तैयार हो चुके हैं.अली गोनी और जैस्मिन भसीन पिछले 5 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. दोनों को बतौर कपल लोग काफी ज्यादा पसंद करते हैं. हालांकि, दोनों के फैंस उन्हें जल्द ही शादी के बंधन में बंधे देखना चाहते हैं, लेकिन अभी कपल ने इस बारे में कोई भी बात नहीं की है. खास बात ये है कि दोनों ही एक्टर्स के परिवार वाले भी उन्हें साथ में काफी पसंद करते हैं और उनके रिश्ते भी आपस में काफी अच्छे हैं. अब इस कपल ने अपने रिश्ते को एक कदम आगे बढ़ाने के बारे में सोच लिया है.

रिनोवेट हो रहा है घर

हाल ही में कपल ने खुद का एक व्लॉग बनाया है, जिसमें उन्होंने लोगों को बताया है कि अब वो साथ में रहने वाले हैं. एक्टर ने कहा कि हमारी ये पूरी जर्नी आप हमारे साथ देखोगे. हम लोग साथ रहेंगे, हमारा घूमना, हम लोगों का पहला घर साथ में. उन्होंने बताया है कि दोनों ने मिलकर 6 BHK का एक अपार्टमेंट लिया है, जिसमें रिनोवेशन का काम चल रहा है. रिनोवेट होने के बाद उनका घर 4 BHK का हो जाएगा. इस घर में अली और जास्मिन का अलग कमरा होगा.

शादी पर की थी बात

अपने व्लॉग में दोनों ने बताया कि ये डिसीजन उन दोनों के ही लिए काफी मुश्किल होने वाला है, क्योंकि अभी तक दोनों ने ही अपना पर्सनल स्पेस किसी से शेयर नहीं किया है.

हालांकि, फैंस को दोनों के प्यार के अलावा उनके झगड़े भी देखने को मिलेंगे. बिग बॉस के घर में भी लोगों ने दोनों को काफी प्यार दिया है. दोनों की शादी की बात की जाए, तो पिछले साल की दिवाली पार्टी का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें अली ने बताया था कि अगले साल की शादी की डेट फाइनल है.

शादी के 8 महीने बाद मां बनीं 'पवित्र रिश्ता' एक्ट्रेस श्रुति, बेटे को दिया जन्म, लाडले का रखा यूनिक नाम

साल 2024 में कई एक्ट्रेसेस ने शादी रचाई थी और इस साल कई एक्ट्रेस अब तक मां बनी हैं. वहीं पिछले साल अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत करने वाली एक और एक्ट्रेस के घर अब किलकारी गूंजी है. छोटे पर्दे की जानी-मानी एक्ट्रेस श्रुति कंवर ने बच्चे को जन्म दिया है. श्रुति ने खुद के मां बनने की जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की है. एक्ट्रेस ने शादी के आठ महीने बाद ही फैंस को गुड न्यूज सुनाई है. उन्होंने बेटे को जन्म दिया है. साथ ही एक्ट्रेस ने ये खुलासा भी कर दिया कि उन्होंने बेटे का नाम क्या रखा है? तो चलिए जानते हैं मां बनने पर श्रुति ने किस तरह खुशी जाहिर की है.

श्रुति कंवर की शादी जुलाई 2024 में ही हुई थी. अब उनके घर नन्हां मेहमान आया है. अभी उनकी शादी को 9 महीने भी पूरे नहीं हुए हैं. श्रुति कंवर ने इंस्टाग्राम पर मां बनने की गुड न्यूज शेयर की. एक्ट्रेस ने लिखा, हमारे बेटे के आगमन पर हमारा दिल प्यार से भर गया है.एक्ट्रेस के मां बनने पर फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं.

बेटे का रखा ये यूनिक नाम

श्रुति कंवर ने पोस्ट में बेटे के नाम का भी खुलासा किया है. उन्होंने आगे लिखा, दुनिया में आपका स्वागत है अशर (Asher). श्रुति ने फरवरी 2025 में ही बताया था कि वो मां बनने वाली हैं. उन्होंने बेबी बंप की तस्वीरें शेयर करके जानकारी दी थी कि वो प्रेग्नेंट हैं. जबकि अब मार्च में उन्होंने बेटे का वेलकम किया है.

जुलाई 2024 में की थी शादी

श्रुति कंवर ने जुलाई 2024 में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड अनिंद्य चक्रवर्ती से शादी रचाई थी. जिस दिन (12 जुलाई 2024) अनंत अंबानी और राधिका मर्चेन्ट शादी के बंधन में बंधे थे, उसी दिन श्रुति और अनिंद्य ने भी अपने जीवन की इस नई पारी का आगाज किया था. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की तस्वीरें भी पोस्ट की थीं.

जिस सुशांत सिंह राजपूत केस में CBI को नहीं मिले सबूत, उसमें रिया चक्रवर्ती ने जेल में कितनी रातें काटीं

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की जांच कर रही सीबीआई ने दो केसों में कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है. सीबीआई ने एक क्लोजर रिपोर्ट पटना की स्पेशल कोर्ट में, जबकि दूसरी क्लोजर रिपोर्ट मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट में दायर की है. इनमें से एक मामला सुशांत के पिता केके सिंह ने रिया के खिलाफ दर्ज कराया था, जबकि दूसरा मामला सुशांत की गर्लफ्रेंड रहीं रिया चक्रवर्ती ने एक्टर की बहनों के खिलाफ दर्ज कराया था. अब अदालत फैसला करेगी कि वो इस रिपोर्ट को मंजूर करेगी या फिर एजेंसी को आगे जांच जारी रखने का आदेश देगी.साढ़े चार साल से ज्यादा की जांच के बाद सीबीआई ने ये क्लोजर रिपोर्ट दायर की है. अधिकारियों ने कहा कि एक्सपर्ट के ओपिनियन, क्राइम सीन एनालिसिस, गवाहों के बयान और

फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई ने ये माना कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जो इस आरोप का समर्थन करता हो कि किसी ने भी एक्टर को सुसाइड के लिए उकसाया है. सीबीआई ने मामले में आरोपी रहीं रिया चक्रवर्ती को क्लीनचिट दे दी.

रिया चक्रवर्ती पर टूटा कहर

इस पूरे मामले में सुशांत सिंह राजपूत की तो मौत हो गई, लेकिन कहर उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार पर टूटा. रिया चक्रवर्ती को सुशांत की मौत के बाद से ही 'गोल्ड डिगर' कहा जाने लगा. सुशांत के परिवार के अलावा सोशल मीडिया पर भी लोगों ने रिया पर तरह-तरह के आरोप लगाए. मीडिया में भी रिया को विलन की तरह पेश किया गया. जांच में ड्रग्स ऐंगल आया तो रिया चक्रवर्ती को जेल तक जाना पड़ा.

27 दिन रिया रहीं जेल में

इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की भी एंट्री हुई थी. पहले मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच ईडी ने की. ईडी ने 7 अगस्त को एक्ट्रेस से सवाल जवाब भी किए, बाद में केस में एनसीबी ने भी रिया से ड्रग्स के ऐंगल में पूछताछ की. इसके बाद 8 सितंबर 2020 को रिया चक्रवर्ती को एनसीबी ने सुशांत को ड्रग्स देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया. रिया 27 दिनों तक जेल में रहीं और फिर उन्हें 7 अक्टूबर 2020 को को बॉम्बे हाई कोर्ट से ज़मानत मिली.

'कमर दबादी..' नए गाने में

नम्रता मल्ला

के साथ पवन सिंह ने लगाई आग, लाखों में मिले व्यूज

पवन सिंह की गिनती भोजपुरी सिनेमा के सबसे पॉपुलर सितारों में होती है. अपनी एक्टिंग के साथ ही पवन सिंह ने अपने फैंस को अपनी आवाज से भी दीवाना बनाया है. भोजपुरी सिनेमा में पावर स्टार के नाम से मशहूर पवन सिंह ने अब तक कई गानों से फैंस का दिल जीता है. वहीं अब वो एक और गाना लेकर आए हैं जो दर्शकों को दीवाना बना रहा है.

पवन सिंह की आवाज के जादू से उनके फैंस अछूते नहीं हैं. अब पवन सिंह ने नया गाना रिलीज किया है जिसका टाइटल है 'कमर दबादी'. इस गाने में पवन सिंह जानी-मानी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला के साथ मिलकर धमाल मचाते हुए नजर आ रहे हैं. दोनों का नया गाना काफी पसंद किया जा रहा है और इसने एक दिन में ही लाखों में व्यूज बटोर लिए हैं.

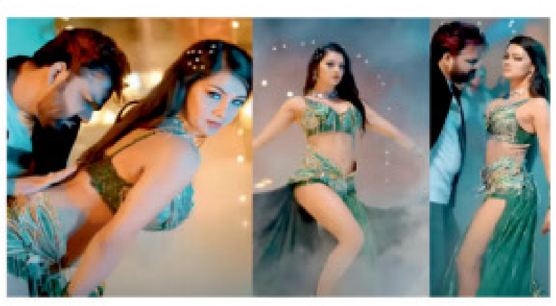

पवन सिंह ने नए गाने से लगाई आग

पवन सिंह और नम्रता मल्ला के नए गाने को VYRL Bhojpuri ने अपने यूट्यूब चैनल से रिलीज किया है. गाने में नम्रता के बोल्ड और हॉट अंदाज ने फैंस को मदहोश कर दिया है. एक तरफ पवन सिंह के साथ उनका डांस और दूसरी तरफ उनकी दिलकश अदाएं दर्शकों के दिलों को धड़का रही हैं. गाने में शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रहीं नम्रता की हर एक अदा पर दर्शक फिदा हो गए हैं. पवन सिंह और नम्रता की जोड़ी को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है. और कमर दबादी गाना इंटरनेट पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है.

शिल्पी राज ने भी दी आवाज

पवन सिंह के साथ इस गाने को शिल्पी राज ने भी आवाज दी है. पवन सिंह के साथ ही शिल्पी की आवाज भी लोगों को पसंद आ रही है. शिल्पी की उम्र अभी महज 22 साल है लेकिन उन्होंने छोटी सी उम्र में ही बड़ा नाम बना लिया है. वो अब तक कई पॉपुलर गानों को आवाज दे चुकी हैं.

'कमर दबादी' को लाखों में मिले हैं व्यूज

पवन और शिल्पा का गाना तेजी से वायरल हो रहा है. लोग इसे काफी सुन रहे हैं. एक दिन में इस गाने को 25 लाख (2.5 मिलियन) व्यूज मिल चुके हैं. और इसके व्यूज लगातार बढ़ रहे हैं.